हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, रविवार, 06 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 47 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

उद्धव-राज ठाकरे बोले- हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं: 48 मिनट के ...

अनिल अंबानी का 49,000 करोड़ का बैंक घोटाला

पीएमएमएसवाई का लक्ष्य फेल: भारत का समुद्री उत्पाद...

झारखंड में बैठे थे चीन के साइबर एजेंट, टेलीग्राम से भेजते थे डेटा

झारखंड सीआईडी को बड़ी कामयाबी, रांची में चीनी साइबर गैंग का भंडाफोड़, 7 एजेंट गिरफ्तार

रांची: सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने पहली बार एक साथ सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार सभी साइबर अपराधी चीनी साइबर अपराधियों के भारतीय एजेंट हैं. ये सभी झारखंड में रहकर चीनी साइबर अपराधियों के लिए काम करते थे.

कौन-कौन गिरफ्तार हुए?

- बिहार के सीवान जिले के निवासी कुमार दीपक
- बिहार के नालंदा जिले के निवासी कुमार सौरभ
- बिहार के सीवान जिले के निवासी प्रभात कुमार
- मध्य प्रदेश के सागर जिले के निवासी लखन चौरसिया
- बिहार के पटना जिले के निवासी शिवम कुमार
- बिहार के पटना जिले के निवासी प्रदीप कुमार

होटल में एकत्र हुए थे सभी

सीआईडी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया है कि साइबर क्राइम ब्रांच को अपनी टेक्निकल टीम के जरिए सूचना मिली थी कि रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के ओलिव गार्डन होटल में संगठित साइबर अपराधियों का एक गुट जमा हुआ है. यह गिरोह निवेश घोटाला और डिजिटल अरेस्ट जैसी धोखाधड़ी की गतिविधियों में संलिप्त है. सूचना के आधार पर साइबर क्राइम ब्रांच की ओर से होटल में अचानक छापेमारी की गई, जहां से एक साथ सात साइबर अपराधी पकड़े गए. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल, 11 लैपटॉप, 14 एटीएम, चेक बुक के साथ ही व्हाट्सएप और टेलीग्राम के 60 से अधिक चैट बरामद किए गए हैं.

सभी चीनी साइबर अपराधियों के एजेंट

सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने जानकारी दी है कि गिरफ्तार किए गए सभी साइबर अपराधी चीनी साइबर अपराधियों के भारतीय एजेंट हैं. साइबर क्राइम ब्रांच के मुताबिक गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधी देश के अलग-अलग हिस्सों से चीनी साइबर अपराधियों को म्युल बैंक खातो की सप्लाई करते थे. गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधियों में एक स्पेशल एजेंट भी शामिल है. स्पेशल एजेंट चीनी milnay, dargonpay, super pay, mangopayindia के लिए काम कर रहा था.

चीनी नेटवर्क से जुड़े कई सबूत मिले

सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए चीनी नेटवर्क से जुड़े लोगों के पास से व्हाट्सएप और टेलीग्राम से बड़ी संख्या में बैंक अकाउंट की डिटेल और डिजिटल सबूत बरामद किए गए हैं. जांच में यह भी पता चला है कि टेलीग्राम के जरिए चीन से चीनी साइबर अपराधियों के लिए काम करने वाले एजेंटों को एक एप्लीकेशन भेजी जाती थी. भारत में बैठे साइबर अपराधी एप्लीकेशन पर सिम कार्ड में बैंक से जुड़ा डेटा इंस्टॉल कर देते थे. इसे इंस्टॉल करने के बाद एप्लीकेशन अपने आप ओटीपी और बैंक प्लेट चीनी सर्वर पर पहुंचा देता था. चीन में बैठे अपराधी उन खातों तक रिमोट एक्सेस पाकर करोड़ों रुपये की ठगी कर रहे थे.

देशभर में 68 मामले दर्ज

गिरफ्तार चीनी एजेंट के बैंक खातों के लिंक विभिन्न राज्यों में दर्ज निवेश घोटाले और डिजिटल गिरफ्तारी से जुड़ी शिकायतों से मिले हैं, जिनकी रिपोर्ट एनसीपीआर पोर्टल पर दर्ज है. अब तक जांच में 60 म्युल बैंक खाता स्टेटमेंट प्राप्त हुए हैं. इस गिरोह के खिलाफ देशभर में कुल 68 शिकायतें दर्ज हैं.

इधर, नामकोम में सीआईडी की छापामारी, रोजगार के नाम पर ठगी का किया पर्दाफाश

नामकुम: राजधानी रांची के नामकुम में शनिवार को सीआईडी की टीम ने छापामारी की. जानकारी के अनुसार, सीआईडी के नेतृत्व में टीम ने नामकुम के दो जगहों पर छापामारी कर रोजगार के नाम पर नौजवानों से ठगी करने का पर्दाफाश किया है. टीम ने केतारी बगान घाट रोड़ स्थित पुष्पांजलि प्लैस के उपर एवं लोअर चुटिया लोटा फैक्ट्री के पास स्थित आर्यावर्त एसोसिएट के कार्यालय में छापामारी की. बताया गया कि छापामारी के दौरान पुलिस ने पुष्पांजलि प्लैस में ट्रेनिंग ले रहे 15 युवक-युवतियों और लोअर चुटिया से एक कंप्यूटर ऑपरेटर व एक अन्य युवक को हिरासत में लिया है. सभी को नामकुम थाना में रखकर पूछताछ की जा रही है. वहीं, टीम ने लोअर चुटिया से लैपटॉप, प्रिंटर, रबर स्टाम्प, बिल, आयुर्वेदिक सामान सहित कई सामान जब्त किये हैं. इस छापामारी टीम में एएसपी दीपक कुमार, डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय, सीआईडी थाना प्रभारी नवल किशोर के साथ नामकुम व चुटिया थाना की पुलिस मौजूद रही. फिलहाल, अधिकारियों ने मामले में कुछ भी जानकारी देने से इंकार कर दिया. केवल इतना कहा कि जांच की जा रही है. रोजगार देने के नाम पर पैसे लिए जाते थे. बताया गया कि संस्थान के द्वारा विज्ञापन

निकाल कर स्किल प्रोग्राम के तहत युवाओं को रोजगार देने का झांसा दिया जाता है. विज्ञापन देखकर आने वाले युवक-युवतियों को बड़े-बड़े सपने दिखाये जाते हैं. सभी को ट्रेनिंग लेने के बाद पैसे देने की बात कही जाती है.

युवाओं को ठगा जा रहा: इस मामले में उत्तर प्रदेश के एक युवक ने बताया कि रोजगार का आकर्षक विज्ञापन देकर उन्हें झांसा में लिया जाता है. देश के विभिन्न राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों बेरोजगार लोग ट्रेनिंग ले रहे हैं. ट्रेनिंग के नाम पर सभी युवक-युवती से 25 से 30 हजार लिया जाता है. इनके रहने और खाने की व्यवस्था संस्थान करती थी. ट्रेनिंग के बाद सभी को मार्केटिंग के लिए भेज दिया जाता है. इस तरह सभी को ठगा जा रहा है.

संक्षिप्त खबरें

अमरनाथ यात्रा- चंदरकोट में काफिले की बसें टकराईं, 36 घायल:पहलगाम रूट पर हादसा, बस के ब्रेक फेल हुए थे

श्रीनगर: अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं। खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है। इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है। यात्रा शुरू होने के दूसरे दिन शुक्रवार शाम 7 बजे तक 26,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर लिए थे। यह संख्या बढ़कर 30 हजार हो गई है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। अबतक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। यहां रोज 2000 श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन जारी है।

बिना मानक के हेलमेट बनाने वाली कंपनियों पर होगी सख्त कार्रवाई

देश में हर साल सड़क हादसे में लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ती है. इसमें दो पहिया वाहन चलाने वाले लोगों की संख्या काफी है. अधिकांश दो पहिया वाहन चलाने वाले लोग भारतीय मानक ब्यूरो के मानक को पूरा करने वाले हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं. अगर मानक वाले हेलमेट का प्रयोग हो तो कई लोगों की जान सड़क हादसे में बच सकती है. ऐसे में केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने देश भर के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे केवल बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का ही प्रयोग करें. बीआईएस प्रमाणन के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. दो पहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य किया है. लेकिन घटिया हेलमेट के कारण लोगों को जान गंवानी पड़ रही है. इसे देखते हुए वर्ष 2021 में हेलमेट को लेकर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया. इस आदेश के तहत सभी दोपहिया चालकों के लिए बीआईएस मानक (आईएस 4151:2015) के तहत प्रमाणित आईएसआई-चिह्नित हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया. जून 2025 तक देश में 176 निर्माताओं के पास सुरक्षात्मक हेलमेट के लिए वैध बीआईएस लाइसेंस हैं.

बिहार में वोटर पुनरीक्षण पर विपक्ष के साथ अब साथी दल ने भी जता दी आपत्ति

पटना,(ईएमएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर पुनरीक्षण पर राजनीति चरम पर है। इस लेकर विपक्ष ने आपत्ति जताकर प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया है। वहीं अब एनडीए सहयोगी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाह ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए बहुत कम समय दिया है और चुनाव आयोग को लोगों की चिंताओं का समाधान करना चाहिए। आरएलएम अध्यक्ष कुशवाहा ने कहा कि चुनाव आयोग जो कर रहा है, उस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अगर मतदाता सूची में संशोधन हो रहा है, तब इसमें किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए? मतदाता सूची में संशोधन होना एक स्भाविक प्रक्रिया है। हालांकि, समय कम है और चुनाव आयोग को यह काम थोड़ा पहले करना चाहिए था। चुनाव आयोग को सभी चिंताओं का खुलकर समाधान करना चाहिए। वहीं कुशवाहा ने कहा कि एनडीए में आम सहमति है कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने वाले हैं, और उनके नेतृत्व में बिहार में फिर से सरकार बनेगी। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे जो चाहें कह देते हैं। कुशवाहा ने यह बात स्वीकारी है कि कई लोगों के पास कागजात नहीं है। उन्होंने कहा कि कई लोग हैं जो कभी स्कूल नहीं गए हैं, तब उनके मैट्रिक पास होने का सवाल ही नहीं है।

टांगीनाथ धाम के पुजारी गणेश बैगा की सड़क हादसे में मौत, मंदिर में पूजा-पाठ स्थगित

गुमला जिले के डुमरी प्रखंड स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल टांगीनाथ धाम के पुजारी गणेश बैगा (26) की सड़क हादसे में मौत हो गयी. इस समाचार से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी है. दुर्घटना शुक्रवार को हुई. जिस ट्रक के नीचे दबकर पुजारी की मौत हुई, उस ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त कर लिया है. श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और बैगा समुदाय के लोगों ने गणेश बैगा के निधन पर शोक व्यक्त किया है. लोगों ने कहा है कि गणेश बैगा शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार डुमरी आया था. बाजार में खरीदारी

करने के बाद ट्रैक्टर के पिछले हिस्से (पाटा) पर खड़े होकर लौट रहा था. उसी दौरान ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर की गति बढ़ा दी, जिससे वे असंतुलित होकर नीचे गिर पड़े. सड़क पर गिरने के बाद ट्रैक्टर का पिछला पहिया गणेश बैगा की कमर के ऊपर से गुजर गया. इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत डुमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया. गुमला पहुंचने से पहले ही गणेश बैगा ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. हालांकि, उन्हें गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पूरे बैगा समाज में मातम छा गया है. अब कुछ समय तक पूजा-पाठ स्थगित रहेगा.

देवघर प्रशासन का फैसला, श्रावणी मेले में वीआईपी, वीवीआईपी या आउट ऑफ टर्न दर्शन नहीं कर पायेगा

देवघर: झारखंड के देवघर में लगने वाले प्रसिद्ध श्रावणी मेला में इस साल कोई वीआईपी, वीवीआईपी या आउट ऑफ टर्न दर्शन नहीं कर पायेगा. प्रशासन ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिये हैं. झारखंड सरकार ने कहा है कि श्रावणी मेला 2025 में

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में वीआईपी और वीवीआईपी के अलावा आउट ऑफ टर्न पूजा के लिए प्रवेश पर पूर्णतः रोक रहेगी. देवघर के डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला में हर दिन लाखों श्रद्धालु देवघर पहुंचते हैं. उन्हें जलार्पण करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए यह निर्णय लिया गया है. डीसी ने कहा कि श्रद्धालुओं को सुलभ व सुरक्षित जलार्पण करने की सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने श्रद्धालुओं के हित में इस व्यवस्था को बनाये रखने में सभी से सहयोग की अपील की है. श्रद्धालुओं की अपार संख्या को देखते हुए, उनके जान-माल की सुरक्षा और कांवरियों के सुगम जलार्पण के लिए यह निर्देश जारी किया गया है. वर्ष 2015 से ही श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर श्रावणी मेला के दौरान वीआईपी, वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूर्णतः रोक है.

मुहर्रम का जुलूस आज:मेन रोड में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, शहर के 15 रास्तों में वाहनों की नो इंट्री

रांची: मुहर्रम को लेकर राची पुलिस ने सिटी एसपी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान सीसीआर एएसपी,कोतवाली डीएसपी, सिटी डीएसपी सहित कई थाना प्रभारी मौजूद रहे। फ्लैग मार्च एलबर्ट एक्का चौक, डेली मार्केट,उर्दू लाइबेरी, अंजुमन प्लाजा, एकरा मस्जिद, कर्बला चौक, बिक्रांत चौक, चर्च रोड होते हुए वापस एलबर्ट एक्का चौक आया। इधर, मुहर्रम जुलूस को लेकर शहर के ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। शहर के प्रमुख 15 मार्गों पर रविवार की सुबह 10 बजे से जुलूस की समाप्ति तक वाहनों की इंट्री बंद की गई है। जुलूस वाले रूट में निजी व यात्री वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इससे संबंधित आदेश ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने जारी कर दिया है।

150 से अधिक अतिरिक्त ट्रैफिक जवान तैनात

ट्रैफिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नो इंट्री वाले रूट पर बैरिकेडिंग कर 150 से ज्यादा अतिरिक्त ट्रैफिक जवानों को तैनात किया गया है। ट्रैफिक एसपी ने कहा है कि शहर के अन्य किसी भी रास्ते पर मुहर्रम जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता होती है तो की जाएगी।

पहली बार मुहर्रम जुलूस में नहीं कटेगी बिजली, एसओपी जारी

झारखंड गठन के बाद पहली बार मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली नहीं कटेगी। जेवीवीएनएल ने पहले ही इसका एसओपी जारी कर दिया है। अब इसका पालन कराने की जिम्मेवारी जिला प्रशासन, स्थानीय थाना, कार्यपालक एवं सहायक विद्युत अभियंता की होगी। इसमें समितियों का भी सहयोग आपेक्षित होगा। रांची सर्किल के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने इसको लेकर एक पत्र संबंधित डिवीजन के इंजीनियरों को लिखा है। जिसमें कहा गया है कि सभी इंजीनियर जुलूस मार्ग में अपने अफसर एवं कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करेंगे और जुलूस को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।

मुहर्रम पर रहेगा ड्राई डे, शराब दुकानें रहेंगी बंद: उत्पाद आयुक्त

मुहर्रम के अवसर पर छह जुलाई को रांची जिले में ड्राई डे (शुष्क दिवस) घोषित किया गया है। सहायक उत्पाद आयुक्त द्वारा शुष्क दिवस पर रांची जिले की सभी प्रकार की खुदरा उत्पाद दुकानें, बार एवं क्लब सहित थोक बिक्री परिसर (JSBCL), सभी देशी/विदेशी शराब की विनिर्माणशाला तथा सभी प्रकार की उत्पाद अनुज्ञप्ति परिसर बंद रखने का आदेश दिया गया है। अवैध शराब बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने के लिए सघन गश्ती एवं छापामारी का आदेश दिया गया है। सहायक उत्पाद आयुक्त द्वारा ड्राई डे (छह जुलाई 2025) पर किसी भी प्रकार से शराब की बिक्री एवं आपूर्ति पर प्रतिबंध से सभी अनुज्ञाधारियों को अवगत कराने एवं बंद रखने के आदेश का सख्ती से अनुपालन का आदेश दिया गया है।

पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या: मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम पर फूटा मां का गुस्सा; बोलीं- मेरा बेटा भी बीजेपी में था; इंसाफ चाहिए

बिहार में शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में शनिवार को पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों की माने तो मर्डर शूटर से कराया गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए STF की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। IG जितेंद्र राणा ने बताया कि 'हत्याकांड के कई पहलू सामने आए हैं। जिस पर जांच हो रही है। शूटर ने गोली मारी है। उसके साथ कुछ लाइजनर भी थे। शूटर से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं।' 'शूटर और शूटर को भेजने वालों की जानकारी मिल चुकी है। हत्या क्यों की गई ये भी लगभग सामने आ चुका है। जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी होगी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।'

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन पर खेमका का मां का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि 'मेरा बेटा भी बीजेपी में था। मुझे

इंसाफ चाहिए।' गोपाल खेमका का रविवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनकी बेटी के स्कॉटलैंड से आने का इंतजार किया जा रहा है।

अपार्टमेंट के गेट के सामने खेमका का मर्डर

पटना में गोपाल खेमका को उनके अपार्टमेंट के गेट के ठीक सामने अपराधी ने गोली मारी थी। खेमका गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास कटारुका निवास में रहते थे। आनन-फानन में परिजन उन्हें पटना के मेडिवर्सल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गोपाल खेमका देर रात खुद गाड़ी ड्राइव करते हुए बांकीपुर क्लब से घर लौटे थे। वो जैसे ही अपार्टमेंट के पास पहुंचे, घात लगाए अपराधी ने सिर में गोली मार दी। अपराधी बाइक से आया था। हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें एक अपराधी उन्हें गोली मारकर भागते हुए दिखाई दे रहा है।

हत्या की खबर लगते ही खेमका के घर के बाहर भीड़ जुट गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने परिवार से मुलाकात की। घर के अंदर ही उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डीजीपी से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने जल्द से जल्द अपराधियों के पकड़ने के निर्देश दिए हैं। गांधी मैदान थाने से 300 मीटर दूर वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि 2 घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

परिजनों ने घटना की सूचना पटना पुलिस को देने की कोशिश की, लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया। फिर एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन को फोन कर घटना की सूचना दी। इसके बाद पटना पुलिस हरकत में आई। घटना की सूचना मिलने के बाद SSP, सिटी SP, सांसद पप्पू यादव और दूसरे लोग उनके घर पहुंचे। मौके पर FSL की टीम भी पहुंची है। इसके साथ ही अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर STF को लगाया गया है।

मेडिकल शिक्षा घोटाले में सीबीआई ने कई लोगों को किया गिरफ्तार, कहा- यह इससे जुड़ा भारत का सबसे बड़ा स्कैम

देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भारत के सबसे बड़े मेडिकल शिक्षा घोटालों में से एक बताया है। सीबीआई ने इस मामले में 34 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आठ अधिकारी, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के पांच डॉक्टर और कई निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस घोटाले का जाल कई राज्यों में फैला हुआ है, जिसमें मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी, निरीक्षण और मान्यता देने में भ्रष्टाचार और धांधली के गंभीर आरोप लगे हैं। सीबीआई की जांच के अनुसार, इस घोटाले का केंद्र केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय है, जहां से गोपनीय जानकारी लीक की जा रही थी। यह जानकारी निजी मेडिकल कॉलेजों तक पहुंचाई जाती थी, ताकि वे एनएमसी के निरीक्षणों में धांधली कर सकें। इस रैकेट में शामिल लोग मोटी रकम के बदले निरीक्षण की तारीख और निरीक्षकों के नाम जैसी संवेदनशील जानकारी लीक करते थे। इससे कॉलेज फर्जी व्यवस्थाएं करके निरीक्षण में पास हो जाते थे।

कैसे काम करता था यह रैकेट?

सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक, रावतपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के चेयरमैन रवि शंकर महाराज, जो रावतपुरा सरकार के नाम से भी जाने जाते हैं, ने निरीक्षण की जानकारी पहले से हासिल करने की कोशिश की। इसके लिए उनके इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी ने गीतांजलि यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार मयूर रावल से संपर्क किया। रावल ने कथित तौर पर 25 से 30 लाख रुपये की मांग की और निरीक्षण की तारीख के साथ-साथ निरीक्षकों के नाम भी बता दिए। इसके बाद रवि शंकर ने पूर्व UGC चेयरमैन और TISS के मौजूदा चांसलर डीपी सिंह से संपर्क किया, ताकि एक अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट मिल सके। डीपी सिंह ने यह काम अपने सहयोगी सुरेश को सौंपा। सीबीआई ने हाल ही में इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एनएमसी के तीन डॉक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने रावतपुरा इंस्टीट्यूट के लिए 55 लाख रुपये की रिश्वत लेकर अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट दी। जांच में पता चला कि पूजा मीना, धर्मवीर, पीयूष माल्याण, अनूप जायसवाल, राहुल श्रीवास्तव, दीपक, मनीषा और चंदन कुमार नाम के स्वास्थ्य मंत्रालय के आठ अधिकारी गोपनीय फाइलों की तस्वीरें खींचकर और वरिष्ठ अधिकारियों के नोट्स को बाहरी लोगों तक पहुंचाकर इस रैकेट को चला रहे थे। इस घोटाले में शामिल कॉलेजों ने लीक हुई जानकारी का फायदा उठाकर कई तरह की धांधलियां कीं।

संक्षिप्त खबरें...

एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के अधिकारियों से हुई ग्रामीणों की वार्ता

बड़कागांव(हज़ारीबाग): बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक एवं एमडीओ बीजीआर कंपनी के अधिकारियों और अंबाजीत गांव के ग्रामीणों के बीच बैठक हुई ग्रामीणों ने एनटीपीसी और बीजीआर कंपनी के अधिकारियों के समक्ष बारी-बारी से अपने विचार रखें ग्रामीणों ने सर्वप्रथम विस्थापित प्रभावित क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य ,सड़क और बिजली दुरुस्त करने की मांग रखी इन मांगों पर कंपनी के अधिकारियों ने अस्वस्थ करते हुए जल्द ही विस्थापित प्रभावित क्षेत्र में शिक्षा ,स्वास्थ्य ,सड़क और बिजली दुरुस्त करने की बात कही।इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने कंपनी को सहयोग करने की बात कही है। बैठक में एनटीपीसी के अधिकारियों में मुख्य रूप से विनोद भोयर, एम एच मंजूनाथ एवं सुरजीत चौधरी के अलावा अन्य ग्रामीण और रैयत उपस्थित थे।

हाथियों के झुंड ने दर्जनों किसानों के फसलों को किया बर्बाद, मुआवजे की मांग

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव प्रखंड में पिछले 11 दिनों से हाथियों ने दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों के फसलों एवं घरों को बर्बाद किया है। जिसमें गोंदलपूरा पंचायत के जोराकाठ, सेहदा, चपरी, बादम,हरली,नयाटांड सहित कांडतरी पंचायत शामिल हैं। शनिवार को कांडतरी में हाथियों ने 20 - 25 किसानों के फसलों गन्ना, मक्का, धान का बिचड़ा, भिंडी, बोदी, बैंगन, मिर्ची, सोलर प्लेट, बोरिंग सहित पाईप इत्यादि को नष्ट कर दिया।प्रखंड उप प्रमुख वचन देव कुमार एवं कांडतरी पंचायत के मुखिया राजदेव महतो ने स्थल निरीक्षण किया एवं छतिग्रस्त हुए दर्जनों किसानों के फसलों के लिए वन विभाग एवं सरकार से मुआवजा की मांग की।

बड़कागांव महुदी में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, उपायुक्त एवं एसपी शामिल हुए

बड़कागांव(हज़ारीबाग): बड़कागांव महुदी में मोहर्रम पर्व पर शांति स्थापित करने को लेकर बड़कागांव पुलिस प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च निकला गया। इस फ्लैग मार्च में हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, एसपी अंजनी अंजन, डीडीसी इस्तियाक अहमद, एसडीएम बैजनाथ कामते, एसी संतोष सिंह इत्यादि मौजूद रहें। मौके पर उपस्थित जिला पदाधिकारीयों ने महुदी की वास्तु - स्थिति से अवगत हुए। इस दौरान डीसी, एसपी व अन्य ने उपस्थित ग्रामीणों से शांतिपूर्वक पर्व मनाने की अपील किए। फ्लैग मार्च में मुख्य रूप से हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, एसपी अंजनी अंजन, डीडीसी इस्तियाक अहमद, एसडीएम बैजनाथ कामते, एसी संतोष सिंह, बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार, बीडीओ जितेंद्र कु मंडल, सीओ मनोज कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार, थाना प्रभारी नेमधारी रजक, एसआई इंद्रजीत कुमार, राकेश खवास, प्रभात कुमार, भगवान सिंह, रामनिवास सिंह सहित सैकड़ों सशस्त्र बल के जवान उपस्थित थे।

बड़कागांव में घूरती रथ यात्रा संपन्न

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की घूरती रथ पूजा शनिवार को संपन्न हो गया। बड़कागांव प्रेम नगर स्थित मौसी बाड़ी में श्रद्धालुओं के द्वारा दिनभर भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया गया। पुजारी चिंतामणि महतो ने मौसी बाड़ी के पास भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को उनके मौसी बाड़ी में रथ पर बैठा कर पूजा अर्चना कर आरती उतार कर उनके धाम राम जानकी मंदिर के लिए रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने रेंज ऑफिस प्रेम नगर मौसी बाड़ी बड़कागांव मुख्य चौक दैनिक बाजार होते हुए राम जानकी मंदिर पहुंचे। राम जानकी मंदिर प्रांगण में उपस्थित लोगों ने भगवान केआगमन पर स्वागत किया आरती उतार कर उन्हें अपने मंदिर में विराजमान कराया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पुजारी चिंतामणि महतो, पिंटू गुप्ता, जय हिंद महतो, इंग्लेश सोनी, पवन कुमार, कार्तिक महतो ,रविंद्र लाल, दर्शन प्रसाद कुशवाहा, पदुम महतो , हरीनाथ राम आनंद कुमार बंधन महतो अंतू महतो डोमन महतो के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

उद्योग पंजीकरण हेतु एक दिवसीय जागरूकता शिविर का होगा आयोजन

हज़ारीबागः प्रबंध निदेशक, जिडको, रांची के निर्देशानुसार एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक आठ जुलाई को नेचर केयर एंड एजुकेशन सोसाइटी, हजारीबाग में निःशुल्क उद्योग पंजीकरण हेतु एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है।इस अवसर पर हजारीबाग जिले के सभी उद्यमी/व्यवसायी निर्धारित तिथि को आयोजित जागरूकता शिविर में अपने उद्योग/इकाई के पंजीकरण हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक,आधार लिंक मोबाइल नंबर के साथ भाग ले सकते हैं। उपरोक्त जानकारी की सूचना जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग के महाप्रबंधक ने दी है।

नाबालिग लड़की की अपहरण करने का मामला आया सामने, पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत गोरहर थाना क्षेत्र के ग्राम नावाडीह में एक नाबालिग लड़की की अपहरण करने का मामला सामने आया है।इस बाबत गोरहर थाना में लड़की के पिता ने आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है।जिसमें लिखा कि मेरी पुत्री बंडांसिगा हाई स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ती है।पिछले 3 जुलाई को वह स्कूल पढ़ने गई थी जब शाम चार बजे तक घर नहीं पहुंची तो हमलोग खोजबीन करने लगे. इसी दौरान पता चला कि गांव के ही आशीष ठाकुर पिता राजकुमार ठाकुर के द्वारा मेरी पुत्री का अपहरण कर लिया गया है।आशीष ठाकुर मेरी पुत्री को बगोदर की ओर ले जाते हुए देखा गया है।इस बाबत गोरहर थाना में कांड संख्या 32/25 पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर खोजबीन शुरू किया. इसके पश्चात लड़की 3 जुलाई की रात को अपने घर पहुंच कर अपनी आपबीती सुनाई. उसने बताया कि मैं आशीष ठाकुर के चंगुल से किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंची. इस बाबत गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि पुलिस आरोपी की खोजबीन को लेकर छापामारी कर रही है।जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

मुहर्रम के नवमी पर निकाला गया भव्य जुलूस, या हुसैन के नारों से गूंजा बरकट्ठा

पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारी ने दिखाया तलवार और लाठी का खेल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग): बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। शनिवार की सुबह मुहर्रम नवमी का जुलूस बरकट्ठा में निकाला गया। जुलूस में बरकट्ठाडीह, कोनहराखुर्द मजार शरिफ, बरकट्ठा एवं बरवां गांव के लोग निशान, ताजिया एवं का गाजेबाजे के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया।बरकट्ठा चौक और थाना परिसर में जुलूस एकत्रित होकर पहुंचीं।जहां ताज क्लब, गुलशन क्लब, आजाद क्लब समेत अन्य क्लबों के खिलाड़ियों ने अस्त्र शस्त्र के साथ अपने कला कौशल का प्रर्दशन किया।पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी और थाना प्रभारी गौतम उरांव ने एक दूसरे के साथ तलवार और लाठी का परिचालन किया।मुहर्रम पर विभिन्न अखाड़ों के द्वारा आकर्षक ताजिया बनाया गया है।पर्व को लेकर ग्राम कोनहराखुर्द, सक्रेज, कोनहराकला, घंघरी, जमुआ, शिलाडीह, बेडोकला, कलहाबाद में भी जुलूस निकाली गई. प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कर्बला एवं इमामबाड़ों में धर्मावलंबियों ने नवमी को पहुंच कर चादर पोशी, फातेहा कर अपनी नेक मुरादे मांगी।जुलूस में झामुमो पूर्व जिला उपाध्यक्ष यासीन खान, पूर्व जिप सदस्य प्रतिनिधि कलीम खान, मौलवी मेराज खान, नसीम खान, सराज खान, जाहिद खां, मुस्लिम अंसारी, गफ्फार खां, मो जसीम, सन्नी खान, मो नाजा खान, अब्दुल शकूर अंसारी, खलील अंसारी, सुल्तान अंसारी, मिन्हाज अहमद, हाजी फहीम खां, जया अहमद, अयान अहमद, समीर अहमद, इकबाल अंसारी, बबलू खान, अनवर हुसैन, मो सत्तार, इमरान खान, नाजीस खान, मो सद्दाम, आजाद अंसारी, बबुनी मियां समेत अन्य कई लोग शामिल रहे।

चाईबासा व चक्रधरपुर में रिमझिम बारिश के बीच निकली बाहुरा रथयात्रा

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा, चक्रधरपुर समेत अन्य प्रखंडों में शनिवार की शाम रिमझिम बारिश के बीच भगवान जगन्नाथ की बाहुरा रथयात्रा निकाली गई. जय जगन्नाथ के उद्घोष से वातावरण गुंजित रहा. चाईबासा के पोस्ट ऑफिस चौक स्थित दुर्गा मंदिर से निकली जगन्नाथ महाप्रभु की बहुरा रथयात्रा निकाली गई. जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. इस अवसर पर सदर बाजार में मेले का भी आयोजन किया गया. मेले में बच्चों के खिलौने की दुकानों के अलावा खान-पान की दुकानें सजी थीं.

इधर, चक्रधरपुर के पुरानी बस्ती स्थित गुंडिचा मंदिर (मौसीबाड़ी) से जगन्नाथ महाप्रभु, बड़े भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के विग्रहों को रथ पर विराजमान कर जगन्नाथ मंदिर के लिए रथ खींचा गया. रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखा गया. रास्ते में रथ से ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद उछाले जा रहे थे, जिसे लेने के लिए लोगों में होड़ मची रही. घुरती रथयात्रा के दौरान पुरानी बस्ती में महिलाओं ने घर से बाहर निकल कर शंख, घंटी बजाकर महाप्रभु जगन्नाथ का स्वागत किया. घुरती रथयात्रा में चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र सहित ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. इसी तरह जिले के जगन्नाथपुर, सोनुआ, बंदगांव प्रखंड के कराईकेला, मनोहरपुर समेत अन्य प्रखंडों में धूमधाम के साथ बाहुरा रथयात्रा निकाली गई. लोगों ने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व बड़े भाई बलभद्र के रथ पर दर्शन किए.

एफसीआई गोदाम का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, रख-रखाव और सुरक्षा व्यवस्था के दिया निर्देश

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त हजारीबाग शशि प्रकाश सिंह द्वारा खाद्य निगम (एफसीआई) गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गोदाम में रखे गए खाद्यान्नों की गुणवत्ता, सुरक्षा और रखरखाव की समग्र व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गोदाम भवन की संरचनात्मक स्थिति, खाद्यान्न की भंडारण स्थिति, परिसर की साफ-सफाई, चूहों से बचाव हेतु की गई व्यवस्था, खाद्यान्नों को बरसात में नमी से बचाव के लिए किए गए उपायों, अग्निशमन यंत्र तथा सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से लगाए गए अलार्म सिस्टम की क्रियाशीलता की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बरसात के मौसम में खाद्यान्नों को नमी से बचाने हेतु प्रभावी उपाय किए जाएं और गोदाम के भीतर खाद्यान्नों के रखरखाव किसी प्रकार की ढील न बरती जाए।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने कीटनाशकों के उपयोग की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए मेलेथ्रॉन स्प्रे के प्रभावी छिड़काव के निर्देश दिए ताकि खाद्यान्न कीट-प्रकोप से सुरक्षित रह सके। उन्होंने एफएसएसएआई (FSSAI) लाइसेंस की वैधता की भी जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने को कहा कि गोदाम में रखे खाद्यान्न पूर्णतः मानक अनुरूप हों।उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि खाद्यान्न वितरण योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी, दिशा-निर्देश एवं जनहितकारी सूचनाएं गोदाम परिसर में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएं, जिससे हितग्राहियों को पूरी जानकारी मिल सके।

निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न का भंडारण पूर्ण सावधानी एवं मानकों के अनुरूप हो, ताकि जनवितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों तक गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न समय पर पहुँच सके।निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी, भारतीय खाद्य निगम (FCI) के अधिकारी मौजूद थे।

धनबाद सदर अस्पताल में 28 टेस्ट होंगे मुफ्त, लिवर व किडनी जांच की भी सुविधा

धनबादः धनबाद के सदर अस्पताल में अब 28 से अधिक तरह की पैथोलॉजिकल जांचें पूरी तरह निःशुल्क की जाएंगी. इसमें लिवर, किडनी, लिपिड प्रोफाइल, पैंक्रियाटिक एंजाइम, सीरम कैल्शियम, एलडीएच व हेमेटोलॉजी से संबंधित जांचें शामिल हैं. डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि सदर अस्पताल की लेबोरेट्री को आधुनिक बनाया गया है. वहां मरीजों के लिए विभिन्न तरह के टेस्ट की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई है. अब सदर अस्पताल में लिवर प्रोफाइल के तहत टोटल बिलीरुबिन, डायरेक्ट बिलीरुबिन, इनडायरेक्ट बिलीरुबिन, एसजीओटी, एसजीपीटी, एएलपी, टोटल प्रोटीन, एल्ब्यूमिन तथा ग्लोब्युलिन का टेस्ट उपलब्ध है.

वहीं, किडनी प्रोफाइल में क्रिएटिनिन, यूरिया, यूरिक एसिड, सोडियम, पोटेशियम व क्लोराइड . लिपिड प्रोफाइल के तहत कोलेस्ट्रॉल ट्राइग्लिसराइड, एचडीएल, एलडीएल, वीएलडीएल की सुविधा उपलब्ध है.इसके अलावा पैंक्रियाटिक एंजाइम के तहत एमाइलेज, लाइपेज, सीरम कैल्शियम ,एलडीएच तथा हेमेटोलॉजी में सीबीसी, टीएलसी, डीएलसी व हेमेटोक्रिट टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है. डीसी ने कहा कि अब सदर अस्पताल आने वाले मरीजों को इन टेस्ट के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा. सारे टेस्ट अब सदर अस्पताल में ही निःशुल्क किए जाएंगे.

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि पहले अस्पताल में हीमोग्लोबिन, वायरल मार्कर, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, ब्लड शुगर, थायराइड के टेस्ट की सुविधा थी. डीसी के प्रयास से अब यहां उच्च गुणवत्ता के बायोकेमेस्ट्री सेमी ऑटोमेटिक एनालाइजर, इलेक्ट्रोलाइट एनालाइजर, एचडी बायो सेंसर, एलाइजा मशीन, कंपलीट ब्लड काउंट की दो मशीन उपलब्ध हैं.

महुदी एवं कनोदा मुहर्रम पर्व के मौके पर शोहदाए कर्बला कॉन्फ्रेंस में सम्पन्न

नारे तकबीर अल्लाह हू अकबर के नारो से की गई आगाज

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम महुदी में गुरुवार रात्रि एवं ग्राम कनोदा में शुक्रवार रात्रि को दोनों गांव में अखाड़ा के समीप शोहदाए कर्बला कॉन्फ्रेंस का आयोजन दोनों गांव के अंजुमन कमेटी के द्वारा किया गया। लोगों ने इस कांफ्रेंस कॉन्फ्रेंस में आए अलीम अल्मा के शेरों शायरी के द्वारा कर्बला की दास्तान व हुसैन से जुड़ी हदीस को सुना।कार्यक्रम में मुख्य रूप से महुदी कॉन्फ्रेंस में मौलाना आजम मिस्बाही, कारी एहसान फैजी , इमाम इकराम उल हक वही कनोदा कॉन्फ्रेंस में सादीज रजा हजारीबाग, सफीक रजा कलकत्ता, मंजूर हसन रांची , कारी अब्दुल बासित कमर बलीयाबी, कारी सरफराज अहमद कादरी नाजा तशरीफ़ लाए थे जिनके शेरो शायरी व तकरीर को सुनकर लोगों के द्वारा समय-समय पर शेरो शायरी एवं तकरीर की खूब सराहना की गई। और लोगों की जुबान से सुभान अल्लाह व नारे तकबीर अल्लाह हू अकबर के बुलंद आवाजों के साथ लोग नारा लगाते रहे।कार्यक्रम को सजाने संवारने में व शांतिपूर्ण संपन्न कराने में मुख्य रूप से महुदी सदर फारुख हुसैन , सेक्रेटरी इसराइल अंसारी , नाईफ सदर शहबान अंसारी , ग्राम कानोदा सदर एहसान खान , सेक्रेटरी मुस्लिम अंसारी , मो. आवेश, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि इमरान अंसारी , खिदमते ए खल्क अहमद रजा , आजाद आलम , अफताब आलम , संजर हुसैन , इफ्तिखार अली , इरफ़ाज़ हुसैन , सैफ अंसारी , अरबाज खान , सरफराज आलम , आसिफ हुसैन, सरवर हुसैन का योगदान रहा।

मुहर्रम पर्व को लेकर नप मुख्यालय में अनुमंडलीय पुलिस द्वारा निकाला गया फ्लैग मार्च

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : मुहर्रम पर्व के पूर्व संध्या पर विश्रामपुर अनुमंडलीय पुलिस द्वारा नगर परिषद मुख्यालय में फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसमे एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी,पुलिस निरीक्षक रामाशीष पासवान,विश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे,रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरूआ,नावा बाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव,पांडु थाना प्रभारी बिगेश कुमार राय सहित कई पुलिस पदाधिकारी व काफी संख्या में जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च थाना चौक से शुरू होकर नगर भ्रमण किया। इस दौरान थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने लोगों से भयमुक्त होकर शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम पर्व को मनाने का अपील किया।

मुहर्रम पर्व के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

संवाददाता सहबाज़ खान

हज़ारीबागः मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च सीसीआर से प्रारंभ होकर नूरा कर्बला, छड़वा डैम एवं बड़कागांव के महुदी, हरली सहित संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। इसमें उप विकास आयुक्त समेत अन्य वरीय पदाधिकारी, पुलिस बल एवं प्रशासनिक कर्मी शामिल रहे।फ्लैग मार्च के दौरान उपायुक्त ने आम नागरिकों से मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम हेतु पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।जिला प्रशासन का लक्ष्य पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना है। आमजन से सहयोग कर जिले में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील किया है ।

किसानों की समृद्धि से देश होगा समृद्ध- हेमलाल

लातेहारः भारतीय किसान संघ की लातेहार जिला इकाई का प्रशिक्षण शिविर शहर से एक होटल में आयोजित किया गया. शिविर में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमलाल, प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार सिंह व महामंत्री दीपक उरांव शरीक हुए. क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि से देश समृद्ध होगा. आज देश का किसान कई प्रकार की समस्याधओं से जूझ रहा है. किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्यस नहीं मिल पा रहा है. सरकार किसानों को जरूरी संसाधन उपलब्धू नहीं करा रही है. जब तक इन समस्या ओं का समाधान नहीं होगा, किसान खुशहाल नहीं होंगे. अपने हक के लिए किसानो को भी जागरूक होना होगा. संगठन किसान हित में कार्य कर रहा है.

प्रदेश अध्यक्ष जय कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड में भारतीय किसान संघ किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सतत संघर्ष कर रहा है. प्रदेश मंत्री दीपक उरांव ने कहा कि गांव आधारित खेती सबसे उत्तम है. कार्यक्रम की अध्यकक्षता जिला अध्यक्ष राजू सिंह ने व संचालन जिला मंत्री बबन माझी ने किया. मौके पर मनीष कुमार, सरजू प्रसाद, अशोक, कुंदन प्रसाद, मनोज उरांव, गोविंद सिंह, सुरेंद्र सिंह व सुनील प्रसाद समेत कई किसान मौजूद थे.

झारखंड समन्वयक-बीपीओ ने पीएम व आबुआ आवास का किया निरीक्षण

चाईबासाः पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड की टीम ने ओटार पंचायत में प्रधानमंत्री आवास व आबुआ आवास योजना के तहत आवासों के निर्माण की स्थिति का निरीक्षण किया.सभी लाभुकों को जल्द से जल्द आवास पूर्ण करने का निर्देश दिया गया. आवास निर्माण की गुणवत्ता की भी जांच की गई. टीम का नेतृत्व कर रहे प्रखंड समन्वयक व बीपीओ ने लाभुकों के कहा कि आवास निर्माण में कोई परेशानी है तो उसकी जानकारी तुरंत दें. दोनों पदाधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों ने पैसा लेकर अभी तक आवास निर्माण शुरू नहीं किया है उन पर करवाई की जाएगी. टीम में मुख्य रूप से प्रखंड समन्वयक अमित कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी भीष्म देव प्रधान, लाल बाबू दास, पंचायत सचिव बलेश्वर गोप, राजू महतो शामिल थे.

चूट्टू के सैकड़ो लोगों ने बिजली सब स्टेशन इरबा पहुंच स्मार्ट मीटर का विरोध जताया

ओरमांझी(मोहसीन):चूट्टू गांव के सैकड़ो ग्रामीण शनिवार को इरबा बिजली सब स्टेशन पहुंचकर स्मार्ट मीटर लगने से बिजली का अधिक बिल आने का विरोध जताया,इस दौरान बिजली सब स्टेशन के एसडीओ अनिल कुमार शर्मा से ग्रामीणों ने अपनी शिकायत रखी,ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की खपत कम है फिर भी 50 हजार 60 हजार 80 हजार से अधिक बिल आ जा रहा हैं,हम लोग गरीब हैं कैसे इतना ज्यादा बिल को जमा कर सकते हैं,बिजली बिल जमा करने के आर्थिक बोझ से कमर टूट रही हैं,लोगों को कहना है कि जब से स्मार्ट मीटर लगा हैं,काफ़ी परेशानी हो रही हैं,सरकार द्वारा 200 यूनिट माफ़ी बिजली माफ़ी के बाद गलत तरीके से बिजली का अधिक बिल आना बिलकुल बिजली विभाग की नाकामी हैं,इस पर जाँच कर गरीबों मजदूरों किसानों की परेशानी को कम किया जाये, गलत तरीके से जो बिल आया है उसे माफ किया जाए,बिना ऊर्जा मित्र के ही गलत तरीके से बिल तैयार किया जा रहा है और पैसा नहीं जमा करने से बिजली काट दी जा रही है,ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह अगर हम लोगों का बिल आता रहा तो हम लोग सड़क जाम कर विरोध करेंगे और बिजली स्मार्ट मीटर को उखाड़ फेकेंगे. बिजली उपभोक्ताओं की बातों को सुनकर एसडीओ अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि जिन लोगों का गलत तरीके से बिल आया है उन लोगों का जांच के उपरांत सुधार कर दिया जाएगा चिंता का बात नहीं है,ग्रामीणों ने एस डीओ को ज्ञापन सौंपा और कहा जाँच किया जाये गलत और अधिक बिल आ रहा हैं, अधिकारी ने बताया जिसका गलत बिल आया हैं उसका माफ होगा.3 घंटा से अधिक समय तक सब स्टेशन में अधिकारीयों से ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं की गुहार लगा रहे थे,मौके मुख्य रूप से सेक्रेटरी हयात अंसारी विधायक प्रतिनिधि नसीम अंसारी, शरीफ अंसारी अनवारुल अंसारी, शाकिर अंसारी,उप मुखिया सईद अंसारी,मौलाना अजीज मोदसीर एहरार सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

संघर्ष से सफलता आपको जरूर मिलेगी : फादर नाबोर लकड़ा

संवाददाता रांचीः गोस्सनर महाविद्यालय में शनिवार को आई क्यू ए सी और अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप संत जेवियर कॉलेज रांची के भूतपूर्व प्राचार्य फादर नाबोर लकड़ा एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं के मेंटोर एम ए हक उपस्थित थे। फादर नाबोर लकड़ा ने संघर्ष और चेतना की उपयोगिता के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी दी, साथ ही उन्होंने यह भी कहा की संघर्ष से सफलता आपको जरूर मिलती है। मेंटोर एम ए हक ने स्नातक की पढ़ाई करते हुए लोक सेवा परीक्षा की त्यार पर चर्चा की। विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के साथ साथ उनके सवालों पर भी चर्चा की। मौके पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रो इलानी पूर्ति ने समय के महत्व के विषय पर जोर डालते हुए कहा " कि समय कभी लौट कर नहीं आता। ना ही ये सोचना है कि भविष्य में करेंगे। जो करना है वो अभी करना है और अपना बेहतर देना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ ईवा हंसदक, डॉ सुब्रतो सिन्हा, डॉ गौतम एक्का, डॉ अदिति टोप्पो, डॉ प्रियंका सोरेन, एवं अन्य का योगदान था।

सिद्धार्थ जयसवाल चुने गए जेसीआई एक्सपो उत्सव के मुख्य संचालक

संवाददाता रांचीः जेसीआई एक्सपो उत्सव जिसे रांची का त्योहार भी कहा जाता है विगत पिछले 27 वर्षों से झारखंड का सबसे बड़ा कंज्यूमर फेस्ट माना गया है। मोरहाबादी मैदान में लगने वाला 7 दिनों का ये एक्सपो, जहां आप कपड़े, इलेक्ट्रोनिकस, कंप्यूटर, फ्लैट, घर से जुड़ी हर जरूरत की वस्तु, नई गाड़ियां एवं फर्नीचर इत्यादि खरीद सकते है, 5 लाख से ज्यादा लोगों को आकर्षित करता है इस बार सितम्बर के महीने में लगने जा रहा है। इस साल जेसीआई एक्सपो उत्सव के मुख्य संचालक के तौर पर जेसी सिद्धार्थ जयसवाल को चयनित किया गया है। सिद्धार्थ पूर्व में जेसीआई रांची के सचिव के तौर पर अपना कार्यभार संभाल चुके है और विगत 14 वर्षों से जेसीआई एक्सपो उत्सव में अपनी सहभागिता दे रहे है। पेशे से सिद्धार्थ स्टील कारोबारी है। वे 15 सालों से जेसीआई रांची के मेंबर है। सह संचालक के रूप मैं जेसी दीपक पटेल, जेसी अभिषेक जैन, जेसी अनीश जैन और जेसी सौरव नरेडी है।

जननायक स्व. रामविलास पासवान की जयंती पर रांची में कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता रांचीः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक, जननायक, पद्म भूषण स्व. रामविलास पासवान जी की जयंती के अवसर पर रांची में एक स्मरण सभा एवं संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री बिरेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री बिरेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में स्व. पासवान के योगदान, विचारों, और दलित-पिछड़ा समाज के प्रति उनके संघर्षों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। साथ ही, संगठनात्मक मजबूती, सदस्यता अभियान और भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्व. रामविलास पासवान जी के विचार और संघर्ष आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और हम सबको मिलकर उनके सपनों को साकार करना है। इस अवसर पर अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से उमेश तिवारी, अभिषेक राय, ज्योति होरो, रतन पासवान, श्रवण कुमार, दिनेश सोनी, आदित्य विजय प्रधान, शिवजी कुमार, विष्णु सोनी, दीपिका होरो, ममता रंजन, उत्तम राय, ऋषिकेश राम, आकाश भारती, आनंद वर्मा सहित कई अन्य कार्यकर्ता सम्मिलित थे।

9 जुलाई को कृषकों व श्रमिकों का हड़ताल ऐतिहासिक होगा : भुनेश्वर प्रसाद मेहता

संवाददाता रांचीः अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय काउंसिल के सद्स्य व पूर्व सांसद भुबनेश्वर प्रसाद मेहता ने 9 जुलाई को ट्रेड यूनियन्स के द्धारा आहूत ऑल इंडिया हड़ताल का समर्थन किया है. मेहता आज एक प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि जन निजीकरण, कृषि सेक्टर और श्रमिक अधिकारों पर हो रहे हैं हमले से देश में अराजकता की स्थिति है. उपनिवेशवाद के बाद देश में आज पूंजीवाद का खतरा मंडरा रहा है. श्रमिक और कृषक ने निजीकरण एवं पूंजीवाद के खतरे को देखते हुए राष्ट्रव्यापी हड़ताल आहूत किया है. यह हड़ताल ऐतिहासिक होगा और पूंजीवाद,निजीकरण, जल जंगल जमीन बचाओ के लिए किसानों एवं श्रमिकों के गोलबंदी नव उरगुलान का आगाज करेंगे.

रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण की अध्यक्षता में स्वागत समारोह का आयोजन

संवाददाता रांचीः जिला कार्यालय रांची में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण की अध्यक्षता में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। बैठक मुख्य रूप से नवनियुक्त सोशल मीडिया के अध्यक्ष जगदीश चंद्र महतो एवं मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार सिंह के स्वागत के उपलक्ष्य में रखा गया । साथ ही अध्यक्ष डॉ. किरण जी ने कांग्रेस पार्टी को धारदार बनाने के लिए तथा राहुल गांधी के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही आगामी 10 जुलाई के कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से राजीव रंजन राजू अर्चना मिश्रा, संजय सरैया, जगदीश चंद्र महतो, सुरेश कुमार सिंह , शैलेंद्र कुमार सिंह, रश्मि पिंगुआ, खगेश महतो जी विशेष रूप उपस्थित रहे।

जगन्नाथपुर रथयात्रा मेले में फूड सेफ्टी विभाग ने चलाया जांच अभियान, खतरनाक रंग से बनी मिठाई और छोले कराए नष्ट

रांचीः राजधानी के धुर्वा में रथयात्रा मेला के दौरान धड़ल्ले से मिठाई, चाट और पकौड़ा बिक रहे थे. इस दौरान फूड सेफ्टी विभाग द्वारा सामानों की कोई जांच नहीं की गई. इसको लेकर ईटीवी भारत ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की. जिसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची के आदेश पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सिद्धेश्वर बास्के के मार्गदर्शन में फूड सेफ्टी विभाग ने धुर्वा स्थित रथयात्रा मेला में बिक रही मिठाइयों, चाट और पकौडों की गुणवत्ता की जांच की.

जांच में कई खाद्य सामग्री पाए गए मिलावटीः रांची के फूड सेफ्टी अधिकारी सुबीर रंजन ने बताया कि धुर्वा के जगन्नाथपुर मेला स्थित मिठाई और फूड स्टॉल से कुल 96 खाद्य पदार्थों की सैम्पल लेकर मौके पर ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से ऑन स्पॉट जांच की गई. जांच के क्रम में एक मिठाई दुकान से अखाद्य रंग से बनी 24 किलो मिठाई पाई गई. जिसे तुरंत नष्ट कराते हुए दुकानदार को चेतावनी दी गई.

सुबीर रंजन ने बताया कि चाट की 3 स्टॉल से कुल 7 किलो छोला में जांच के दौरान अखाद्य रंग पाए जाने के कारण नष्ट कराया गया. साथ ही सभी दुकानदारों को गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री बेचने और खाद्य प्रतिष्ठान में साफ सफाई रखने का निर्देश दिया गया है. जांच अभियान में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से कीर्ति नंदा, जूनियर एनालिस्ट चंदन खरवार, सुधांशु रंजन, अटेंडेंट खाद्य सुरक्षा कार्यालय रांची से शिव नंदन यादव, सजल श्रीवास्तव और मधुसूदन दास शामिल थे.

क्यों जरूरी होता है मेला में बिक रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचः रथयात्रा मेला में बिकने वाली ज्यादातर रंग बिरंगी मिठाइयों, चाट और पकौड़ों की जांच इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि इसमें दुकानदार अखाद्य रंगों का प्रयोग करते हैं या फिर ज्यादा रंगीन बनाने के चक्कर में खाद्य रंग (edible colour) अधिक मात्रा में मिला देते हैं. जिससे वह सेहत के लिए खतरनाक हो जाता है. पूर्व में कई बार ऐसी मिठाइयों में खतरनाक रासायनिक तत्व मेटानिल पाया जाता रहा है, जो मानव शरीर में कैंसर के लिए जिम्मेदार होता है.

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् के बैठक से संबंधित समीक्षात्मक बैठक

बैठक में उपायुक्त ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता रांचीः पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् (Eastern Zonal Council) की 27 वीं बैठक आगामी 10 जुलाई 2025 को रांची में आयोजित होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण बैठक के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में शनिवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने कार्यक्रम के सुचारु और सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों को उनके कार्यों और दायित्वों के निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कोषांगों को अभी से कार्य प्रारंभ करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस बैठक का आयोजन रांची के लिए गौरव की बात हैं। उपायुक्त ने विशेष रूप से कहा कि सभी कोषांग अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में समन्वय बनाकर कार्य करें। उपायुक्त ने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आतिथ्य, आवास, परिवहन, और अन्य सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और व्यवस्थित रूप से पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित समीक्षा और प्रगति की निगरानी करने के लिए कहा ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

बैठक में उप विकास आयुक्त, सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी, उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता राँची, रामनारायण सिंह, जिला भू- अर्जन पदाधिकारी राँची, के. के. राजहंस, PDITDA, संजय कुमार भगत, अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वरनाथ आलोक, जिला जन संपर्क पदाधिकारी राँची, उर्वशी पांडेय, सहित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने कोषांगों के कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर चर्चा की। उपायुक्त ने सभी कोषांगों से आपसी तालमेल और समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की यह अहम बैठक सफल हो सकें।

नवी मुहर्रम पर निकला मातमी जुलूस

कर्बला सच्चाई की प्रतीक हैः मौलाना तहजीबुल हसन

संवाददाता रांचीः नवी मोहर्रम के मौके पर अनवर आर्केड स्वर्गीय एडवोकेट सैयद यावर हुसैन के आवास से मातमी जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अनवर आर्केड से निकलकर अंजुमन प्लाजा चौक, डॉक्टर फ़तेहुल्लाह रोड होते हुए मस्जिद जफरिया पहुंचा। सैयद फराज अब्बास ने कहा कि स्वर्गीय सैयद यावर हुसैन के आवास से वर्षों से जुलूस निकलता आ रहा है। आय हुए सभी आजादारों का फ़राज़ अब्बास ने स्वागत किया। जुलूस से पूर्व अनवर आर्केड में मजलिस जिक्र शहीदाने कर्बला का आयोजन किया गया। जिसको झारखंड वक्फ़ बोर्ड के सदस्य सह मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम ए जुमा हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने संबोधित करते हुए कहा के आज नवी मोहर्रम है। और हमें शपथ लेनी चाहिए के हम हर दौर के यजीद का मुकाबला करेंगे। जो भी यजीदी फितरत का होगा वह इंसानियत का दुश्मन होगा। इस्लाम में आतंकवाद का कोई जगह नहीं है, उसी तरह यह यजीदी फितरत और यजीदी सोच रखने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यजीद का काम था लोगों में तोड़ पैदा कर करना और इस्लाम और इस्लाम के मानने वालों को बदनाम करना। लेकिन जो हक और सच पर रहता है, जमाना ने देखा कि यजीद खुद बदनाम हो गया मगर इस्लाम को बदनाम ना कर सका।

करमा खदान हादसे की हो जांचः विजय शंकर नायक

संवाददाता रांचीः आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा की झारखंड के रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में सीसीएल करमा परियोजना के खुले खदान में शनिवार सुबह हुए दिल दहलाने वाले हादसे ने एक बार फिर भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। चाल धंसने से चार गरीब मजदूरों निर्मल मुंडा (42), वकील करमाली (55), इम्तियाज खान उर्फ लालू खान (38), और रामेश्वर मांझी (35) की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य रोजिदा खातून (35), सरिता देवी (40), और अरुण मांझी (22) गंभीर रूप से घायल होने पर आज अपनी प्रतिक्रिया मे इन्होंने आगे कहा कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि लापरवाही और माफिया के संरक्षण में फल-फूल रहे अवैध खनन का खूनी परिणाम है।

नायक ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आक्रोशित और तीखे शब्दों से हमला करते हुए इसे सीधे तौर पर दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग के लोगों की हत्या करार देते हुए कहा है कि यह हत्या उस भ्रष्ट व्यवस्था की है, जो दिन-रात अवैध कोयला खनन को संरक्षण दे रही है। अधिकारियों की नाक के नीचे माफिया खुलेआम काला कारोबार चला रहे हैं, और पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं। क्या यह संयोग है कि सीसीएल द्वारा बंद की गई खदान को माफिया ने फिर से शुरू कर दिया। इन्होंने यह भी आगे कहा कि झारखंड के गरीब दलित, आदिवासी और मूलवासी रोजी-रोटी की तलाश में अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, और सरकार की लापरवाही उनकी जिंदगी छीन रही है। रामगढ़, धनबाद, हजारीबाग, बोकारो—हर जगह मौत का यह काला खेल बेरोकटोक चल रहा है। यह स्पष्ट है कि यह अपराध पुलिस और सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है। जब राज्य का नेतृत्व ही भ्रष्टाचार में डूबा हो, तो गरीबों की जान की कीमत क्या रह जाती है?

आरक्षण छीना तो फिर उतरेंगे सड़कों परः महेश्वर साहु

संवाददाता रांचीः झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के तत्वावधान में 2 जुलाई को रांची के स्टेट गेस्ट हॉउस में आहूत जन सुनवाई कार्यक्रम से झारखंड के ओबीसी वर्ग में आने वाले कई वैश्य उप जातियों में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है. साथ ही कई ऐसे सवालों को जन्म दे दिया है कि राष्ट्रीय एवं राज्य आयोग शक के दायरे में आ गए हैं. साहु ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से जो अखबारों में 'जन सुनवाई नोटिस' प्रकाशित कारवाई गयी थी, उसमें विभिन्न ओबीसी जातियों, जिसमें वैश्य समाज के कई जातियों- तेली, सूंडी, शौंडिक, बियाहुत कलवार, जायसवाल, वर्णवाल, कसोधन, ओमर/ उमर वैश्य, स्वर्णकार, माहुरी, कमलापुरी आदि के वर्ग समूह या प्रतिनिधि को बुलाया गया था कि वे आ कर अपना पक्ष रखें, ताकि उनकी जाति को ओबीसी के सेंट्रल लिस्ट में शामिल किया जा सके.

साहु ने कहा कि अब सवाल यह उठता है कि इनमें से कई वैश्य उप जातियों- सूंडी, शौंडिक, कलवार, स्वर्णकार आदि को 08.12.2011 या इससे पहले एवं बाद में ओबीसी के सेंट्रल लिस्ट में शामिल किया गया है तो फिर इन जातियों को बुला कर क्या बताना चाहता है आयोग? क्या इन ओबीसी जातियों को सेंट्रल लिस्ट से हटा दिया गया है? या हटाने की योजना है? आखिर क्या कारण है कि यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है? क्या एक बार फिर वैश्य समाज की जातियों को राज्य और केंद्रीय सूची से हटा कर आरक्षण के लाभ से वंचित करने की योजना है?

मालूम हो कि 2011 के प्रथम माह में झारखंड के 25 वैश्य उप जातियों को ओबीसी के सेंट्रल लिस्ट से हटा कर आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया गया था. तब वैश्य मोर्चा ने काफी लंबी लड़ाई लड़ कर 12 वैश्य उप जातियों- सूंडी (शौंडिक), हलवाई, पंसारी, रौनियार, मोदी, कसेरा, केशरवानी (केशरी), ठठेरा, पटवा, सिंदूरिया बनिया, अवध बनिया, अग्रहरि, कलवार, बढ़ई को शामिल कराने में सफलता प्राप्त किया था. 08.12.2012 को पुनः जारी सूची के क्रमांक-122 में शामिल किया गया था, जिसमें सूंडी, शौंडिक, कलवार, स्वर्णकार आदि थे. झारखंड में भी वैश्य समाज की इन उप जातियों को ओबीसी के अनुसूची-1 में रखा गया है.

साहु ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा इस पूरे प्रकरण को एक साजिश मानते हुए इसका पुरजोर विरोध करती है. वैश्य मोर्चा मानती है कि यह हमारे संवैधानिक अधिकार एवं आरक्षण को छीनने की साजिश है. इससे वैश्य समाज और ओबीसी के छात्रों एवं नौकरी के अभ्यर्थियों को आरक्षण के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है. अगर इसका तुरंत प्रतिकार और रचे जा रहे साजिश का पर्दाफाश नहीं किया गया तो वैश्यों, ओबीसी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है.

साहु ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा इस संबंध में जल्द ही राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को पत्र लिखकर कर सारी बातें स्पष्ट करने की मांग करेगी.

साहु ने कहा कि 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले त्राहिमाम महाधरना कार्यक्रम में भी इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया जायेगा. 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले त्राहिमाम महाधरना के प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर, बैनर, पर्चा एवं कूपन भी जारी किया गया.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में प्रतिध्वनि 2025 का समापन

संवाददाता रांचीः राष्ट्रीय अंतर-विद्यालय कला संगोष्ठी, प्रतिध्वनि-2025 के तीसरे संस्करण का अंतिम दिन 5 जुलाई, 2025 को सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 'सिनैप्स-आर्ट इंस्टॉलेशन' कार्यक्रम के साथ हुई, इसके बाद भाग लेने वाली सभी टीमों द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाले सोनिक फ्यूजन बैंड का प्रदर्शन हुआ। अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और बहादुरी पर आधारित एक प्रभावशाली नृत्य प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति में बच्चों ने अहल्या बाई की शक्ति, ज्ञान, सामाजिक कल्याण और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण को खूबसूरती से चित्रित किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ जिसमें सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा और प्रयासों की सराहना की गई। छात्रों को भविष्य के लिए प्रेरित करने के लिए मल्टी-फॉर्मेट अंग्रेजी वाद-विवाद, टॉर्क, अंग्रेजी रचनात्मक लेखन, फ्रेम्स, सर्कल ऑफ रीजन, क्विज और मूविंग ट्रेल्स (कठपुतली प्रतियोगिता) जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार दिए गया। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने प्रतिभागियों और शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिध्वनि जैसे कार्यक्रम युवा मन में रचनात्मकता, एकता जैसे उद्देश्य का पोषण करते हैं और बच्चों के समग्र विकास में योगदान देते हैं।

पद से हटाए जाने की खबरों को केशव महतो कमलेश ने बताया बेबुनियाद, कहा- कुछ लोग उन्हें हटाने के लिए सक्रिय

रांचीः झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को पद से हटाकर किसी आदिवासी को प्रदेश की कमान सौंपने के लग रहे कयासों को खुद केशव महतो ने बेबुनियाद करार दिया है. उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के अगले ही दिन से पार्टी के अंदर के ही कुछ लोग अध्यक्ष को हटाने की कोशिश में लग जाते हैं. पार्टी आलाकमान और हमारे केंद्रीय नेताओं को राज्य में संगठन सृजन के लिए लगातार चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी है. उन्होंने कहा कि जब तक मैं प्रदेश अध्यक्ष हूं पार्टी संगठन को मजबूत करता रहूंगा.

कुछ नेताओं को पिछड़े वर्ग से आने वाले नेता नहीं सुहाते- जगदीश साहूः पिछड़े वर्ग से आनेवाले पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता जगदीश साहू ने कहा कि पार्टी के अंदर के स्लीपर सेल रह- रहकर यह अफवाह उड़ाता रहता है कि अध्यक्ष बदला जाएगा. वैसे लोग केवल मानहानि ही करते रहते हैं, ये लोग पार्टी के हितैषी नहीं हैं क्योंकि बिना ओबीसी को साथ लिए कांग्रेस संगठन कभी मजबूत हो ही नहीं सकता.

वर्तमान अध्यक्ष का कार्यकाल बेहतरीन रहा है- निरंजन पासवानः झारखंड कांग्रेस के एक अन्य प्रदेश प्रवक्ता निरंजन पासवान ने कहा कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष के एक साल के कार्यकाल में जहां संगठन मजबूत हुआ है वहीं पार्टी ने चुनाव में बढ़िया प्रदर्शन भी किया है. अभी भी संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत अध्यक्ष जी खुद गांव-गांव और पंचायत-पंचायत जा रहे हैं.

निरंजन पासवान ने हाल ही में कुछ मीडिया और अखबार में आई खबर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरना आदिवासी से डॉ. रामेश्वर उरांव, सुखदेव भगत अध्यक्ष रह चुके हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही नहीं हर जगह ऐसे कुछ इक नेता होते हैं जो अफवाह उड़ाते रहते हैं.

जिन के नाम चर्चा में, उनमें से कई नेताओं ने भी छोड़ी थी पार्टीः भले ही झारखंड कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष ने प्रदेश नेतृत्व में परिवर्तन की बात को बेबुनियाद करार दिया हो, लेकिन जो नाम चर्चा में हैं उसमें सांसद कालीचरण मुंडा, सुखदेव भगत, विधायक राजेश कच्छप, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व में सबसे लंबे दिनों तक कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके प्रदीप बालमुचू जैसे नाम हैं. जाहिर है कि विधायक राजेश कच्छप के कांग्रेस के प्रति लॉयल रहने के बावजूद 2019-2024 वाले कार्यकाल में हेमंत सरकार को अस्थिर करने के आरोप लगे हुए हैं, तो बंधु तिर्की का राजनीतिक जीवन कांग्रेस से पहले कई दलों से जुड़ा रहा है. सुखदेव भगत तो 2019 में चुनाव से पहले भाजपा में ही चले गए थे.

सीसीएल ने अनुशासनात्मक जांच पर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया आयोजित

रांचीः सीसीएल की विधि विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास विभाग (HRD) के माध्यम से शनिवार को "अनुशासनात्मक जांचः सिद्धांत, प्रक्रिया एवं न्यायालयिक निर्णय" विषय पर एक हाइब्रिड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सी.एस. तिवारी, निदेशक (तकनीकी/ संचालन), सीसीएल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में झारखंड उच्च न्यायालय के प्रमुख अधिवक्ता अमित कुमार सिन्हा ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीएम (मानव संसाधन विकास), जीएम (ईई), जीएम (विधि), जीएम (मैनपावर), जीएम (औद्योगिक संबंध) तथा विभिन्न क्षेत्रों से नामित जांच अधिकारी एवं प्रबंधन प्रतिनिधिगण ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रीय अधिकारियों ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की। कुल 50 अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी एवं जानकारीवर्धक बताया।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

संख्या : एस.जी. 664–06–टेली–2025–26 धनबाद दिनांक, दिनांक 04.07.2025 ई.निविदा सचूना सं. एस.जी. 664–06–टेली–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए DHN डिवीजन के GC अनुभाग में घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (CCK-HZD और KSHR-CBH अनुभाग में) का प्रावधान करने हेतु। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹ 4,83,62,797.97, **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 3,91,800.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 25–07–2025 (12:00 बजे)।

5. ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई.निविदा के ई.निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई.निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए ये निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0541/डीएचएन/एस&टी/टी/25–26/40

संक्षिप्त खबरें...

दुमका में निकली महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की बाहुड़ा यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

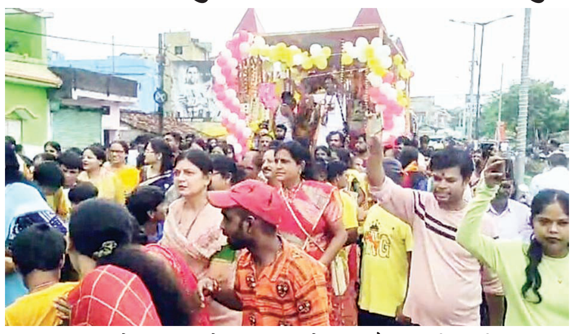

दुमकाः शहर में इस्कॉन के द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्री जगन्नाथ महाप्रभु रथयात्रा महोत्सव शनिवार को बाहुड़ा यात्रा/वापसी रथयात्रा के भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ। बाहुड़ा यात्रा स्थानीय डॉ.राजेन्द्र प्रसाद स्मारक स्थल से निकाली गई थी। इस स्थल को इस्कॉन ने रथयात्रा महोत्सव को लेकर मौसीबाड़ी गुंडिचा का नाम दिया था। महोत्सव के दौरान मौसीबाड़ी में आठों दिन लोग महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की भक्ति में लीन रहे। शनिवार को शहर में निकली बाहुड़ा यात्रा में लोगों की भीड़ देखने लायक थी। बाहुड़ा यात्रा का समापन गिलान पाड़ा मोहल्ला स्थित श्री राधा माधव मंदिर पहुंचकर हुआ। 27 जून को इसी मंदिर से रथयात्रा निकाली गई थी, जो नियमानुसार पुनः महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ रथ पर सवार होकर मंदिर पहुंचे। गौरतलब हैं कि दुमका में इस्कॉन का यह पहला रथयात्रा महोत्सव था। पुरी की तरह यहां भी महोत्सव में स्थानीय श्रद्धालु लगातार नौ दिन तक भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में डूबे रहे। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन इस्कॉन प्रचार केन्द्र दुमका के प्रभारी स्वामी सत्यबाक गुरुदास जी के नेतृत्व में हुआ था। स्वामी सत्यबाक इस्कॉन मंदिर पाकुड़ के अध्यक्ष भी है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अपने सहयोगियों के साथ समस्त दुमकावासियों का आभार प्रकट किया है। गौरतलब हैं कि रथयात्रा महोत्सव के दौरान मौसीबाड़ी में हजारों लोगों को महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी का प्रसाद ग्रहण करते देखा गया।

मौसी बाड़ी से अपने धाम लौटे जगन्नाथ महाप्रभु

जादूगोड़ाः जादूगोड़ा में शनिवार को घुरती रथयात्रा निकाली गई. मुख्य आयोजन गोपालपुर गांव के बॉनडीह में हुआ. यहां हनुमान मंदिर स्थित मौसी बाड़ी में नौ दिन विश्राम करने के बाद जगन्नाथ महाप्रभु वापस अपने धाम शिव मन्दिर में विराजमान हो गए. इससे पूर्व हनुमान मंदिर में पुजारी अमर चंद कर ने वैदिक मंत्रों के साथ भगवान की पूजा-अर्चना की. इसके बाद भजन-कीर्तन के साथ रथयात्रा निकाली गई. मौसी बाड़ी से प्रभु जगन्नाथ के रथ को पूरे गांव का भ्रमण कराते हुए शिव मंदिर पहुंचाया गया. रास्ते में रथ को रोककर भक्तों ने पूजा-अर्चना की. आयोजन को सफल बनाने में चितरंजन भक्त, प्रशांत कुमार भक्त, गंगा नंद पासवान, विजय कृष्ण भक्त, कैलाश चंद्र भक्त, डोमन चंद्र भक्त, प्रदीप कुमार भक्त, सुशांत कुमार भक्त, सुभाष चंद्र कर, विभाष चन्द भक्त समेत अन्य लोगों का सहयोग रहा.

राकोमयू ने जीएम नृपेन्द्र नाथ के डायरेक्टर बनने पर किया स्वागत

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ सीएमपीडीआई के डायरेक्टर बनने पर राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के नेताओं ने बुके देकर एवं अंग वस्त्र देकर कर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। इसमें राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के केंद्रीय सचिव लल्लन प्रसाद सिंह मगध संघमित्रा के क्षेत्रीय सचिव मोहम्मद जहूर, क्षेत्रीय अध्यक्ष मनिंदर कुमार सिंह, एम यूनिट सचिव प्रेमचंद कुमार एवं क्षेत्रीय संगठन सचिव खुर्शीद आलम, क्षेत्रीय सहायक सचिव चंदन कुमार, नरेश कुमार राम गुड्डू कुमार सिंह सहित कामगार शामिल थे।

दैहर पंचायत के एससी और एसटी किसानों के बीच किया गया बीज का वितरण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

दैहर(चौपारण) बुधवार को कृषि अनुसंधान केंद्र गौरिया करमा के तत्वाधान में दैहर पंचायत के एससी एवं एसटी किसानों के बीच मकई, मडुवा एवं सब्जी के बीजों का वितरण निःशुल्क किया गया । वितरण समारोह में मुडिया, पथलगाड़ा, करगा, दुरागड़ा, सोहरा, हथिन्दर, भदान, कैरीपिपराही, लालकिसुन चक इचाक, दैहर, बोंगा के कई किसान शामिल हुए । सभी किसानों ने झारखण्ड सरकार एवं माननीय मुखिया ब्रमदेव भुइयाँ के प्रति आभार व्यक्त किया गया । प्रतिनिधि नागेन्द्र कुमार द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीके से कृषि कार्य करने की जानकारी दी गई ।

नाबालिग की लापरवाही, सड़क पर मौत

चोरदाहा में रॉन्ग साइड से आ रहे ईंट लदे ट्रैक्टर ने ली 29 वर्षीय युवक की जान

कोयलांचल संवाद संवाददाता

यह खबर सिर्फ एक सड़क दुर्घटना नहीं, सिस्टम की उस चूक की कहानी है जो हर दिन मासूमों की जिंदगी को लील रही है। सवाल ये है कि आखिर कब तक?

चौपारण(हजारीबाग): शनिवार को चौपारण प्रखंड के चोरदाहा पेट्रोल पंप के करीब एक हृदयविदारक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। रॉन्ग साइड से आ रहे ईंट लदे ट्रैक्टर ने एक बाइक सवार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे 29 वर्षीय युवक राजदेव सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के लुटा गांव का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रैक्टर को जप्त कर थाने लाया गया है, वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, ट्रैक्टर एक नाबालिग लड़का चला रहा था। हादसे के बाद वह मौके से फरार हो गया। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध बालू और ईंट परिवहन के धंधे में ऐसे दर्जनों नाबालिगों को बिना लाइसेंस ट्रैक्टर थमा दिए जाते हैं। उन्हें कम मेहनताना देकर असुरक्षित रूप से खतरनाक कामों में झोंका जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बालू कारोबार में संलिप्त माफिया जानबूझकर किशोरों को ड्राइविंग पर लगा रहे हैं ताकि पकड़े जाने पर जुर्माना या कार्रवाई कम हो। इस लालच ने अब निर्दोषों की जान लेनी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। लोगों ने दोषियों की गिरफ्तारी, अवैध बालू कारोबार की जांच और नाबालिग चालकों पर रोक की सख्त मांग की है। साथ ही मांग की गई है कि थाना क्षेत्र में बालू से जुड़े हर ट्रैक्टर की नियमित जांच हो और ट्रैक्टर मालिकों को भी कानून के कटघरे में लाया जाए।

चौपारण में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप से ग्राहक बनकर आए गिरोह ने उड़ाई छह अंगूठियां

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) चौपारण बाजार में दिनदहाड़े एक बड़ी ठगी की वारदात सामने आई है। ग्राहक के भेष में आए शातिर गिरोह ने प्रतिष्ठित आभूषण दुकान छाया ज्वेलर्स से सोने की छह अंगूठियां लेकर चंपत हो गया। इस घटना से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया है। दुकान के संचालक विनोद स्वर्णकार के मुताबिक, शुक्रवार को एक युवक ग्राहक बनकर दुकान पर आया था। उसने कई अंगूठियां देखीं और एक अंगूठी पसंद करते हुए कहा कि वह शाम को पैसे लेकर खरीदने आएगा। उस समय वह अकेला और पूरी तरह आम ग्राहक की तरह नजर आ रहा था।
शाम करीब साढ़े सात बजे वही युवक फिर से दुकान पर आया और सुबह पसंद की गई अंगूठी दोबारा दिखाने को कहा। दुकानदार ने जब उसे छह अंगूठियां दिखाई, तो वह उन्हें हाथ में लेकर परखने लगा और अचानक ही सभी अंगूठियों को लेकर दुकान से बाहर भाग गया। बाहर पहले से खड़ी एक सफेद रंग की कार में वह सवार होकर फरार हो गया।सीसीटीवी फुटेज से खुलासाः जांच के दौरान दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी अकेला नहीं था। कार में दो अन्य व्यक्ति पहले से मौजूद थे। जैसे ही आरोपी अंगूठियां लेकर बाहर भागा, पिछली सीट पर बैठे एक व्यक्ति ने दरवाजा खोला और चालक ने तेजी से गाड़ी भगा दी। इससे साफ है कि यह एक पूर्व नियोजित और संगठित ठगी की वारदात थी। सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने चौपारण की अन्य ज्वेलरी दुकानों में भी अंगूठी दिखाने के बहाने कोशिश की थी, लेकिन वहां वह असफल रहा। अंततः छाया ज्वेलर्स को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के संबंध में पीड़ित व्यवसायी ने चौपारण थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। इस घटना ने चौपारण बाजार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुकानदारों में भय का माहौल है और व्यवसायियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है।

पिपरवार विकास समिति के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

कोयलांचल के विभिन्न स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कोयलांचल संवाद संवाददाता

पिपरवार(चतरा) बचरा हाई स्कूल प्रांगण में शनिवार को पिपरवार विकास समिति के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार मौजूद थे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अन्य सभी अतिथियों का स्वागत पिपरवार विकास समिति के द्वारा फूलों का गुलदस्ता देकर किया गया।इसके बाद स्कूल के बच्चों के द्वारा स्वागत गीत पेश किया गया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस कार्यक्रम में पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के स्कूली बच्चों को मैट्रिक,इंटर और सीबीएसई बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उन्हें सम्मानित किया गया।पिपरवार विकास समिति के सौजन्य से सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पिपरवार जीएम संजीव कुमार ने कहा कि पिपरवार विकास समिति के द्वारा इस तरह का आयोजन स्कूली बच्चों को शिक्षा के प्रति मनोबल बढ़ाने का काम करेगा।उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से समिति के लोग कोयलांचल क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाने का काम कर रहा है।इस तरह के सहयोग कार्य में क्षेत्र के सभी लोगों को भी सहयोग करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि बेहतर सफलता के लिए शिक्षा हमारे जीवन के लिए काफी जरूरी है।शिक्षा हम सभी के लिए सफलता की पूंजी है और बेहतर शिक्षा से ही शिखर तक पहुंचा जा सकता है।
उन्होंने सभी बच्चों से आगे भी उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर अपने स्कूल क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन करने की कामना की।साथ ही शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिया।इस अवसर पर स्कूली बच्चों के द्वारा कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया,जिसे उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया। वही कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण की रक्षा को लेकर स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया गया।इस मौके पर कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सह बचरा उतरी मुखिया गुंजन सिंह,बचरा दक्षिणी मुखिया रीना देवी, जिला सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह,लक्ष्मण मंडल, भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र शर्मा,श्रमिक प्रतिनिधि विधापति सिंह, कामेश्वर राम,पिंकी सिंह, गीता एक्का,डीएवी बचरा की प्राचार्या डॉ.रिशु चौधरी, गणेश महतो,लालु उंराव, फैयाज अहमद,सरयु प्रसाद, एके लाल,प्रमोद कुमार, महेन्द्र पासवान,रजी अहमद, बिन्देशवरी रजक,एसबी सिंह सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।कार्यक्रम को सफल बनाने मे समिति के अध्यक्ष अगनु देशवाली, सचिव संतोष कुमार राम, राजेन्द्र प्रसाद,उमेश मेहता, मनोज कुमार,महेन्द्र पण्डित, दीनदयाल नोनिया,धमेन्द्र महतो,जेम्स उंराव सहित अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

देशव्यापी हड़ताल को लेकर पिपरवार संयुक्त मोर्चा तैयार, कल से गेट मिटिगं होगा शुरू

कोयलांचल संवाद संवाददाता

पिपरवार(चतरा) केंद्रीय श्रमिक संगठनों के आह्वान पर आगामी 9 जुलाई को होने वाले एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए संयुक्त मोर्चा पिपरवार के लोग पूरी तरह से तैयार है।पिपरवार संयुक्त मोर्चा मंडली के द्वारा पिपरवार के अलग-अलग परियोजनाओं में गेट मीटिंग,पीट मीटिंग और आमसभा को लेकर समय और तिथि निर्धारित की गई है।जानकारी के अनुसार रविवार 6 जुलाई को सुबह 8:00 बजे अशोक परियोजना के पीट ऑफिस,सुबह 9:30 बजे अशोक परियोजना वर्कशॉप में गेट मीटिंग की जाएगी वहीं सोमवार 7 जुलाई को सुबह 8:00 बजे सीएचपी/सीपीपी पिपरवार एवं पिपरवार वर्कशॉप में मीटिंग समाप्ति के बाद संयुक्त मोर्चा मजदूरों के विशाल संख्या के साथ डकरा भीआईपी क्लब में होने वाले कन्वेंशन में भाग लेने के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद मंगलवार 8 जुलाई को सुबह 6:00 बजे अशोक परियोजना पीट ऑफिस और सुबह 6:30 बजे की पिपरवार परियोजना पीट ऑफिस,सुबह 11:00 बजे पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय और बचरा क्षेत्रीय अस्पताल मे गेट मीटिंग की जाएगी।वही संध्या 5:00 बजे से बचरा चार नंबर चौक में मजदूरों की आम सभा होगी। संयुक्त मोर्चा पिपरवार क्षेत्र मंडली ने पिपरवार क्षेत्र के सभी संगठित और असंगठित मजदूरों से गेट मीटिंग और आमसभा कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

इग्नू में जुलाई 2025 सत्र के लिए नामांकन 15 जुलाई तक होगा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : इग्नू में जुलाई 2025 सत्र के लिए नामांकन शुरू हो गया है जिसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई तक निर्धारित है इग्नू में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू ,संस्कृत, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, फ्रांसीसी भाषा, पत्रकारिता, उद्यमिता विकास आदि स्नातकोत्तर के विषयों में नामांकन की प्रक्रिया जारी है। उपरोक्त सभी विषयों में स्नातकोत्तर करने वाले छात्र-छात्रा अपना नामांकन करवा कर लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अलावे बैचलर्स ,पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स के लिए ओडीएल और ऑनलाइन मोड के कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छात्र-छात्राएं इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं साथ ही स्नातक द्वितीय ,तृतीय वर्ष स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के लिए पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया जारी हैं। इस आशय की जानकारी इग्नू के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार झा के द्वारा दी गई।

चतरा जिले में अवैध अफीम की खेती के रोकथाम एवं निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिले में अवैध अफीम की खेती की रोकथाम एवं निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता को लेकर एक जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल, चतरा में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने की।
कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर पारंपरिक ढंग से एवं विधिवत रूप से किया गया।

उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का उद्देश्य

इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जिले में अवैध अफीम उत्पादन की रोकथाम, नशीले एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को इस विषय पर प्रशिक्षित एवं सजग बनाना था। यह कार्यशाला राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय नशा उन्मूलन नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उपस्थित एवं सहभागिता

इस अवसर पर जिले के वरीय पदाधिकारी, सभी विभागीय कार्यालय प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

उपायुक्त का संदेश

उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने कहा अवैध अफीम की खेती न केवल कानून के विरुद्ध है, बल्कि यह सामाजिक ढांचे को भी कमजोर करती है। जिले में अफीम उत्पादन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासनिक और पुलिस टीम संयुक्त रूप से कार्य करें तथा प्रत्येक स्तर पर जन-जागरूकता फैलाएं।उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने तथा छात्रों, युवाओं और किसानों के बीच विशेष संवाद आयोजित करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक का वक्तव्य

पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा चतरा जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है कि किसी भी प्रकार की मादक पदार्थ से संबंधित अवैध गतिविधि को सख्ती से रोका जाएगा। पुलिस बल लगातार सतर्क है। सूचना संकलन, गुप्त निगरानी एवं जनभागीदारी से ही इस चुनौती का सामना संभव है। उन्होंने स्थानीय मुखिया, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकों से अपील किया कि वे संदेहास्पद गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

विषयवस्तु एवं प्रशिक्षण

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा NDPS एक्ट, मादक पदार्थों की पहचान, सामाजिक प्रभाव, पुनर्वास प्रक्रिया एवं नशा मुक्ति केन्द्रों की भूमिका पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित अधिकारियों को उनके भूमिका, दायित्व एवं उत्तरदायित्वों से भी अवगत कराया गया।

शपथ ग्रहण का आयोजन

कार्यशाला में एक विशेष सत्र में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ शपथ दिलाई गई। सभी उपस्थितों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा समाज को भी नशा मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कार्यशाला के दौरान उपस्थित मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी भी क्रमवार ली गई।प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित पदाधिकारियों को नियमानुसार निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों का शॉल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। यह सम्मान प्रतीक स्वरूप प्रशासन की ओर से उनके सहयोग एवं सामाजिक सरोकारों में सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु किया गया।

काला हीरा 2025 का 18 से 22 जुलाई तक होगा भव्य आयोजन

13 राज्यों के जाने माने नाट्य मंच के कलाकार पेश करेंगे अपने अभिनय की प्रभावशाली प्रस्तुतियां

धनबादः 9 वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा,डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' का आयोजन आगामी18 से 22 जुलाई तक कम्युनिटी हॉल, कोयला नगर में किया जाएगा।
इसकी जानकारी काला हीरा के अध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद ने स्टील गेट स्थित सीसीयूडब्लूओ सभागार में प्रेस वार्ता कर दी। पांच दिवसीय काला हीरा कार्यक्रम में इस बार मुख्य आकर्षण 18 जुलाई को दिन 12 बजे भव्य कवि सम्मेलन होगा। जिसमें हिंदी के प्रख्यात कवियों में डॉo संगीता नाथ, अगम अनु, प्रीति कर्ण, रीना यादव, सुनील वर्मा, बरनवाल मनोज अंजन अपनी दमदार प्रस्तुतियां देंगे। कवि सम्मेलन का अनंत महेंद्र संचालन करेंगे। काला हीरा के मुख्य अतिथियों में बीसीसीएल सीएमडी समीरण दत्ता उनकी पत्नी दीक्षा मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता, बीसीसीएल डायरेक्टर (एचआर)एम.के. रमैया उनकी पत्नी दीक्षा मंडल की उपाध्यक्ष पुरविता रमैया धनबाद विधायक राज सिन्हा 99 ग्रुप के डायरेक्टर महेश मोदी, विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के संरक्षक राजेंद्र बगेड़िया व अवधेश कुमार सिंह, एआईटीसी के महासचिव, सतीश कुंदन कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। साथ ही काला हीरा कार्यक्रम को सफल बनाने में धनबाद के नाट्य संस्था कला निकेतन के वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,आरोही नाट्य मंच की संजय भारद्वाज, अनुभूति एक एहसास की महासचिव सरसी चंद्रा, त्रिपुरा के एआईटीसी के सलाहकार प्रदीप बाजपेई, राजस्थान के ड्रामा आर्टिस्ट अशोक शर्मा, उड़ीसा के एआईटीसी वाइस प्रेसिडेंट राजगोपाल पाढ़ी, एआईटीसी के अशोक मानव, क्लब इंडिया के संतोष रजक, हैदराबाद की सुरभि जयवर्धने, सिवान के विजय कुमार श्रीवास्तव, आगरा की आर्टिस्ट अलका शर्मा और आगरा के बॉलीवुड फिल्म से जुड़े गोपाल शर्मा और आईटीसी के प्रवीर कुमार जैना की अपने टीम के साथ महत्वपूर्ण उपस्थित होगी।भोजपुरी एक्टर मनोज सिंह राजपूत जो अपनी टीम के साथ नाटक की प्रस्तुति देंगे, हिमाचल प्रदेश के राजित सिंह कुंवर और जमशेदपुर से मो. निजाम नाटक के जज के तौर पर उपस्थित रहेंगे। 5 दिनों के कार्यक्रम में तीन दिन सांस्कृतिक कंपटीशन में नृत्य, गीत संगीत ड्राइंग पेंटिंग स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे, चौथे और पांचवें दिन 13 राज्य से आए नाट्य मंचों द्वारा नाट्य की प्रस्तुति की जाएगी। नाट्य मंचों में एमपी के आईटीएम नाट्य मंच, यूपी के युथ टीचर ग्रुप, वेस्ट बंगाल के बांकुड़ा से जॉय की टीम, उड़ीसा से नटराज थियेटर गिरिडीह से तीन टीम कलासंगम, वरंग और महेश अमर की टीमें नाटक की प्रस्तुति करेंगे, डाल्टनगंज के मसम आर्ट की प्रस्तुति होगी।

कार्यालयः–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची।
(जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, राँची) Phone/Fax No:0651-2215618
Email ID:-csofficeranchi@yahoo.com

'' आवश्यक सूचना ''

जिला स्वास्थ्य समिति, रांची के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अनुबंध आधारित नियुक्ति से संबंधित प्रकाशित विज्ञापन संख्या 01/2025 के आलोक में प्राप्त आवेदनों में से योग्य एवं अयोग्य आवेदनों की सूची रांची NIC Portal एवं सदर अस्पताल रांची के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया हैं साथ ही इस संबंध में सभी अयोग्य अभ्याथियों को e-mail के माध्यम से सूचित किया गया है।

अतः यदि किसी अभ्यार्थी को NIC Portal एवं सदर अस्पताल रांची के पोर्टल पर प्रकाशित सूची के सन्दर्भ में कोई आपत्ति है तो दिनांक–10.07.2025 के अपराहन् 05:00 बजे तक जिला स्वास्थ्य समिति, रांची के कार्यालय में हाथों–हाथ आवेदन (आवेदन में दर्ज आपत्ति से संबंधित सभी सभी दस्तावेज/कागजात स्व0 अभिप्रमाणित प्रति में उपलब्ध करायेंगे) के साथ आपत्ति दर्ज कराया जा सकता है एवं उक्त तिथि के उपरान्त कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं मान्य नहीं होगा। आपत्ति निराकरण दिनांक–17.07.2025 तक करते हुए पुनः सदर अस्पताल एंव रांची NIC के पोर्टल पर सूची अपलोड कर दिया जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,राँची।

PR 356626 (Ranchi) 25-26 (D)

संक्षिप्त खबरें...

बिहार में सरकारी नौकरी देने के नाम पर फर्जीवाड़ाः पटना में धनबाद का युवक गिरफ्तार

पटना. दानापुर की रूपसपुर पुलिस ने सरकारी नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान झारखंड के धनबाद के धनसार निवासी विश्वजीत कुमार के रूप में हुई है। रूपसपुर थानाध्यक्ष रणविजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी। जानकी सिटी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 507 में एक युवक अभ्यर्थियों को सचिवालय में फील्ड असिस्टेंट पद के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र भेज रहा था। पुलिस ने मौके पर छापेमारी की। आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। फ्लैट की तलाशी में बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का लोगो वाला लिफाफा मिला। इसमें 59 अभ्यर्थियों के फर्जी एडमिट कार्ड और ज्वाइनिंग लेटर थे। साथ ही अभ्यर्थियों के मैट्रिक, इंटर, ग्रेजुएशन और बैंक पासबुक की प्रतियां भी मिलीं। पुलिस ने मौके से एक हजार रुपए के स्टांप पेपर पर बना किरायानामा जब्त किया। एक्सिस बैंक का 1.80 लाख का चेक और प्रियंका के नाम का 1.5 लाख का चेक भी बरामद हुआ। इसके अलावा दो मोबाइल फोन, दो एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज भी मिले। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में लीची बगान में मिला युवक का शव

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में लीची बगान में एक युवक का शव मिला है। गले में रस्सी का निशान है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। शुक्रवार से लापता था। मृतक की पहचान खानपुर निवासी दिनेश सिंह उर्फ अमित कुमार(36) के तौर पर हुई है। मृतक के बड़े भाई राजेश कुमार ने बताया, 'अमित गुरुवार सुबह घर से निकला था। देर रात तक नहीं लौटा। खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। मोबाइल पर कॉल किया तो नंबर बंद था। आज सुबह उसका शव मिला है। ग्रामीणों से भाई की मौत की सूचना मिली। गले में रस्सी का निशान था। किसी ने हत्या कर बगान में शव फेंक दिया है। कार शोरूम में काम करता था। 2 महीने पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी।'

चिमनी के गड्ढे में डूबे किशोर, 3 की मौतः सीवान में नहाने गए थे 8 से 10 साल के बच्चे, गोताखोरों ने निकाले शव

सीवान. सीवान के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के मोरा खास गांव से शनिवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। गांव के 3 मासूम किशोरों की एक चिमनी के गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोरा खास निवासी पंकज यादव का बेटा बृजेश कुमार (8), हरिकिशोर यादव का बेटा अमन कुमार और रंगीला यादव का बेटा अजित कुमार (10) के रूप में की गई है। इनमें अजित कुमार अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घटना के संबंध में मृतक अमन के चाचा नंद किशोर यादव ने बताया कि गांव में ही एक चिमनी स्थित है, जहां ईंट निर्माण के लिए जेसीबी से गहरी मिट्टी की खुदाई की गई थी। उसी गड्ढे में बारिश का पानी भर गया था। शुक्रवार की दोपहर करीब 3 बजे तीनों किशोर नहाने के इरादे से वहां पहुंचे लेकिन परिजनों को इसकी जानकारी नहीं थी। जब शाम तक वे घर नहीं लौटे, तब खोजबीन शुरू हुई। काफी देर की तलाश के बाद शनिवार की सुबह जब चिमनी के गड्ढे में गोताखोरों की मदद से खोजबीन कराई गई, तो तीनों का शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर हाट थाना की पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया। इस घटना पर महाराजगंज एसडीपीओ राकेश रंजन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गड्ढा चिमनी के लिए की गई मिट्टी की खुदाई से बना था।

कैथल में सांप के डसने से युवक की मौत

कैथल. कैथल के गांव मानस में सांप के डसने से 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक अपने अन्य साथियों के साथ बिहार से यहां के गांव मानस में धान रोपाई का कार्य करने के लिए आया हुआ था और रात को चारपाई पर सो रहा था। उसे एक के बाद एक करके सांप ने तीन डंक मारे, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान जय प्रकाश मंडल निवासी गांव महासिमार, जिला सुपौल, बिहार के रूप में हुई है। देर रात जब जय प्रकाश सो रहा था तो एक सांप उसकी चारपाई पर चढ़ गया और जयप्रकाश को डंक मारा। सांप द्वारा डसने के बाद जय प्रकाश ने शोर मचाया तो उसके मजदूर साथी उसे तुरंत नागरिक अस्पताल में लेकर आए, जहां अस्पताल स्टाफ ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। गांव मानस निवासी रघुवीर ने बताया कि जय प्रकाश हर साल उनके गांव में धान के सीजन में मजदूरी करने आता है। साथी मजदूर राजकुमार मंडल ने बताया कि वे सभी दिन में काम करने के बाद अपनी- अपनी चारपाई पर मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। अचानक जय प्रकाश ने चिल्लाना शुरू कर दिया। उन्होंने देखा कि सांप ने उसके कमर पर तीन जगह पर डंक मारे हुए थे। उन्होंने मोबाइल की लाइट जलाकर सांप को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मिला। सदर थाना एसएचओ सनेष कुमार ने बताया कि इस संबंध में पुलिस के पास सूचना आई थी। पुलिस ने मामले में इत्तफाकिया मौत की धाराओं के तहत कार्रवाई की है। मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

मर्डर से दहला बिहार; पटना, मोतिहारी, वैशाली के बाद गया जी में गला रेतकर युवक की हत्या

कोंच. बिहार के गया जी में एक युवक की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई है। कोंच थाना क्षेत्र के प्यारेचक-नेवधी सड़क पर अज्ञात व्यक्ति की गला रेत कर हत्या कर दी गई। शनिवार की सुबह ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी। आसपास के लोग सुबह खेती के काम से बाधार की ओर जा रहे थे। तभी गर्दन कटा व खून से लथपथ लगभग 45 वर्षीय व्यक्ति का शव बीच सड़क पर देख सनसनी फैल गई। देखते-देखते काफी संख्या में गांव की महिलाएं व पुरुषों की भीड़ घटनास्थल के पास जुट गई। लोगों ने इसकी सूचना कोंच थाने की पुलिस को दी। मौके पर पहुंची कोंच पुलिस ने शव को पहचान कराने की कोशिश की। लेकिन शव का पहचान नहीं हो सकी। कोंच थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि अभीतक शव की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोग, सोशल मीडिया व आसपास जिले के सीमावर्ती थाने के माध्यम से शव पहचान करवाने की कोशिश की जा रही है। घटनास्थल पर पहुंचे टिकारी एसडीपीओ सुशांत चंचल ने बताया कि गया,औरंगाबाद, अरवल व जहानाबाद जिले के थानों में मृत व्यक्ति का शव का फोटो शेयर किया गया है। ताकि उसकी पहचान हो सके। एफएसएल की टीम को सूचना दी गयी है। एफएसएल की टीम शाम तक घटनास्थल का मुआयना कर वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाएगी। ताकि हत्यारों तक पहुंचा जा सके और उसकी गिरफ्तारी हो।

बिहार में क्राइम पर क्राइम; मोतिहारी में हिस्ट्रीशीटर की हत्या, घर से बुलाकर गला रेत दिया

मोतिहारी. बिहार के मोतिहारी में बदमाशों ने एक कुख्यात अपराधी को दर्दनाक मौत दी। मोतिहारी के दरपा थाना क्षेत्र की घटना है। कुख्यात अपराधी भून्ना मियां(45) की शनिवार सुबह अपराधियों ने गला रेत हत्या कर दी। वह दरपा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव का निवासी था। पिपरा गांव स्थित हाई स्कूल के पास अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह 7.09 बजे उसे मोबाइल पर फोन कर उक्त स्थल पर बुलाया गया। जिसके बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। सूचना पर रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच कर रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बताते चलें कि भुन्ना मियां खुद एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी था। वह पूर्व में नक्सली गतिविधि में भी संलिप्त रहा है। उस पर दर्जनों मामले दर्ज हैं। कई बार ह जेल भी गया था। पुलिस कई कांडों में उसकी तलाश भी कर रही थी। इधर वैशाली में ग्रामीणों की भीड़ ने एक चोर को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। जिले के महुआ थाना के चांदपुरा सलखनी गांव की घटना है। एक महिला अपने घर के बाहर खाट पर सो रही थी। तीन चोर पहुंचे और महिला का मंगलसूत्र के साथ चेन झपटकर भागने लगे। महिला के शोर मचाने पर लोग जग गए और चोरों को घेर लिया। तो फरार होने में कमयाब रहे पर तीसरा पकड़ा गया। भीड़ ने मार मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। चोर की पहचान बगल के गांव के युवक के रूप में की गयी है। पुलिस कार्रवाई कर रही है।

गोपाल खेमका केस में विजय सिन्हा का दावा... अपराधियों की पहचान हो गई है, पाताल से खींचकर लाएंगे

पटना. पटना के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज और लोकल इनपुट्स के जरिए पुलिस जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है। इस बीच उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि अपराधियों को पाताल से खींचकर लाया जाएगा। जो भी इस जघन्य कृत्य में शामिल हैं, चाहे वो धरती के किसी कोने में छिपे हों, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। अब सिर्फ गिरफ़्तारी नहीं, हिसाब होगा। जरूरत पड़ी तो एनकाउंटर भी होगा। अगर अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलाना पड़े तो प्रशासन पीछे नहीं हटेगा। बिहार पुलिस और प्रशासन को पूरी छूट दी गई है। अब कोई राजनीतिक या कानूनी ढाल नहीं, केवल कठोरतम कार्रवाई होगी। इससे पहले डिप्टी सीएम ने शनिवार की सुबह गोपाल खेमका के परिजनों से मिलने उनके घर गए थे। इस दौरान गोपाल खेमका की मां ने रोते हुए अपना दुख-दर्द साझा किया था। डिप्टी सीएम इस मामले पर जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। मुलाकात के बाद उन्होने ट्वीट कर कहा कि बीती रात एक्जीविशन रोड पर पटना के प्रतिष्ठित व्यवसायी गोपाल खेमका की अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश है। उनके शोकसंतप्त परिवार से मिला। इस दुःख की घड़ी में हम सभी उनके साथ हैं। वहीं पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि अपराधियों की पहचान हो चुकी है। अपराधी किसी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। इस मामले में किसी प्रकार की

कोताही नहीं होगी। पुलिस विभाग में बैठे लापरवाह और निकम्मे पदाधिकारियों को फील्ड से हटाया जाएगा। इस मामले में वे खुद मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

बुलडोजर चलेगा, एनकाउंटर होगा; विजय सिन्हा

व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर नीतीश सरकार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी ने सख्ती एक्शन का आश्वासन दिया है। विजय सिन्हा ने कांड के दोषियों पर बुलडोजर एक्शन की बात कही है तो सम्राट चौधरी ने कहा है कि अपराधी चाहे जो भी हो, घर में घुसकर मारा जाएगा। विजय सिन्हा ने इशारों में विपक्ष पर राज्य में अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की चेतावनी दी है। विजय सिन्हा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मामले का गंभीरता पूर्वक संज्ञान लिया है। महाजंगलराज वालों के गुंडाराज फैलाने के मनसूबे को नाकाम कर दिया जाएगा। उस जंगलराज की संस्कृति से प्रभावित पदाधिकारियों जिनकी उदासीनता से ऐसी घटनाएं हो रही हैं, को भी नहीं छोड़ा जाएगा। कुछ लोग गैरजिम्मेदार और लापरवाह हैं। उनपर भी सरकार की नजर है। उन सबको चिन्हित करके कार्रवाई की जाएगी। विजय सिन्हा ने कहा कि इस मामले में जरूरत पड़ी तो अपराधियों का एनकाउंटर किया जाएगा और उनके ठिकानों पर बुलडोजर भी चलेगा। वरीय पदाधिकारी जांच कर रहे हैं। यह घटना बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। अपराधियों की संपत्ति जब्त होगी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका हत्याकांड की फाइल खोलने की भी बात कही है। इधर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी खेमका हत्याकांड के आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री जी खुद इस घटना को लेकर चिंतित हैं। अपराधी चाहे जितना बड़ा हो बचेगा नहीं। उसे घर में घुसकर मारा जाएगा। घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने डीजीपी समेत सभी वरीय अधिकारियों को सीएम हाउस तलब किया और लॉ एंड ऑर्डर को लेकर हाई लेबल मीटिंग की। सीएम ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देशश दिए।

सीएम हाउस बुलाए गए पुलिस अफसर

राजधानी पटना में गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंभीर हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री ने वरीय अधिकारियों को सीएम हाउस तलब किया और लॉ एंड ऑर्डर पर महत्वपूर्ण बैठक की। सीएम ने उद्योगपति गोपाल खेमका की हुई हत्या के संबंध में पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराध के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषियों की पहचान करें और बिना किसी भेदभाव के उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि आपराधिक घटना के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो उसकी भी जांच की जाय और जांचोपरांत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। सीएम ने लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि कानून व्यवस्था पर किसी भी प्रकार की कोताही सरकार को मंजूर नहीं है। उन्होंने डीजीपी विनय कुमार से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अपराधी चुनौती बनते जा रहे हैं। सरकार को चैलेंज कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने गोपाल खेमका हत्याकांड पर गहरी चिंता भी जताई। बीती रात राम गुलाम चौक के पास गोपाल खेमका को बदमाशों ने गोलियों से भून दिया।

खेमका के भाई बोले- सरकार आर्गेनाइज क्राइम करवा रही

बिहार के जाने माने कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। उनके भाई शंकर खेमका का सरकार और प्रशासन पर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि 'सरकार के लोग लालू प्रसाद के राज को जंगलराज कहते हैं। लेकिन, हमारे लिए तो उससे बड़ा जंगलराज अभी है। बिहार सरकार ऑर्गेनाइज क्राइम चला रही है। सभी जगह ब्लैक मार्केटिंग है। हर जगह लूट है।' वहीं तेजस्वी यादव, पप्पू यादव और कांग्रेस ने भी लॉ एंड ऑर्डर पर नीतीश सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए तंज किया- 'हत्या हो रही है, लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते।' गोपाल खेमका के भाई शंकर खेमका ने आरोप लगाया कि पुलिस केवल वसूली में लगी है। आम जनता को परेशान करती है। उन्होंने कहा- 'पुलिसकर्मी को गुंडों से कोई मतलब नहीं है। आम लोग क्या लेकर जा रहे हैं, यह चेक करने का काम है, डिक्की चेक करने का काम है। लेकिन, कानून व्यवस्था से कोई लेना-देना नहीं है।' 'गांधी मैदान थाना समेत सभी थानों के पुलिसकर्मी सिर्फ वसूली करने में लगे हुए हैं। कौन ट्रक पास हुआ, बालू था क्या, इसी चेकिंग में लगे रहते हैं।'

गाड़ी चेकिंग छोड़कर अपराध रोके पुलिस

गोपाल खेमका की हत्या से कारोबारियों में आक्रोश है। बिजनेसमैन पवन ने कहा- 'यह गोली पटना के दिल में लगी है। पटना के पॉश इलाके में इस तरह से हत्या हुई है। वारदात के बाद कारोबारियों में दहशत है। गोपाल खेमका को मैं बचपन से जानता हूं। अच्छे सोशल वर्कर थे। क्या वजह है। यह पता नहीं है।'

तेजस्वी बोले- जंगलराज नहीं कह सकते

पटना के गांधी मैदान में कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर सरकार को घेरा। उन्होंने लिखा- 'थाने से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या!' 'हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है।'

पप्पू यादव का बिहार पुलिस पर तंज

सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर 2 पोस्ट किए। एक पोस्ट में उन्होंने बिहार सरकार को बढ़ते अपराध पर घेरा। लिखा कि 'बिहार में महा गुंडाराज है। राजधानी पटना में गांधी मैदान के पास राज्य के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका जी की हत्या! 'शर्म से डूब मरो सरकार! बिहार पुलिस को चुल्लू भर पानी में नाक रगड़ कर आत्महत्या कर लेना चाहिए।' वहीं दूसरी पोस्ट में चार तस्वीर के साथ भावुक बातें लिखीं। एक फोटो में गोपाल खेमका के बेटे गौरव खेमका भावुक दिख रहे हैं, जिसपर सांसद ने लिखा- 'इस बच्चे को क्या दिलासा दूं? सात साल पहले गोपाल खेमका जी के पुत्र गुंजन खेमका की हत्या हुई थी, उन्हें न्याय का भरोसा दिलाने गया था। अगर उस वक्त सरकार अपराधियों की साझीदार न बनकर, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करती तो आज गोपाल खेमका जी की हत्या न होती!'

बिहार में आम लोग सुरक्षित नहींः मुकेश सहनी

बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'बिहार में अब सुशासन नहीं, खुला राक्षसराज चल रहा है।' सहनी ने फेसबुक पर पोस्ट में लिखा, 'पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की सरेआम हत्या ने बिहार को दहला दिया है। राज्य में हत्या, लूट, अपहरण आम हो गया है, लेकिन सुशासन सरकार गहरी नींद में है। आम आदमी तो दूर, अब तो बड़े कारोबारी भी सुरक्षित नहीं हैं।'

कांग्रेस बोली- सीएम इस्तीफा दें

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा-'ये सीधे-सीधे लॉ एंड ऑर्डर की समस्या नहीं है बल्कि सरकार की फेलियोर की बात है। जब सरकार फेल हो जाती है, तो अपराधी तांडव करते हैं। आज अपराधियों ने उनकी हत्या की जो बिहार को रेवेन्यू देने वाले लोग थे। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। अब बिहार में गुंडाराज चल रहा है। चिराग पासवान और मांझी जी को एनडीए से अपना समर्थन वापस ले लेना चाहिए। वरना जनता इनसे भी सवाल पूछेगी।'

बिहार में आम लोगों का जीना दुश्वार हुआः राजद

राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि 'बिहार में इस तरह का गुंडाराज है कि गांधी मैदान जैसे पॉश इलाके में हत्या की गई। आम आदमी का जीना दुश्वार हो गया है। कुछ साल पहले बेटे गुंजन खेमका की हत्या हुई थी। गुंडाराज की चपेट में बिहार है। इससे पहले सीवान में गोलियों से लोगों की हत्या की गई। बिहार में अपराधियों को पूरी तरह से सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है।'

'हमारे बोलने से क्या होगा,हर घर में बंटवारा होता है':घर की लड़ाई पर पहली बार बोलीं राबड़ी; 13वीं बार राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लालू

पटना. लालू प्रसाद यादव को एक बार फिर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। पटना में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसका ऐलान किया गया। वे 2028 तक राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुके गए हैं। मीटिंग को संबोधित करते हुए पहली बार राबड़ी देवी ने घर की लड़ाई पर बयान दिया। उन्होंने कहा- 'हमारे बोलने से क्या होगा। हर घर में बंटवारा होता है।' वो तेजस्वी और तेजप्रताप की बात रही थीं। उन्होंने आगे कहा- 'बिहार में बेरोजगारी कोई नई बात नहीं है, सरकार ने पिछले 20 सालों में कुछ नहीं किया। हमने बिहार को कारखाने दिए, लेकिन इन (एनडीए) लोगों ने कुछ नहीं किया।' 'अगर उन्होंने विकास के लिए काम किया होता, तो वे अब क्यों घूम रहे हैं? अगर उन्होंने काम किया होता, तो उन्हें इसकी ज़रूरत नहीं पड़ती।'

लालू बोले- हम पार्टी को कभी झुकने नहीं देंगे

बैठक को संबोधित करते हुए राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, 'आप लोगों ने मुझ पर विश्वास दिखाया है और हम आपके विश्वास को झुकने नहीं देंगे।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, 'तेजस्वी यादव दिन रात एक-एक चीजों को देखते हैं। हर जगह लगे रहते हैं। आपलोग भी पार्टी के लिए लगे रहिए। चुनाव का समय नजदीक है। हम सब को एकजुट रहना है।' 'गरीबों को बताना है कि बीजेपी जनता के खिलाफ क्या क्या कर रही है। तेजस्वी को हमने आगे खड़ा किया है। चुनाव आ रहा है। इसमें तेजस्वी यादव को जिम्मेदारी देना है।' 'हम अपने स्वस्थ की चिंता नहीं करते है। रोज रात में तेजस्वी से पूछते हैं कि कब क्या हो रहा है।' भाषण के अंत में लालू ने कहा, 'मैं राबड़ी देवी को मेरा, हमारे परिवार और पार्टी का ख्याल रखने के लिए धन्यवाद देता हूं।'

तेजस्वी बोले- जो जनता के लिए काम करेगा, टिकट उसी को मिलेगा

तेजस्वी यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'इस बार के चुनाव में क्रांति लानी है। जो जनता के बीच जाएगा, उनके लिए काम करेगा, पार्टी उसी को टिकट देगी।' उन्होंने कहा, 'हमलोग को एक साथ रहना है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जो निर्णय लेंगे उसको मानना होगा।' इस दौरान तेजस्वी ने नारा दिया- '2005 से 25, बहुत हुए नीतीश।' नेता प्रतिपक्ष ने सीएम नीतीश पर तंज कसते हुए कहा, 'हमें मुख्यमंत्री की सेहत को लेकर काफी चिंता होती है। एक उम्र के बाद उन्हें खुद ही त्यागपत्र दे देना चाहिए था।' 'अमित शाह ने उन्हें क्या बनाया दिया है। चुनाव तक मुख्यमंत्री नीतीश ही रहेंगे। उसके बाद क्या होगा, समय बताएगा।' 'मोदी जी अक्सर बिहार आते हैं। बिहार के लिए उन्होंने क्या किया। पीएम आते है तो एक बार में 100 करार रुपया खर्च होता है।' उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी पर तंज कसते हुए पूछा, 'जेडीयू का मंत्री प्रोफेसर कैसे बन गया। कोई देखा है परीक्षा और इंटरव्यू देते हुए।'

13वीं बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें लालू यादव

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद लालू यादव और राबड़ी ने कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। अधिवेशन की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने की। लालू यादव ने बीते 23 जून को पटना स्थित पार्टी कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. पूर्वे ने उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया था। कार्यक्रम में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव समेत पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और प्रदेश भर से आए कार्यकर्ता शामिल हैं।

8 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्याः मां के बगल से उठाकर ले गए बदमाश

मधेपुरा. मधेपुरा में शनिवार की सुबह खेत से 8 साल की बच्ची का खून से लथपथ शव मिला है। बच्ची के प्राइवेट पार्ट में मक्का ठूंसा गया था। गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई है। परिजन रेप के बाद हत्या किए जाने की बात कह रहे हैं। पुलिस भी रेप के बाद हत्या के एंगल से जांच शुरू कर दी है। घटना आलमनगर थाना क्षेत्र की है। मृतका के मामा ने बताया कि, 'बच्ची मां के साथ सो रही थी। देर रात 12 बजे उसे अपराधी उठाकर ले गए। हमें सुबह 7 बजे घटना की जानकारी हुई। जब लोगों ने हल्ला किया कि किसी की बच्ची खेत में पड़ी है।'

बच्ची को बासा से अपराधी उठाकर ले गए थे। दरअसल, बासा एक अस्थायी आवास होता है, जहां लोग हर साल तीन से चार महीने के लिए रहते हैं। मक्के की फसल काटने का काम करते हैं। इसके बाद वे बिहारीगंज प्रखंड स्थित अपने घर लौट जाते हैं। मृतका के मामा ने बताया कि, बच्ची अपनी मां और नानी के साथ बासा में रहती थी। शुक्रवार रात बच्ची अपनी मां के साथ गौंछी चौक पर रामधुनि में रास लीला देखने गई थी। रात करीब 11 बजे वे बासा लौट आए और सो गए। बासा पर मां-बेटी के अलावा नानी और दो अन्य रिश्तेदार भी मौजूद थे। रात 12 बजे तक सभी सो चुके थे। देर रात अपराधी उसे सोए हुए में ही उठाकर ले गए।

बच्ची के मामा ने बताया कि शनिवार सुबह चार बजे जब मां की नींद खुली तो बच्ची बिस्तर पर नहीं थी। मां ने सोचा कि वह शौच के लिए गई होगी। फिर वापस आकर सो गई। सुबह मवेशी चराने गए एक चरवाहे ने बासा से करीब 200 मीटर दूर खेत में बच्ची का शव देखा और शोर मचाया। स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने देखा कि बच्ची की गला घोंटकर हत्या की गई थी। प्राइवेट पार्ट में मक्का ठूंसा हुआ था।

बच्ची तीन भाई-बहन में सबसे छोटी थी। उससे बड़े दो भाई है। गरीब परिवार से आने वाली बच्ची के पिता हरियाणा में मजदूरी करते हैं। तीन महीने पहले वो काम के लिए हरियाणा गए। घटना की सूचना मिलते ही आलमनगर थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि 'शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए हैं। और वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई है।' 'FSL टीम शव से भी सैंपल लेगी। इसके बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।'

युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में मिली शादीशुदा महिला, पति ने प्रेमी से करवा दी शादी

सहरसा. सहरसा में 2 बच्चों की मां को रिश्तेदार और ग्रामीणों ने युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। इसके बाद युवक की हाथ-पैर बांधकर पहले पिटाई की, फिर दोनों की शादी करवा दी। महिला की पहचान बैजनाथपुर निवासी राकेश कुमार मेहता की पत्नी आरती कुमारी (30) और युवक की पहचान झारखंड के रांची निवाली बाबुल उर्फ वरुण मुखर्जी के रूप में हुई है। घटना गुरुवार रात की है, जिसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि 12 से ज्यादा की संख्या में ग्रामीणों ने महिला और एक युवक को घेर रखा है। युवक के हाथ-पैर

बांध दिए हैं। महिला का पहला पति मांग से सिंदूर धोते दिख रहा है। इसके बाद लड़के के हाथ-पैर से रस्सी खोलता है। उसे सिंदूर देकर महिला की मांग में लगाने को कहता है। युवक से 5 बार मांग में सिंदूर भरवाया जाता है। शादी के बाद खड़े लोग ताली बजाते दिखते हैं। महिलाओं ने गीत भी गाया।

10 साल पहले महिला की हुई थी शादी

आरती कुमारी की शादी 10 साल पहले राकेश से शादी हुई थी। दोनों के 2 बच्चे हैं। एक 7 साल और दूसरा 9 साल का है। आरती का पति लॉर्ड बुद्धा मेडिकल कॉलेज के सामने चाय की दुकान चलाता है। वहीं, चाय दुकान के सामने कैंटीन में बाबुल काम करता था। इसी दुकान में आरती और बाबुल की बातचीत शुरू हुई, फिर दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था। महिला की रिश्तेदारों और ग्रामीण ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति पकड़ा। इसके बाद युवक को अर्धनग्न किया और दोनों को जमकर पिटाई की, फिर जबरन दोनों की शादी करवाई। घायल पति-पत्नी को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

8 दिनों से पति से नहीं हो रही थी बात

आरती ने बताया कि 'पिछले 8 दिनों से पति विवाद चल रहा था। मैंने खाना भी छोड़ दिया था। गुरुवार की रात 9 बजे तेज भूख लगी तो बाबुल को फोन किया। वो कैंटिन से खाना लेकर पहुंचा था। इसी दौरान मेरे भसुर, ससुर समेत अन्य ग्रामीणों ने बाबुल को पकड़ लिया। इन लोगों ने उसकी पिटाई कर रूम में बंद कर दिया।' 'इसके बाद मेरे पति को फोन कर बुलाया गया। वो मौके पर पहुंचे और मारपीट की। फिर मेरे पति ने मेरी मांग धोई और बाबुल से शादी करवा दी गई।' बैजनाथपुर थाना प्रभारी चंद्रदीप प्रभाकर ने बताया कि 'महिला और युवक दोनों बालिग हैं। किसी ने अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं की है। शिकायत मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, रविवार, 06 जुलाई, 2025

www.ksnewsupdates.com

अनिल अंबानी का 49,000 करोड़ का बैंक घोटाला

अनिल अंबानी द्वारा 49,000 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज हड़पना भारतीय बैंकिंग इतिहास की उन घटनाओं में शामिल हो गया है, जो यह साबित करती है, कि किस तरह देश का बैंकिंग सिस्टम कुछ खास कॉरपोरेट घरानों के लिए लूट की खुली छूट बन गया है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने 53 बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेने के बाद, अंबानी ने अपने आप को दिवालिया कानून के अंतर्गत दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया कानून की आड़ में खुद को निर्दोष साबित कर दिया। अब अनिल अंबानी सरकार की सरपरस्ती में नई कंपनियों के जरिए फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन जैसी विदेशी कंपनियों के साथ हवाई जहाज बनाकर उड़ा रहे हैं। क्या इसे बैंकों की लूट और न्याय व्यवस्था की सुनियोजित हत्या नहीं मानी जानी चाहिए? एनसीएलटी में जब रिलायंस कम्युनिकेशन का मामला पहुंचा तो दावा किया गया, कि कंपनी के ऊपर 47,000 करोड़ का बकाया है। सेटलमेंट के नाम पर दिवालिया कानून के तहत बैंकों को मात्र 455 करोड़ रुपए की राशि मिली। जो कुल कर्ज का सिर्फ 0.92 फीसदी है। बाकी पैसा डूबत खाते में लिखकर बैंक की बैलेंस शीट को पाक-साफ कर दिया गया। यह रकम किसी उद्योगपति की जेब से नहीं आई थी। सरकारी खजाने से भी यह राशि नहीं आई। बैंकों ने शुल्क बढ़ाकर ग्राहकों से वसूल किया। बैंक की ब्याज दरें घट गईं, तरह-तरह से शुल्क वसूल किए जाने लगे। देश की आम जनता की मेहनत की कमाई जो बैंकों में जमा थी उस पर आम जनता को भारी टैक्स देना पड़ रहा है। विडंबना देखिए, अंबानी ने एनसीएलटी में राहत पाने के लिए आईबीसी की धारा 32 ए का सहारा लिया। इस नियम के अंतर्गत दिवालिया प्रक्रिया को मंजूरी मिल जाती है, तो पुरानी जिम्मेदारियों से कंपनी और उनके डायरेक्टर कर्ज से मुक्त माने जाते हैं। कारपोरेट जगत को फायदा पहुंचाने के लिए यही कानूनी जाल है। करोड़ों-हज़ारों का घोटाला कानून के मुताबिक जायज़ बन जाता है। यह सुविधा आम आदमी के लिए नहीं है। सवाल यह है, क्या कोई आम आदमी 50 लाख का लोन न चुका पाए तो उसे भी ऐसी छूट मिलेगी? नहीं। उसके घर पर ताला जड़ दिया जाएगा। बैंक नोटिस चस्पा कर संपत्ति पर कब्जा कर लेगी। जब कोई उद्योगपति हजारों करोड़ डुबो देता है, तो उसे नई शुरुआत करने सरकार और बैंकों से फिर से सहायता मिल जाती है। उनकी निजी संपत्ति और मकान इत्यादि सुरक्षित रहते हैं। सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रहती है। यह मामला सिर्फ अंबानी का नहीं है, यह कारपोरेट जगत के सिस्टम का आईना है। जहां भ्रष्टाचार को ही नीति बना दिया गया है। कारपेट जगत के लोग सरकार और बैंकों के अधिकारी मिलकर इस लूट में शामिल होते हैं। अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई, तो भविष्य में और भी बड़े कॉरपोरेट दिवालिया होकर अमीर बनने के नए-नए इतिहास गढ़ेंगे। आम जनता हर महीने बैंक की लाइन में खड़ी होकर तरह-तरह के शुल्क देकर लूट की भरपाई करती रहेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, भारत में अब दो तरीके के कानून प्रचलित हैं एक कानून कॉरपोरेट जगत और समर्थ लोगों के लिए और दूसरा कानून आम जनता और गरीब लोगों के लिए है। न्यायपालिका में भी अब यही स्थिति देखने को मिलती है। न्यू इंडिया का यह नया आर्थिक मॉडल है, जहां कारपोरेट जगत की लूट को कानून का कवच मिला हुआ है। इस कवच के सहारे वह बैंकों को दिनदहाड़े लूट रहे हैं। लूट कर विदेशों में भाग जा रहे हैं। यहां रहते हुए भी उन्हें सरकार और बैंक की सहायता मिल रही है। आम आदमी को जरूर हर तरह से लूटा जा रहा है। आम लोगो को अपने अधिकार और अपने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए स्वयं आगे आना पड़ेगा अन्यथा यह क्रॉनि पूंजीवाद लोगों को गुलामी की दशा में ले जाएगा।

पृथ्वी पर ओजोन का बढ़ता खतरा

विश्व भर में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से निजात पाने के लिए तो तमाम सारे कानून मौजूद है ,लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि पृथ्वी की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा की रोकथाम के लिए कोई कानून नहीं है। गौरतलब है कि भूमि पर ओजोन की बढ़ती मात्रा वायु प्रदूषण में ईजाफा कर रही है। जानकारों का कहना है कि इस अदृश्य प्रदूषण को नजरंदाज नहीं किया जा सकता, क्यों कि यह मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इन दिनों हमारी पृथ्वी जिस नए संकट से जूझ रही है, वह भूमि पर मौजूद ओजोन का खतरा है ।16दिसम्बर1987 को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में ओजोन परत से उत्पन्न संकट के निदान हेतु कनाडा के मांट्रियल शहर में विश्व भर के तीन दर्जन से अधिक देशों ने स्वेच्छा से समझौते पर दस्तखत किए थे। उक्त समझोते को मेट्रियल प्रोटोकॉल के नाम से जाना जाता है। कनाडा सम्मेलन में इस मुद्दे पर भी विचार विमर्श किया गया था कि ओजोन परत का विनाश करने वाले पदार्थ क्लोरोफलोरो कार्बन के उत्पादन और उपयोग को कैसे सीमित किया जाए। हिंदुस्तान ने भी इस पर अपनी सहमति जताते हुए दस्खत किए थे, लेकिन हैरत की बात है कि इस पर अभी तक अमल नहीं हुआ। तल्ख सच्चाई यह है कि ओजोन गैस वायुमंडल में पतली और पारदर्शी परत के रूप में मौजूद रहती है। हालांकि वायुमंडल में ओजोन का प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत कम होता है। ओजोन की मात्रा क्षोभ मंडल में भी पाई जाती है। यह हानिकारक पैरा बेंगनी विकिरण से बचाने का काम करती है । वर्तमान समय में मानव जनित औद्योगिक प्रदूषण के परिणाम स्वरुप क्षोभ मंडल में ओजोन की मात्रा बढ़ रही है। वाहनों से उत्सर्जित होने वाला धुआं जैसे ही सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आता है तो ओजोन का निर्माण होता है। यह ओजोन गैस लोगों के बाद स्वास्थ्य और सेहत को तो खराब कर ही रही है, फसलों को भी नुकसान पहुंचा रही है। हालात यह तक पहुंच गए हैं कि जैसे जैसे वाहनों की संख्या में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे इसकी गति भी बढ़ रही है।ऐसी स्थिति में पर्यावरण में उपस्थित ओजोन वैज्ञानिको के लिए चुनौती बनता जा रहा है। पर्यावरण में तेजी से बढ़ती ओजोन की मात्रा से इंसानियत को हो रहे नुकसान को देखते हुए विश्व भर में अनेक शोध हो रहे हैं। हिन्दुस्तान में भी राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक यह पता लगने का प्रयास कर रहे हैं कि यदि पर्यावरण में ओजोन की मात्रा निरंतर बढ़ती रही तो फसलों पर इसका कितना असर पड़ेगा। वायुमंडल में ओजोन की पतली परत की मोजुदगी वेज्ञानिको की चिन्ता का कारण बना हुआ। है । ओजोन परत आक्सीजन के तीन अणुओं से बना है। जीवन के लिए आक्सीजन के सिर्फ दो अणुओं की आवश्यकता होती है, सच तो यह है कि आक्सीजन के तीन अणु नुकसानदेह होते हैं जो भूमि पर एकत्रित होकर मानव और पौधों की सांस में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। विधुत संयंत्र, वाहनों, रिफाइनरियों और अन्य स्त्रोतों से हुआ प्रदूषण सूर्य के प्रकाश के साथ मिलता है, तो हानिकारक गैस ओजोन का निर्माण होता है और वह भूमि पर जमा होती जाती है। गौरतलब है कि सर्दियों के दौरान स्मागका निर्माण भी ऐसे ही होता है,स्मागके निमित होने की अहम वजह ओजोन ही होता है।जब हवा में घुली ओजोन मनुष्य के फेफड़ों में जाती है तो यह फेफड़ों के छोटे छोटे -छोटे छेदों को बंद करने का प्रयास करती है। ऐसे में इसके प्रभाव से सीने में दर्द और खांसी होने लगती है यह तक कि फेफड़े तक काम करना बंद कर देते हैं, जिससे इंसान की मौत तक हो जाती है। मौजूद दौर में अस्पतालों में प्रति दिन त्वचा संबंधी रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जानकारों के मुताबिक ऐसा इस कारण से हो रहा है क्योंकि सुरक्षा कवच कहीं जाने वाली ओजोन की परत का क्षरण हो रहा है। यदि समय रहते ओजोन परत की हिफाजत नहीं की तो आने वाले दिनों में तमाम सारी जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। लिहाजा इससे बचने के लिए हमें भूमि के इर्द-गिर्द बढ़ती ओजोन गैस को रोकना होगा। शोध से ज्ञात हुआ है कि जमीनी स्तर पर ओजोन गैस फसलों को क्षति पहुंचा रही है। इसका असर दिखाई देने लगा है, गेहूं, चावल, सोयाबीन और कपास की फसलो को क्षति पहुंची। माना जाता है कि हमारे देश में फसलों को हुई क्षति की अहम वजह भूमि पर मौजूद ओजोन ही है। पेड़ पत्तियों पर इस का असर दिखाई देने लगा है उनके पत्ते सूखने लग गए हैं। हालांकि ओजोन परत को क्षति पहुचाने के लिए सबसे ज्यादा कसूरवार चीन को ठहराया जा रहा है। क्यों कि चीन के तमाम सारे उद्योग भारी मात्रा में प्रतिबंधित गैसें खुले वातावरण में छोड़ रहे हैं, जिससे ओजोन की परत के छेद में इजाफा हुआ है। कड़वा सच किया है कि चीन के पूर्वोत्तर में लगे तमाम सारे उद्योगों से भारी मात्रा में ओजोन परत को भेदने वाली गैसे निकल रही है। शोधकर्ताओं का दो टूक शब्दों में कहना है कि जमीनी स्तर पर ओजोन का प्रभाव हिन्दुस्तान और चीन जैसे मुल्कों पर सबसे ज्यादा होगा। उधर नॉर्वे और अटलांटिक में भी भूमि पर ओजोन की समस्या गंभीर है ।ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां गर्मियों में 24 घंटे का दिन होता है। हाल के वर्षों में नार्वे में ओजोन की मात्रा 150 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के करीब पहुंच गई है। अभी तक जितने भी शोध हुए हैं ,उनसे पता चला है कि कैसे दिन बड़े होने से भूमि पर ओजोन पौधों को प्रभावित करती है ।दुनिया में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए तो कई कानून लेकिन भूमि की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा को रोकने के लिए कोई विशेष कानून अभी तक नहीं बना है।

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

> हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं।

महर्षि डॉ. योगभूषण महाराज

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को "चातुर्मास" या "वर्षायोग" कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है। वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं।

श्यामा प्रसाद मुखर्जीः राष्ट्र के चरमोत्कर्ष की यज्ञवेदी पर प्राणोत्सर्ग

> श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुँच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहाँ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया।

हेमेन्द्र क्षीरसागर

डां श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष, एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शिक्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीध्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निर्माताओं में से थे। उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिंद्धातों से समझौता नहीं किया। हाँ, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा। डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फँसना नहीं, वरन् उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, ' कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅंटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था। श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुँच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहाँ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं। संकल्पित, मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी थे।

डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्यिां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था। डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः '' एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।''

अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे।

बलिवेदी, 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम था।

ईमानदारी और आत्म सम्मान मानवीय जीवन के दो अनमोल हीरे मोती

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि रचनाकर्ता ने सृष्टि में मानवीय जीव की रचना कर उसके मस्तिष्क में बौद्धिक क्षमता रूपी खान का ऐसा अणखुट खजाना भर दियाहै जिसमें अन्य 84 लाख़ योनियों को अलग रखा और यह जीव मानवीय योनि में जन्म लेकर अपने परिवार मोहल्ले समाज शहर के खूबसूरत माहौल में अपना बचपन बिताता है तो उसे हमारे बड़े बुजुर्ग ईश्वर अल्लाह का रूप मानतेहैं।मेरा मानना है और यह सर्वविदित भी है कि बच्चे झूठ, फरेब, बेईमानी इत्यादि अवगुणों से दूर स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण में अपना बालपन जीवन व्यतीत करते हैं जब बचपन से निकलकर बौद्धिक समझदारी में आते हैं उन्हें आकर्षित करने वाली अनेक चीजों में से एक धन है !जिसकी चाहना बल्यपन से निकलने पर ही आने लगती है और यहीं से कुदरत द्वारा दी गई अद्भुत अनमोल बौद्धिक क्षमता पर भ्रष्टाचार और लालच की नकारात्मक सोच हमला करती है जिसनें उसे ईमानदार और आत्म सम्मान रूपी अस्त्र से इन अवगुणों को काट दिया उसका संपूर्ण जीवन सफ़ल हो जाता है और जो इसके घेरे में आ गया वह परिवार कुल सहित दुखों का भागीदारी बन जाता है जिसका मूल कारण गलत स्त्रोतों से कमाया गया धन है !,इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार फरेब अन्याय धोखे सहित गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के दुखद परिणामों और ईमानदारी आत्म सम्मान से लाभकारी परिवारों की चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन की करें तो श्लोकों में आया है। अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।। अर्थ- अन्याय या गलत तरीके से कमाया हुआ धन दस वर्षों तक रहता है। लेकिन ग्यारहवें वर्ष वह मूलधन सहित नष्ट हो जाता है।अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति। प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।...आचार्य चाणक्य अपने इस श्लोतक में कहते हैं कि ऐसे गलत तरीकोंसे कमाया गया पैसा बमुश्किल 10 साल तक ही रहता है, इसके बाद 11वें वर्ष से ही ऐसा पैसा धीरे-धीरे नष्ट होने लगता है, इसलिए व्यक्ति को कभी भी अनैतिक तरीके से पैसा नहीं कमाना चाहिए क्योंसकि उसे बुरे कर्मों का फल भी झेलना पड़ता है और कुछ समय बाद ऐसे धन नष्टक भी हो जाता है, फिर चाहे वजह कोई दुर्घटना, बीमारी, नुकसान या अन्य कारण हो। बेहतर होगा कि ईमानदारी से पैसा कमाएं और उसका एक हिस्सान दान में दें, इससे आपके घर में हमेशा बरकत रहेगी और आप दिन-दूनी रात-चौगुनीतरक्की करेंगें। साथियों बात अगर हम चाणक्य नीति की करें तो, उसके अनुसार पापकर्म द्वारा या किसी को कष्ट और क्लेश पहुंचाकर कमाया पैसा अभीशापित होकर मनुष्य का नाश कर देता है। इस धन के प्रभाव से सज्जन पुरुष भी पाप की और बढ़ने लगते हैं। इसलिए ऐसे पैसों से बचना चाहिए, वरना जल्दी ही कुल सहित उस इंसान का नाश हो जाता है। आचार्य चाणक्य बताते हैं कि ऐसा धन दस साल से ज्यादा नहीं टिक पाता। उसके बाद दुगना खर्चा बीमारी या नुकसान होकर ऐसा पैसा चला जाता है। बात अगर हम भ्रष्टाचार जैसे गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के परिणामों की करें तो हम इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया में भ्रष्टाचारियों के अनेक दुखद नकारात्मक परिणामों के बारे में पढ़ते सुनते रहते हैं परंतु मेरा यह निजी और व्यक्तिगत रूप से अपने साथियों दोस्त अफसरों के अनुभव की जानकारी रेखांकित किया हूं कि जो भ्रष्टाचार करता है वह अपने जीवन में कभी सुखी नहीं रहता उसके परिवार, बच्चे कुल में संकटों का पहाड़ किसी न किसी रूप में गिरता ही रहता है और सबसे बड़ी बात, कि मां लक्ष्मीत चंचल होती हैं, यदि गलत तरीकों से धन कमाया गया तो मां लक्ष्मीं नाराज होकर चली जाती हैं,अनैतिक तरीकों से चोरी, धोखे, अन्यांय, जुआ आदि के जरिए कमाया गया धन हमेशा साथ नहीं रहता है। हमने देखे होंगे कि भ्रष्टाचारियों के पास धन अधिक समय तक नहीं रहता वह निकल जाता है सुबह नहीं तो शाम निकलता जरूर है जिसकी परिणति हम बड़े बड़े ऑफिसरों नेताओं ऊपर ईडी, आईटी, सीबीआई की रेड से करोड़ों रुपए के धन की बरामदगी के रूप में किससे मीडिया में देखते सुनते रहते हैं।

सावन शुरू होने से पहले घर में बदलावों से आती है सकारात्मक ऊर्जा

हिन्दू धर्म में श्रावण माह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है! श्रावण मास को अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण माना गया है! भगवान शिव को समर्पित यह महीना भक्ति, तपस्या और श्रद्धा का प्रतीक होता है, लेकिन अगर घर में वास्तु दोष हो, तो व्यक्ति को न तो पूजा-पाठ का संपूर्ण फल मिलता है और न ही व्रत-उपवास का कोई प्रभाव दिखाई देता है! ऐसे में सावन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी बदलाव और साफ-सफाई करके घर को सकारात्मक ऊर्जा से भरना बेहद आवश्यक हो जाता है।

सावन की शुरूआत

इस वर्ष श्रावण माह की शुरूआत 11 जुलाई 2025 से हो रही है और इसका समापन 9 अगस्त 2025 को होगा। इस पूरे महीने को शिव आराधना और व्रत के लिए अत्यंत फलदायी माना गया है। इस बार सावन में कुल चार सावन सोमवार पड़ेंगे।

सावन का महिना शुरू होने से पहले जरूर करे यह काम

सावन शुरू होने से पहले अपने घर की पूरी साफ-सफाई करें। विशेष रूप से पूजा स्थल की सफाई का ध्यान रखें। मंदिर में जमी धूल को साफ करें और वहां गंगाजल का छिड़काव करें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

कभी भी घर में बंद घड़ी नहीं रखनी चाहिए। बंद घड़ी नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है जिससे समय खराब होने लगता है। ऐसे में अगर घड़ी बंद हो जाती है तो उसे सही करवा या फिर घर से बाहर कर दें। ऐसा करने से सुख समृद्धि और खुशहाली की प्राप्ति होती है।

श्रावन माह शुरू होने से पहले फटी धार्मिक पुस्तकों को भी घर से बाहर कर देना चाहिए। इसलिए इस तरह की धार्मिक पुस्तकों को बहते जल में प्रवाहित कर दें या फिर पीपल के पेड़ के नीचे रख दें। अगर घर के मंदिर में या फिर किसी और जगह पर देवी देवता की खंडित मूर्ति रखी है। तो उसे सावन शुरू होने के पहले किसी पवित्र नदी में बहा दें. खंडित मूर्ति से शुभ फल प्राप्त नहीं होते और पूजा भी सफल नहीं होती। इसकी वजह से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है।

हाथ में त्रिशूल का निशान होता है बेहद शुभ

हस्तरेखा ज्योतिष में लोगों की हाथ की लकीरें और निशान देखकर उनके भविष्य के बारें में कई बातों का पता लगाया जा सकता है। हथेली पर कई निशान होते है इन्हीं निशानों में से एक निशान ऐसा होता है जो हजार लोगों में से एक व्यक्ति के हाथ में बना होता है। यह निशान होता है त्रिशूल। तो आइए जानते हैं हथेली पर किस-किस जगह बने त्रिशूल के निशान का क्या मतलब होता है। यदि हृदय रेखा के सिरे पर गुरु पर्वत के समीप त्रिशूल का निशान हो ऐसा व्यक्ति बेहद प्रतिभाशाली होता है।

सूर्य रेखा पर त्रिशूल का निशान होने पर उच्च पद और सरकारी क्षेत्र की प्राप्ति होती है। वहीं त्रिशूल के चिन्ह के साथ अन्य रेखाएं होने पर परिणाम विपरीत होंगे। यदि ये चिन्ह भाग्य रेखा पर हो तो वह व्यक्ति बहुत ही भाग्यशाली होता है और उसे सभी सुखों की प्राप्ति होती है।वहीं जिसकी हाथ की दस उंगलैयों में भगवान विखष्णुर के प्रतीक चक्र का चिन्ह हो वह चक्रवर्ती होता है। ऐसी रेखाओं से मिलती है हर कदम पर सफलता।

बिल्ली के रास्ता काटने से क्या होता है?

आप अपने गन्तव्य तक पहुँचने की ज़ल्दी में हैं। आप अपने कदम तेज़ी से आगे बढ़ा रहे हैं कि तभी अचानक से एक बिल्ली आती है और आपका रास्ता काट जाती है। ऐसे में आप क्या करेंगे ? शायद वही जो ज़्यादातर भारतीय ऐसे में करेंगे – थोड़ी देर रुक जायेंगे और किसी और के वहां से गुजरने का इंतज़ार करेंगे।

प्राचीन काल से ही ऐसी मान्यता प्रचलित है कि अगर बिल्ली आपका रास्ता काट दे तो आपको कुछ देर रूक जाना चाहिए या उस रास्ते से नहीं गुजरना चाहिए, खासकर यदि काली बिल्ली आपका रास्ता काटे तो इसे बहुत अशुभ माना जाता है।

हमारे परिजन भी हमेशा हमें बिल्ली द्वारा रास्ता काटने पर आगे न जाने की सलाह देते हैं। बिल्ली के रास्ता काटने को अशुभ का संकेत माना जाता है। यह मान्यता है कि बिल्ली अन्य जीवों की अपेक्षा अधिक संवेदनशील प्राणी है जो कि भविष्य में होने वाली घटनाओं को काफी सटीक और पहले ही भांप लेती है। उसके द्वारा रास्ता काटना एक चेतावनी माना जाता है जिसे समझकर हम दुर्घटनाओं से बच सकते हैं।

वैज्ञानिक आधार

अनेक लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तथ्य भी यह कहते हैं कि अनेक जीवों में प्रकृति की घटनाओं के घटित होने से पूर्व समझने की शक्ति होती है। यह भी देखा गया है कि बड़ी-बड़ी घटनाओं के पहले अनेक जानवरों के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आ जाता है। जब जापान में सुनामी आई थी तब उसके ठीक पहले तटीय क्षेत्रों के पालतू जीवों के व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन देखने को मिला था। बिल्कुल उसी तरह बिल्ली के व्यवहार को भी कुछ लोग सही मानते हैं और बिल्ली के रास्ता काटने के बाद कुछ देर रूक कर आगे बढ़ने को कहते हैं, जिससे भावी दुर्घटनाओं की आशंका टाली जा सके।

सावधानी ही सुरक्षा

वर्तमान युग में इस बात पर यकीन करना मुश्किल है लेकिन न केवल भारत में बल्कि प्राचीन यूनान, मिस्त्र आदि अनेक देशों में भी बिल्ली के रास्ता काटने को अशुभ माना जाता है। यूरोप और अमेरिका में भी बिल्ली के रास्ता काटने को अशुभ मानते हैं जबकि जापान में बिलकुल इसके उलट है। जापान में बिल्ली के रास्ता काटने को अच्छा समझा जाता है। वहीं ऐसे लोगों की भी कमी नहीं जो बिल्ली के रास्ता काटने को केवल एक अंधविश्वास मात्र समझते हैं। इसलिए इस तरह की बातों को मानना या नहीं मानना पूरी तरह व्यक्ति विशेष पर निर्भर करता है।

राष्ट्र के प्रति संपूर्ण समर्पण का जीवंत उदाहरण है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः कड़िया मुंडा

खूंटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष की यात्रा जब शुरू हुई तब मैं लगभग नौ वर्ष का बालक था। आज मैं 91 वर्ष के पड़ाव पर हूं। जब मैं नौ वर्ष का रहा हूंगा, तब संघ की स्थापना हो रही होगी। जनसंघ के साथ जुड़ाव, युवावस्था मे इमरजेंसी के दौरान जेल गया। जेल में मेरी प्रार्थना भी प्रारम्भ हुई। आज जो परिणाम है, वह संकल्प से सिद्धि का है। यह अपना संघ केवल एक संस्था नहीं, यह एक विचारधारा, एक चेतना और राष्ट्र के प्रति संपूर्ण समर्पण का जीवंत उदाहरण है। यह उस साधना की गाथा है, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को ही अपना परिवार मान लेता है। यह उस भावना का नाम है, जो एक स्वयंसेवक के भीतर राष्ट्र प्रथम की लौ जलाये रखती है, चाहे परिस्थिति कितनी भी विकट क्यों न हो?

यह बातें पूर्व लोकसभा के उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा ने शनिवार को संघ के 100 वर्ष की यात्रा पूरे होने पर संघ से जुड़ी अपनी यात्रा को साझा करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि संघ का कार्यकर्ता जहां भी होता है, वह केवल अपना जीवन नहीं जीता, वह राष्ट्र के लिए जीता है। वह अपने परिवार की चिंता तो करता है, परंतु उतनी ही चिंता उसे समाज की भी होती है। वह अपनी आवश्यकताओं को पूरा करता है, लेकिन साथ ही हर उस व्यक्ति के लिए कुछ करने का भाव रखता है, जिसे समाज और राष्ट्र की आवश्यकता हो। यह यात्रा आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि संघ पर प्रतिबंध लगे, आरोप लगे, षड्यंत्र रचे गए, लेकिन संघ रुका नहीं। यह उस साधक की तरह बढ़ता गया, जिसे अपने लक्ष्य पर पूर्ण विश्वास था। स्वयंसेवकों के त्याग, बलिदान और निष्ठा ने इस राष्ट्रभक्ति की धारा को कभी सूखने नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि संघ ने केवल स्वयंसेवकों को राष्ट्रभक्ति नहीं सिखाई, बल्कि उनके माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी। सेवा, संगठन और संस्कार, इन्हीं तीन स्तंभों पर संघ ने राष्ट्र के उत्थान का संकल्प लिया। कहीं बाढ़ आई, कहीं भूकंप आया, कहीं सामाजिक असमानता ने समाज को तोड़ने का प्रयास किया। हर बार संघ का स्वयंसेवक सबसे पहले वहां खड़ा दिखाई दिया। न प्रचार, न प्रशंसा की चाहत, बस एक ही उद्देश्यरू राष्ट्र की सेवा। आज भी, जब संघ के किसी विचारक को सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है, तो अपने स्वयंसेवक होने का गर्व और उन विचारों की गहराई का प्रभाव हृदय को आंदोलित कर देता है।

राष्ट्र पुनरुत्थान की अमरगाथा

माध्यम चाहे कोई भी हो, सीधा संवाद, कोई व्याख्यान, या किसी मंच से संघ के विचारकों का उद्बोधन, लेकिन जब देशप्रेम उमड़ता है, तो आंखों से आंसू बनकर बहता है। ये वे आंसू होते हैं, जिनमें राष्ट्र के प्रति अटूट प्रेम और समर्पण छलकता है। संघ का यह 100 वर्षों का सफर केवल समय का माप नहीं, यह राष्ट्र पुनरुत्थान की अमरगाथा है। यह उन अनगिनत कार्यकर्ताओं की कहानी है, जिन्होंने अपने जीवन को एक बड़े उद्देश्य के लिए समर्पित कर दिया। यह उस दीपशिखा का प्रकाश है, जो सिर्फ स्वयंसेवकों को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज को दिशा देता है। संघ केवल संगठन नहीं, यह जीवन का एक आदर्श है। यह वह परंपरा है, जहां व्यक्ति नहीं, विचार जीवित रहते हैं जहां स्वार्थ नहीं, समर्पण सर्वोपरि होता है।

स्पेशल ऑप्स 2 की कहानी मुख्य रूप से साइबर क्राइम पर आधारित : करण टैकर

अभिनेता करण टैकर आजकल अपनी वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। अपनी सीरीज के बारे में बात करते हुए करण ने बताया कि स्पेशल ऑप्स 2 की कहानी मुख्य रूप से साइबर क्राइम पर आधारित है, जिसमें एआई का भी छोटा-सा हिस्सा शामिल है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनके दो विज्ञापन एआई की मदद से बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि एआई की वजह से फिल्मों में वीएफएक्स के जरिए धमाकों जैसे मुश्किल सीन भी बहुत आसान हो गए हैं, और अब यह तकनीक हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है।

करण ने एक खास अनुभव भी साझा किया, जिसमें निर्देशक नीरज पांडे ने उन्हें एक तीन मिनट की शॉर्ट फिल्म दिखाई। इस फिल्म में सभी किरदार पूरी तरह से एआई और कंप्यूटर प्रॉम्प्ट्स से बनाए गए थे। करण ने कहा कि यह इतना असली लग रहा था कि उन्हें यकीन नहीं हुआ। इस अनुभव ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया कि भविष्य में अभिनेताओं की जरूरत कम हो सकती है, क्योंकि तकनीक से पूरी फिल्म बनाना संभव हो जाएगा। उन्होंने इस बदलाव के दौर में सभी को सतर्क रहने की सलाह दी।

इसके साथ ही करण ने हाल ही में अपने साथ हुए एक साइबर फ्रॉड का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें एक फर्जी कॉल आया था जिसमें कहा गया कि उनका निवेश मैच्योर हो गया है और टैक्स डिटेल्स भेजनी होंगी। कॉल करने वालों के पास उनके फंड की पूरी जानकारी थी, जिससे यह धोखा और खतरनाक बन गया। करण ने कहा कि ऐसे मामलों से बचने के लिए सावधानी और जागरूकता जरूरी है। गौरतलब है कि स्पेशल ऑप्स 2 एक एक्शन और जासूसी थ्रिलर सीरीज है, जिसका पहला सीजन 2020 में आया था और जिसे नीरज पांडे ने डायरेक्ट किया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को डीजीसीए की फटकार, इंजन रिकॉर्ड में हेराफेरी का मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को एयरबस ए320 विमान के इंजन से जुड़े सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और रिकॉर्ड में हेराफेरी के लिए कड़ी फटकार लगाई है। मार्च में जारी किए गए एक गोपनीय सरकारी ज्ञापन से यह जानकारी सामने आई है। डीजीसीए की जांच में पता चला कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी के निर्देशों के तहत सीएफएम इंटरनेशनल लीप-1A इंजन के महत्वपूर्ण पुर्जों को तय समय पर नहीं बदला। इन निर्देशों में पुर्जों की समयबद्ध मरम्मत और बदलाव की सख्त शर्तें थीं, ताकि उड़ान की सुरक्षा बनी रहे। डीजीसीए ने पाया कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस एंड इंजीनियरिंग ऑपरेटिंग सिस्टम में रिकॉर्ड बदलकर यह दर्शाया गया कि आवश्यक कार्य समय पर किया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी गलती स्वीकार की है और सुधारात्मक तथा निवारक कदम उठाने की बात कही है। यह मामला जून में अहमदाबाद में हुए एक भीषण विमान हादसे के बाद सामने आया है, जिसमें 242 में से 241 यात्रियों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद से एयर इंडिया की सुरक्षा और संचालन प्रक्रियाओं की व्यापक जांच चल रही है।

कर्नाटक में मादा बाघिन और उसके चार शावक की मौत, दो अधिकारी निलंबित

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित किया है। वन-विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत मिले थे। मंत्री खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया। घटना की जांच के लिए समिति का गठन हुआ था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है।

पंजाब पुलिस अंतरराष्ट्रीय नार्को-हथियार मॉड्यूल और अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़

चंडीगढ़, (ईएमएस)। पंजाब पुलिस ने बताया एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-हथियार मॉड्यूल और एक अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ कर कर्नाटक के दो निवासियों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि उनके पास से 1.15 किलोग्राम हेरोइन, पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और 9.7 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे तस्करी मॉड्यूल का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि एक खुफिया अभियान में, पुलिस दलों ने नार्को-हथियार मॉड्यूल में शामिल तीन लोगों जसप्रीत, हरप्रीत और तेजबीर को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन 9 एमएम पिस्तौल, दो प्वाइंट 30 बोर चीनी पिस्तौल सहित पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और कारतूस बरामद की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जसप्रीत और हरप्रीत हाल में मलेशिया से लौटे थे और मलेशिया तथा पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि वे अपने दोस्त तेजबीर के साथ अमृतसर इलाके में आए और अपने आकाओं के निर्देश पर हथियार और मादक पदार्थ की खेप उठाई। भुल्लर ने बताया कि एक अन्य अभियान में पुलिस ने दिल्ली, कर्नाटक और दुबई से जुड़े नार्को-हवाला नेटवर्क में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 9.7 लाख रुपये नकद और 1.15 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान जसप्रीत सिंह चौहान उर्फ कालू (26), हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी (25), तेजबीर सिंह उर्फ तेजी (21), दानिश उर्फ गग्गू (19), सलोनी (19), जोबनप्रीत सिंह उर्फ जोबन (28), कुलविंदर सिंह (28), अब्दुल रहमान (45) और प्रदीप पिंटू (44) के रूप में हुई है। रहमान और पिंटू कर्नाटक के निवासी हैं।

राहुल गांधी, उनके साथी और कांग्रेस पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (ईएमएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता है, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आज हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है, क्योंकि वे उनके साथी और उनकी पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं।

वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए नए संशोधन के अनुसार नियम अधिसूचित

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन मैनेजमेंट, परिदृश्यता, विकास इत्यादि के लिए डेवलपमेंट रूल्स 2025 को अधिसूचित कर दिया है। वक्फ संपत्तियों के लिए पोर्टल और डेटाबेस का काम शुरू हो गया है।इसमें वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव के संबंध में नये नियम लागू कर दिए गए हैं।
नए नियमों के अनुसार केंद्रीकृत पोर्टल मे डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इस पोर्टल में वक्फ से संबंधित सभी जानकारी होगी। सभी वक्फ की संपत्ति और सभी बोर्ड को अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसमें रजिस्टर, रखरखाव हो मुतवल्ली इत्यादि की जानकारी अपलोड करनी होगी।ऑडिट रिपोर्ट भी इसी पोर्टल में प्रकाशित की जाएगी। बोर्ड के जो आदेश होंगे, वह भी पोर्टल पर रहेंगे। केंद्र सरकार द्वारा जो नियम तैयार किए गए हैं।उसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव को पोर्टल की निगरानी और डेटाबेस के संबंध में जिम्मेदारी दी गई है। सभी राज्यों को संयुक्त सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। केंद्र की सलाह से सेंट्रलाइज सपोर्ट यूनिट तैयार होगी।

उद्धव-राज ठाकरे बोले- हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं: 48 मिनट के भाषण में दोनों बोले- अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी, तो हम गुंडे हैं

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में रैली की। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं। उद्धव और राज 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

राज ठाकरे 25 मिनट बोले, कहा- आडवाणी भी मिशनरी स्कूल में पढ़े

तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया: 'ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है।'

हमारे बच्चे ही नहीं, सभी अंग्रेजी स्कूल में पढ़े: हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े। दक्षिण में स्टालिन, कनिमोझी, जयललिता, नारा लोकेश, आर रहमान, सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

उद्धव ने 24 मिनट स्पीच दी, कहा- तो हां, हम गुंडे हैं

हम भी गुंडे हैं: 1992 में जब मुंबई में हिंसा फैली थी, तो यहां के मराठी लोगों ने हिंदुओं की जान बचाई थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बोला है कि वह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। तो उन्हें बता देना चाहता हूं कि अगर वह अपनी भाषा (मराठी) को लेकर गुंडागर्दी करेंगे तो फिर हम भी गुंडे हैं।

हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं: आजादी के वक्त हमने मुंबई के लिए लड़ाई लड़ी। उस समय के राजनेता नहीं चाहते थे कि महाराष्ट्र में मराठी हो। अब केंद्र की मोदी सरकार कहती है कि हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान। हमें हिंदू और हिंदुस्तान तो चाहिए, लेकिन जबरदस्ती हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपकी सात पीढ़ियां भी अगर हम पर हिंदी थोपेंगी तब भी हम ऐसा होने नहीं देंगे।

हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया गया: उद्धव ठाकरे ने कहा, आज कई बाबा ज्योतिषी व्यस्त हैं। कोई हमारी कुंडली देख रहा है, ये जानने के लिए कि हम (राज-उद्धव) साथ आएंगे। हम दोनों ने इसका अनुभव किया है कि किस प्रकार हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया जाता है। आज हम दोनों साथ हैं। हम दोनों भाइयों के स्कूल बच्चों के स्कूल के बारे में कहा, लेकिन नरेंद्र मोदी किस स्कूल में पढ़े थे।

है। रहमान ने डायस छोड़ दिया जब एक वक्ता ने हिंदी में बोलना शुरू किया। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे।

अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएं: 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र में भाषा विवाद क्या है

महाराष्ट्र में अप्रैल में 1 से 5वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी अनिवार्य की गई थी। ये फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू किया गया था। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। विवाद बढ़ने के बाद अपडेटेड गाइडलाइंस जारी की गईं। मराठी और अंग्रेजी मीडियम में कक्षा 1 से 5वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं।

इसके लिए शर्त बस यह होगी कि एक क्लास के कम से कम 20 स्टूडेंट्स हिंदी से इतर दूसरी भाषा को चुनें। ऐसी स्थिति में स्कूल में दूसरी भाषा की टीचर भी अपॉइंट कराई जाएगी। अगर दूसरी भाषा चुनने वाले स्टूडेंट्स का नंबर 20 से कम है तो वह भाषा ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जाएगी।

नीरव मोदी का भाई अमेरिका में अरेस्ट: निहाल पर पीएनबी घोटाले के सबूत मिटाने का आरोप, ईडी-सीबीआई ने प्रत्यर्पण की अपील की थी

वॉशिंगटन: पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी के भाई निहाल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को की गई। भारत के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने निहाल के प्रत्यर्पण की अपील की थी। निहाल की जमानत पर सुनवाई 17 जुलाई को नेशनल डिस्ट्रिक्ट ऑफ होनोलूलू में होगी। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पीएनबी घोटाले में शामिल होने का आरोप

अमेरिका में एलएलडी डायमंड्स के साथ धोखाधड़ी के अलावा, निहाल मोदी पर 13,600 करोड़ रुपए के पीएनबी घोटाले में शामिल होने और सबूत मिटाने का आरोप है। ईडी और सीबीआई की जांच में पता चला है कि निहाल ने नीरव मोदी की मदद में अहम भूमिका निभाई थी। फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी पैसे को छिपाया था।

निहाल मोदी के खिलाफ दो आरोपों में कार्रवाई हुई है:
मनी लॉन्ड्रिंग
आपराधिक साजिश

अब इस मामले से जुड़े जरूरी सवालों के जवाब:

सवाल 1. कैसे हुई निहाल की गिरफ्तारी
जवाब: 2019 में इंटरपोल ने निहाल के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उनकी तलाश वैश्विक स्तर पर शुरू हुई। सीबीआई और ईडी ने 2021 में अमेरिका से उनके प्रत्यर्पण की मांग की थी, क्योंकि उन्हें अमेरिका में होने की जानकारी मिली थी। हाल ही में अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के अनुरोध पर निहाल को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी होनोलूलू में हुई।

सवाल 2. पीएनबी घोटाला क्या है इसमें निहाल की क्या भूमिका थी?
जवाब: पीएनबी घोटाला 2018 में सामने आया था। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी ने पीएनबी के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए 13,600 करोड़ रुपए की हेराफेरी की। ये पैसे फर्जी कंपनियों में ट्रांसफर किए गए।

निहाल पर आरोप है कि...
- घोटाला सामने आने के बाद दुबई में मोबाइल फोन और सर्वर जैसे डिजिटल सबूत नष्ट किए।
- 6 मिलियन डॉलर की हीरे, 3.5 मिलियन यूएई दिरहम और 50 किलो सोना गायब किया।
- कर्मचारियों और डमी डायरेक्टर्स को धमकाया और भारत में जांच में शामिल होने से रोका।

सवाल 3: क्या निहाल मोदी को भारत लाया जाएगा?
जवाब: हां, भारत सरकार निहाल को भारत लाने की पूरी कोशिश कर रही है। ईडी और सीबीआई ने अमेरिका को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा है, जिसमें निहाल के खिलाफ सबूत पेश किए गए हैं। अगर कोर्ट निहल की जमानत खारिज करता है और प्रत्यर्पण को मंजूरी देता है, तो उन्हें भारत लाया जा सकता है। हालांकि, यह प्रक्रिया लंबी हो सकती है...
निहाल के वकील कोर्ट में दावा कर सकते हैं कि मामला राजनीति से प्रेरित है या भारत में उन्हें निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी।
नीरव मोदी का उदाहरण देखें। 2019 में लंदन में गिरफ्तार होने के बाद भी अब तक उनका प्रत्यर्पण नहीं हुआ।

जम्मू आधार शिविर से 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके

जम्मू, (ईएमएस)। दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए भारी बारिश के बीच शनिवार सुबह 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का नया जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। प्रशासन के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो जुलाई को 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालुओं के चौथे जत्थे में कुल 6,979 श्रद्धालु शामिल हैं जिसमें 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु-साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु सुबह साढ़े तीन बजे से चार बजकर पांच मिनट के बीच दो काफिलों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि इसमें 4,226 श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग से नुनवान आधार शिविर के लिए 161 वाहनों में रवाना हुए, जबकि 2,753 श्रद्धालु 151 वाहनों में छोटे लेकिन दुर्गम 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से रवाना हुए। जम्मू आधार शिविर से बुधवार से अब तक कुल 24,528 श्रद्धालु घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। इसके पहले सुबह का वातावरण भक्ति, उत्साह और देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। श्रद्धालुओं की जुबां पर बम बम भोले, बोले बाबा की जय और जय-जय श्रीराम जैसे जयकारे गूंज रहे थे, वहीं कुछ श्रद्धालु इंडियन आर्मी जिंदाबाद और सेना जिंदाबाद के नारे लगाते दिखाई दिए। कुछ श्रद्धालु अपने हाथों में छोटे पौधे लेकर चल रहे थे, जिन पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के स्टीकर लगे थे, जो पर्यावरण और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दे रहे थे।

नेशनल हाईवे पर अब आधा टोल लगेगा: सरकार ने इसमें 50% की कटौती की

नई दिल्ली: सरकार ने नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स में 50% तक की कटौती की है। यह कटौती विशेष रूप से उन हाईवे पर हुई है जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड स्ट्रेच मौजूद हैं। यहां यात्रा करने के लिए अब कम टोल चुकाना होगा। इससे सफर की लागत घटेगी। सरकार ने नेशनल हाईवे पर उन हिस्सों के लिए टोल टैक्स को 50% तक कम कर दिया है, जहां पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रास्ते हैं। यानी अब इन रास्तों पर सफर करना पहले से सस्ता हो जाएगा। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक सीनियर अफसर के अनुसार पुराने नियमों के चलते हर किलोमीटर में किसी स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सामान्य टोल फीस का 10 गुना चार्ज देना पड़ता था। यह तरीका उस इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत पूरा करने के लिए बनाया गया था। अब नए नियमों में यह टोल टैक्स करीब 50% तक घट जाएगा। नए नियम के तहत, टोल की गणना दो तरीकों से होगी और जो कम होगा, वही लागू होगा। अगर राजमार्ग का कोई हिस्सा पुल या सुरंग जैसी संरचना है, तो टोल की गणना के लिए संरचना की लंबाई को 10 गुना करके सामान्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा, या फिर पूरे हिस्से की लंबाई को 5 गुना किया जाएगा। इनमें से जो कम होगा, उसी के आधार पर टोल लिया जाएगा।

इससे किसे फायदा होगा?

खास तौर पर उन लोगों को फायदा होगा जो ऐसे राजमार्गों पर सफर करते हैं, जहां 50% से ज्यादा हिस्सा पुल, सुरंग या फ्लाईओवर जैसे ढांचों का है। मिसाल के तौर पर, द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे रास्तों पर टोल पहले 317 रुपए था, जो अब 153 रुपए हो सकता है। इससे आम यात्रियों और कॉमर्शियल वाहन वालों को काफी राहत मिलेगी।

बदलाव क्यों किया गया

सरकार का मकसद यात्रियों की यात्रा लागत को कम करना है, खासकर उन रास्तों पर जहां ढांचों की लागत ज्यादा होने की वजह से टोल ज्यादा वसूला जाता था। यह कदम खासकर शहरों के आसपास के बाइपास और रिंग रोड्स पर सफर करने वालों के लिए फायदेमंद होगा। यह नियम सिर्फ उन राजमार्गों पर लागू होगा जहां 50% से ज्यादा हिस्सा संरचनाओं (जैसे पुल, सुरंग, फ्लाईओवर) से बना है। सामान्य सड़कों पर टोल पहले जैसा ही रहेगा। यह नियम अब लागू हो चुका है, और यात्रियों को जल्द ही इन रास्तों पर कम टोल देना शुरू करना होगा। खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे हाई-प्रोफाइल रास्तों पर इसका असर साफ दिखेगा।

पीलीभीत में सपा के स्थानीय कार्यालय को खाली कराने के आदेश पर नहीं लगी रोक

प्रयागराज, (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की पीलीभीत नगर निगम द्वारा समाजवादी पार्टी (सपा) के स्थानीय कार्यालय को खाली कराने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विचार करने से इंकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही मामले को लेकर दीवानी न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुका है, इसलिए एक ही मुद्दे पर दोहरी राहत नहीं मांगी जा सकती।
न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने समाजवादी पार्टी की रिट याचिका को प्रत्यक्ष रूप से अस्वीकार कर कहा कि यदि याचिकाकर्ता पहले से दीवानी अदालत में पक्षकार है, तब उच्च न्यायालय में समानांतर राहत की मांग स्वीकार नहीं हो सकती।
क्या है विवाद: 12 नवंबर 2020 में पीलीभीत नगर निगम ने समाजवादी पार्टी को कार्यालय खाली करने का आदेश जारी किया। पार्टी का दावा है कि यह आदेश बिना सुनवाई का मौके दिए पारित किया था। 16 जून 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में सपा की याचिका खारिज कर पीलीभीत जिलाध्यक्ष को पुनः याचिका दायर करने से भी रोका था।
वहीं पूरे मामले में समाजवादी पार्टी का कहना है कि पीलीभीत नगर निकाय का आदेश एकतरफा और अनुचित है, और यह उनके राजनीतिक अधिकारों का हनन करता है।

30-40 साल और जीवित रहूंगा

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने शनिवार को अपने उत्तराधिकारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह अगले 30 से 40 साल और जीवित रहेंगे और लोगों की सेवा करते रहेंगे। यह बात उन्होंने अपने 90वें जन्मदिन से एक दिन पहले मैक्लोडगंज स्थित मुख्य मंदिर त्सुगलाखांग में एक दीर्घायु प्रार्थना समारोह के दौरान कही। दलाई लामा, जिनका मूल नाम तेनजिन ग्यात्सो है, ने कहा कि उन्हें "स्पष्ट संकेत" मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर (करुणा के बौद्ध देवता) की कृपा उनके साथ है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह स्वस्थ हैं और लगातार लोगों की सेवा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस बयान को उनके उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर चल रही चर्चाओं के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा है कि उन्हें अवलोकितेश्वर (बौद्ध करुणा के देवता) का आशीर्वाद प्राप्त है और अब तक उन्होंने लोगों की भलाई के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की प्रार्थनाओं का

असर अब तक दिखा है और वे आगे 30-40 साल और जीने की आशा रखते हैं। दलाई लामा ने कहा, "हमने अपना देश खो दिया है और अब भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। लेकिन इसी भारत में, खासतौर पर धर्मशाला में, मुझे बहुत से लोगों के कल्याण के लिए काम करने का अवसर मिला है। उन्होंने यह भी कहा, "मैं आगे भी लोगों की सेवा और उनके हित में कार्य करता रहूंगा।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड, बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली, (ईएमएस)। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड प्राडा फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है।

याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है।
जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है।
बता दें कोल्हापुरी चप्पलें आमतौर पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में हाथ से बनाई जाती हैं। भारत में कोल्हापुरी चप्पलों का निर्माण 12वीं या 13वीं शताब्दी से चल रहा है। मूल रूप से इस क्षेत्र के राजघरानों द्वारा संरक्षित कोल्हापुरी चप्पल स्थानीय मोची समुदाय द्वारा वनस्पति-टैन्ड चमड़े का उपयोग करके तैयार की जाती है और पूरी तरह से हाथ से बनाई जाती है। इसमें किसी कील या सिंथेटिक घटकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

भारत ने दिखाया पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं: वित्त मंत्री

रियो डी जेनेरियो,(ईएमएस)। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एक अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर प्रभाव पैदा करने वाले देश के रूप में अपनी दोहरी भूमिका के साथ अपनी आकांक्षाओं को साझा करने वाले सभी लोगों के लिए परिवर्तन का नेतृत्व करते हुए मजबूत स्थिति में है। सीतारमण आधिकारिक यात्रा के दौरान चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथ विषय पर फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ग्लोबल साउथ में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को वित्तपोषित करना केवल धन जुटाने के बारे में नहीं है, यह निष्पक्षता, विश्वास और नेतृत्व का निर्माण करने से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए, लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकास में तेजी लाना जरूरी है। साथ ही, हीटवेव, वॉटर स्ट्रेस और एक्स्ट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे जलवायु संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। भारत नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और प्रांत-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं जैसी पहलों के जरिए उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए तेजी से काम कर रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि वास्तविक चुनौती डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के साथ साझेदारी में ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा दें और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम 2030 के एजेंडे की ओर प्रयास कर रहे हैं, कोरोना महामारी के बाद विकासशील देशों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के लिए वित्तपोषण का अंतर सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो महत्वाकांक्षा और वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत एक अनोखे चौराहे पर खड़ा है। एक अरब लोगों की आकांक्षाएं तेजी से बदलते ग्रह की अनिवार्यताओं के साथ मिलती हैं। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में तेजी लाने के लिए 220 गीगावाट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता की स्थापना जैसे कार्यक्रमों से हमारी नीति इकोसिस्टम को मजबूती मिली है।

पिकनिक मनाते वक्त डोनाल्ड ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल विधेयक पर किए साइन

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। दुनिया में चर्चित रहा अमेरिका का वन बिग ब्यूटीफुल बिल कानून बनने के बाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में पिकनिक मनाते वक्त इस वन बिग ब्यूटीफुल बिल पर साइन किया। इस बिल का असल नाम टैक्स एंड स्पेंडिंग बिल है। बीते दिन ही अमेरिकी संसद से इस बिल को पास किया गया था। डोनाल्ड ट्रंप के सिग्नेचर करते ही इस बिल ने कानून की शक्ल ले ली। कांग्रेस में इस बिल को लगभग सभी रिपब्लिकन समर्थन प्राप्त हुआ। अमेरिका की आर्थिक नीति के लिहाज से ट्रंप इसे अहम बता रहे हैं। इस कदम से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की विरासत मजबूत हो सकती है। इस मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैंने अपने देश में लोगों को इसके कारण कभी इतना खुश नहीं देखा, क्योंकि इतने सारे अलग-अलग समूहों के लोगों मसलन- सेना, सभी प्रकार के नागरिक, सभी प्रकार की नौकरियां का ध्यान रखा जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि इसलिए आपके पास अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी कर कटौती, सबसे बड़ी खर्च कटौती, सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा निवेश है। उन्होंने कांग्रेस के दोनों सदनों के माध्यम से बिल का नेतृत्व करने के लिए हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून को धन्यवाद दिया।

दरअसल, इस वन बिग ब्यूटीफुल बिल में टैक्स ब्रेक और सरकारी खर्च में कटौती के प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका के 249वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वाइट हाउस के लॉन में पिकनिक समारोह आयोजित हुआ था। इसमें सांसद, ट्रंप प्रशासन के अधिकारी और कई मेहमान शामिल हुए थे। उन सबों की मौजूदगी में ट्रंप ने वन बिग ब्यूटिफुल बिल पर साइन किया। साइन करने के बाद ट्रंप ने उस गवेल को जोर से बजाया, जिसे हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने उन्हें उपहार में दिया था। गुरुवार को बिल के अंतिम पारित होने के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था। डोनाल्ड ट्रंप जब इस बिल पर साइन कर रहे थे, तब आकाश में फाइटर जेट्स और एक स्टेल्थ बॉम्बर उड़ान भर रहे थे। यह बिल ट्रंप के 2017 वाले टैक्स कटौती को स्थायी बनाएगा। इससे सरकारी खर्चे में कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे लाखों अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा से वंचित करने की उम्मीद है। सदन के पटल पर लंबे बहस के बाद यह बिल 218-214 वोट से पारित हुआ था। पहले यह सीनेट से पास हुआ, उसके बाद प्रतिनिधि सभा से।

मसूद अजहर मामले में पाकिस्तान ने फिर झाड़ा पल्ला, बिलावल बोले- मसूद पाकिस्तान में नहीं

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान ने एक बार फिर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक साक्षात्कार के दौरान दावा किया कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है और उसे गिरफ्तार करने के लिए इस्लामाबाद को भारत की ओर से ठोस सबूत चाहिए।

गौरतलब है कि वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की छवि दुनियाभर के आतंकवादियों को पालने और संरक्षण देने वाली रही है। इस बात के सबूत भी समय-समय पर मिलते रहे हैं। जहां तक बात मसूद अजहर की है तो भारत में कई बड़े हमलों से इसका नाम जुड़ा रहा है। जानकारी अनुसार मसूद अजहर का नाम भारत में जिन वीभत्स आतंकी हमलों के साथ जुड़ा रहा उनमें 2001 का संसद हमला, 2008 का 26/11 मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला, जिसमें 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। उक्त घटनाओं के कारण संयुक्त राष्ट्र ने 2019 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबूत

हाल ही में भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ एक गोपनीय सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके चार करीबी साथी मारे गए थे। यह कार्रवाई पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में स्थित जैश के ठिकानों पर की गई थी। अब ऐसे में जब बिलावल भुट्टो कहते हैं कि पाकिस्तान को नहीं पता मसूद कहां है। तो यह हास्यास्पद प्रतीत होता है।

बिलावल ने क्या कहा

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है। भारत के पास यदि कोई ठोस जानकारी है, तो उसे साझा करे, हम गिरफ्तार करेंगे। इसके साथ ही वो कहते हैं कि भारत के पास कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। मसूद के अफगानिस्तान में होने की अधिक संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में सरकारी हिरासत में है, और यह तथ्य भारत को स्वीकार करना चाहिए। बिलावल भुट्टो ने मसूद के अफगान जिहाद से पुराने संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि वह संभवतः अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। जानकारों की मानें तो बिलावल का यह बयान अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचने की रणनीति भी हो सकती है। बिलावल भुट्टो का यह बयान पाकिस्तान की परंपरागत रणनीति को ही उजागर करता है, जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ता है, आतंकियों की मौजूदगी से इनकार कर देना। भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सैन्य मोर्चे की नहीं, राजनयिक और वैचारिक स्तर पर भी सख्त रवैये की मांग करती है।

अब चीन को छोड़ अमेरिका के सामने गिड़गिड़ा रहा

चीन को दशकों से ऑल वेदर फ्रेंड मानने वाला पाकिस्तान अब शायद अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने में जुट गया है। हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत से मिली करारी शिखस्त ने पाकिस्तान की आंखें खोल दी हैं। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने चीनी हथियारों की सच्चाई सामने ला दी है। इस सैन्य संघर्ष में चीन का एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम भारतीय हमलों के सामने टिक नहीं पाया और आसानी से तबाह हो गया। वहीं चीन की आधुनिक पीएल-15 मिसाइल तकनीकी खामियों के चलते दागी ही नहीं जा सकी। यह सब कुछ पाकिस्तान के सामने हुआ, जो कि ज्यादातर हथियार चीन से ले रहा हैं। लेकिन भारत से पिटने के बाद पाकिस्तान की सेना को इस बात का गहरा झटका लगा है कि जिस चीन पर वह भरोसा कर रहा था, वहीं अब भरोसे पर खरा नहीं उतर रहा। पाकिस्तान की लगभग 81 प्रतिशत सैन्य प्रणाली चीनी है, जिसमें ड्रोन, मिसाइलें और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। अब इन हथियारों की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान अब तुर्किये, रूस और यूरोपीय देशों से हथियार खरीदने के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। तुर्की से बैराकटर ड्रोन मिल चुके हैं, लेकिन अब पाकिस्तान को हथियारों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता दोनों पर गंभीर मंथन करना पड़ रहा है। रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों ने पाकिस्तान को यह दिखा दिया है कि सिर्फ सस्ते सौदे और रणनीतिक दोस्ती युद्ध जीतने में मदद नहीं कर सकते।

ईरान के हाथ इजरायल का ड्रोन, वीडियो आया तो चौंक गए नेतन्याहू

तेहरान(ईएमएस)। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन के युद्ध में ईरान के हाथ इजरायल का एक बड़ा खजाना लग गया है। ईरान को इजरायल के सबसे उन्नत जासूसी ड्रोन में से एक 'ऑर्बिटर-5' पूरी तरह सुरक्षित हालत में मिला है। ये ड्रोन वेस्टर्न टेक्नोलॉजी से लैस था, लेकिन ईरानी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम ने इसे जमीन पर ला पटका। अब इसे खोल-खोलकर ईरानी वैज्ञानिक इसकी तकनीक को समझ रहे हैं और एक-एक पुर्जे की नकल तैयार कर रहे हैं, जो इजरायल के लिए किसी टेंशन से कम नहीं है। ईरान ने इसे खोलने का वीडियो शेयर किया है। दोनों देशों के बीच 12 दिन के युद्ध बड़े पैमाने पर एडवांस्ड हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ईरान और इजरायल दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ ड्रोन और मिसाइल दागे थे। रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायल के सैकड़ों महंगे ड्रोन भी ईरान के हाथ लग गए हैं। दरअसल इजरायल ने ईरान के अंदर से भी ड्रोन हमलों को अंजाम दिया था। इजरायली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि बहुत सारे ड्रोन को इजरायल ने छोड़ दिया था, जो अब ईरान को मिल गए हैं। अब इजरायल के लिए सबसे बड़ा खतरा इन ड्रोन्स की रिवर्स इंजीनियरिंग है। रिवर्स इंजीनियरिंग का मतलब है किसी मशीन या टेक्नोलॉजी को खोलकर समझना और फिर उसी जैसी या उससे बेहतर चीज बनाना और इसके लिए न तो किसी लाइसेंस की जरूरत होती है, न ही कानूनी रोक।

ड्रोन को खोलकर उसके रडार, कैमरा सिस्टम, प्रोसेसर, मोटर और चिप्स की डिजाइनिंग समझी जा रही है। फिर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से उसकी डिजिटल मॉडलिंग होती है, जिसमें स्ट्रक्चर, क्षमता और उड़ान तकनीक का विश्लेषण किया जाता है। इसके बाद ईरान न सिर्फ उस ड्रोन की हूबहू नकल तैयार कर सकता है, बल्कि उससे ज्यादा घातक और आधुनिक ड्रोन भी बना सकता है। इतना ही नहीं इनके जरिए ड्रोन की कमजोरी को भी समझा जा सकता है। इससे भविष्य में होने वाले हमले को ईरान नाकाम कर सकता है। इजरायल का ऑर्बिटर 5, एक एडवांस्ड ड्रोन है, जो 25 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर सकता है। 25 किलोग्राम पेलोड, और 75 किलोग्राम अधिकतम टेक-ऑफ वजन के साथ ड्रोनों जैसी क्षमताएं प्रदान करता है। यह खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें दोहरी एवियोनिक्स, कम शोर, और बहु-उपकरण क्षमता जैसे समुद्री रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल ने 'हर्मीस' जैसे मीडियम रेंज ड्रोन तैनात किए थे, जो निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए जाने जाते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप फिर चर्चा में, बहू वैनेसा करेंगी गोल्फर वुड्स से दूसरी शादी

जूनियर ट्रंप से 2018 में हो गया था तलाक, तब से हैं रिलेशनशिप में

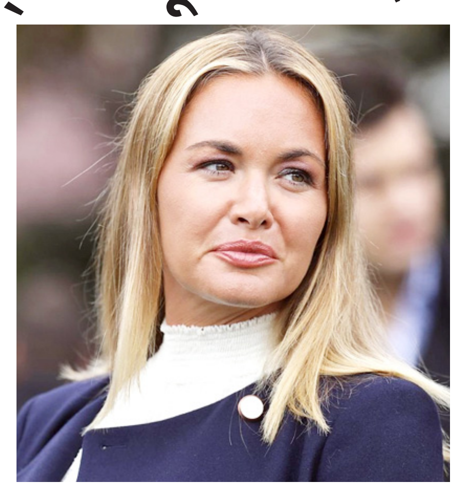

वाशिंगटन,(ईएमएस)। बिजनेस हो पॉलिटिक्स हो या फिर पर्सनल लाइफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहते हैं। पॉलिटिक्स की खबरें तो आपने खूब सुनी और पढ़ी होगी, लेकिन अब उनकी फैमिली से जुड़ी खबर ने सनसनी मच दी है। ये खबर है डोनाल्ड ट्रंप की बहु वैनेसा ट्रम्प की। वैनेसा डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ट्रंप जूनियर की एक्स वाइफ हैं। वैनेसे और ट्रंप जूनियर की शादी साल 2005 में हुई थी, लेकिन 13 साल बाद दोनों का 2018 में तलाक हो गया। वहीं अब वैनेसा दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही वह वुड्स से शादी करने वाली हैं। इस साल मार्च में पहली बार खबर आई थी कि टाइगर वुड्स और वैनेसा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वैनेसा और टाइगर वुड्स ने दुनिया की नजरों से छिप कर 2024 में एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था, लेकिन जल्दी इसके बारे में सबको पता चल गया।

बता दें ट्रंप जूनियर के साथ शादी से पहले वैनेसा भी काफी मशहूर थीं। खास तौर से उन्होंने मॉडलिंग में खूब नाम कमाया। उन्होंने 20 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके अलावा हॉलीवुड के मशहूर एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो को भी डेट कर चुकी हैं। वैनेसा ने साल 2003 में आई फिल्म समथिंग्स गोटा गिव में भी नजर आई थीं। इसके अलावा 2011 में वह अपने ससुर और अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा होस्ट किए गए द अपरेंटिस के एक एपिसोड में दिखाई दीं थी।

हिजबुल्लाह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को कम करने पर कर रहा विचार

अमेरिकी सेना संगठन पर निरस्तीकरण का दबाव बनाए हुए है

बेरुत,(ईएमएस)। इजराइल से युद्ध बाद ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह अपना शस्त्रागार कम करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ-साथ वह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को सीमित करने पर भी विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में आंतरिक चर्चा है, हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस तरह की चीजें दिखाती हैं लेबनान पर किस तरह का दबाव है। यह दबाव नवंबर के आखिर में संघर्ष विराम के बाद से और ज्यादा बढ़ गया है।

बता दें इजराइली सेना लगातार हिजबुल्लाह प्रभावित जगहों पर हमले करती है। इजराइल हिजबुल्लाह पर युद्धविराम के उल्लंघन का भी आरोप लगाता है। हालांकि हिजबुल्लाह इस बात से लगातार इनकार करता रहा है। हिजबुल्लाह पिछले कुछ समय से गंभीर आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रहा है। वहीं, अमेरिकी सेना इस संगठन पर निरस्तीकरण का दबाव बनाए हुए है। हिजबुल्लाह की परेशानी पिछले साल उस वक्त बढ़ गई जब इजराइल ने इसके ऊपर हमले करके इसकी कमान को नष्ट कर दिया था। इस हमले में हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और उसका सारे हथियार नष्ट हो गए।

हिजबुल्लाह का सीरियाई सहयोगी, बशर अल-असद, पिछले साल दिसंबर में सत्ताविहीन हो गया। इसके बाद इसकी हथियारों की सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं, ईरान खुद इजराइल के साथ युद्ध से उबरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में वह हिजबुल्लाह की कितनी मदद कर पाएगा, यह कहना मुश्किल है। हिजबुल्लाह की अंदरूनी चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समूह का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर बातें चल रही हैं।

तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों सभी को मंहगा कर दो..... डब्ल्यूएचओ की दुनिया के देशों से अपील

जेनेवा,(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनिया भर के देशों से तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों पर कर बढ़ाकर अगले दशक में इनकी कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने का अनुराध किया है। यह सिफारिश यूएन फाइनेंस फॉर डेवलपमेंट सम्मेलन में पेश की गई और इसका उद्देश्य न केवल गंभीर बीमारियों को रोकना है, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना भी है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, इस कदम से मधुमेह, मोटापा, कैंसर जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएचओ प्रमुख डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, "यह समय है कि सरकारें इस नए यथार्थ को स्वीकार करें और अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करें। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य अर्थशास्त्री गुइलेर्मो सांडोवाल के अनुसार, इस नीति के तहत किसी उत्पाद की कीमत जो आज एक मध्य-आय वाले देश में 4 डॉलर है, 2035 तक 10 डॉलर हो सकती है, इसमें महंगाई भी शामिल होगी।

7 घंटे तक बरसते रहे कीव पर बम, सायरन और लोगों की सुनाई दे रही थी चीखें

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन की राजधानी कीव में शुक्रवार रात जो हुआ उसने सारी हदें पार कर दीं। 7 घंटे तक आसमान से ड्रोन और मिसाइलें पूरे शहर पर गिरती रहीं। बमों की गूंज, सायरनों की आवाज और मलबे में दबे लोगों की चीखें... यह सिर्फ एक हमला नहीं था, यह आतंक की लंबी रात थी। हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और 26 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की।

जेलेंस्की ने इसे उत्पादक कॉल बताया। बातचीत में अमेरिका-यूक्रेन के संयुक्त हथियार निर्माण, एयर डिफेंस तकनीक और ड्रोन टेक्नोलॉजी देने पर चर्चा हुई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब खबर आ रही है कि अमेरिका ने हथियारों की सप्लाई रोक दी है, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम भी शामिल है। जेलेंस्की और ट्रंप की बातचीत का केंद्र बिंदु था, 'यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कैसे मजबूत की जाए? इस कॉल में ट्रंप ने जेलेंस्की को भरोसा दिलाया कि अमेरिका यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए साथ खड़ा रहेगा। इसको लेकर अब पुतिन टेंशन में आ गए हैं।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वे उस सैन्य सहायता की स्थिति की समीक्षा करेंगे जिसे हाल ही में पेंटागन ने स्थगित कर दी थी। पेंटागन की ओर से हाल ही में एयर डिफेंस इंटरसेप्टर्स और गोला-बारूद की सप्लाई को रोकने का फैसला ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों और यूक्रेन के लिए चौंकाने वाला था, लेकिन इस कॉल से संकेत मिला है कि अमेरिका पीछे नहीं हटने वाला और रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा कि मैं जानता हूं रूस की गतिविधियां कितनी बढ़ गई हैं। मैं ये देखूंगा कि किन मदद को रोका गया है और क्यों।

बता दें इससे एक दिन पहले ट्रंप और पुतिन के बीच भी बात हुई थी, लेकिन ट्रंप ने उस बातचीत से निराशा जताई। ट्रंप ने कहा कि मैं बहुत निराश हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि पुतिन युद्ध रोकने के मूड में हैं। पुतिन ने दोहराया कि रूस अपने युद्ध लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। पुतिन से बात के बाद रूस ने तुरंत यूक्रेन पर एक और बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें छोड़ी गईं।

रिपोर्ट के मुताबिक एक फोटोग्राफर ने बताया कि उनका घर हमले में तबाह हो गया है। उन्होंने कहा कि हम सब बेसमेंट में छिपे थे। घर पर रह जाते तो मर जाते। अधिकारियों के मुताबिक हमले से 300 टन से ज्यादा मलबा पड़ा है।

पाकिस्तान में 5 मंजिला इमारत गिरी, 14 लोगों की मौत, कई मलबे में दबे

आसपास की इमारतें कराईं खाली, बचाव व राहत कार्य में जुटी रेस्क्यू टीमें

कराची,(ईएमएस)। कराची के लियारी इलाके में बगदादी क्षेत्र में स्थित एक 5 मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई, इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंसे हैं। मृतकों में एक सात साल का बच्चा, पांच महिलाएं और 8 पुरुष शामिल हैं। यह हादसा शुक्रवार को हुआ जिसने पूरे पाकिस्तान सदमे में डाल दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह इमारत 1974 में बनी थी और 'खतरनाक घोषित' किया जा चुका था। इस इमारत में 20 फ्लैट थे, जिनमें से छह परिवार इन फ्लैट में घटना के समय रह रहे थे। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। रिश्तेदार खुद मलबे से लोगों को निकालने की कोशिश में जुट गए, जिससे रेस्क्यू में बाधा भी आई। रिपोर्ट में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि आसपास की दो और इमारतों खाली कराया गया है। पुलिस और रेंजर्स लगातार लोगों से दूर रहने की अपील कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अब तक 8 लोगों को जिंदा निकाल लिया है। मौके पर भारी मशीनें और 'ट्रैप्ड पर्सन लोकेटर' जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। रात में ऑपरेशन जारी रखने के लिए फ्लडलाइट्स लगाई गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू टीम के एक अधिकारी ने कहा कि हम थके हैं, लेकिन रुकेंगे नहीं जब तक आखिरी व्यक्ति नहीं मिल जाता। कराची के मेयर ने कहा कि शहर में 400 से ज्यादा इमारतें 'खतरनाक' घोषित की गई हैं। सरकार लोगों को इमारत खाली कराने की कोशिश करती है, लेकिन जब वे नहीं मानते तब ऐसी घटनाएं होती है।

गाजा युद्धविराम पर हमास का सकारात्मक जवाब

तेलअवीव,(ईएमएस)। हमास ने गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सकारात्मक जवाब दिया है। हमास के बयान के अनुसार, उन्होंने गाजा में अपने लोगों के खिलाफ जारी हमलों को रोकने के लिए मध्यस्थों के नए प्रस्ताव पर फिलिस्तीनी गुटों और फोर्सेज के साथ विचार-विमर्श कर अपना जवाब सौंप दिया है। हमास इस लागू करने की प्रक्रिया पर तुरंत गंभीरता से काम करने को भी तैयार है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि हमास का जवाब ज्यादातर उस नए प्रस्ताव के अनुरूप है, जिसे कतर और मिस्र की मध्यस्थता में तैयार हुआ है। इस संशोधित विटकॉफ योजना कहा जा रहा है। हमास के नेतृत्व के करीबी के मुताबिक, हमास ने मौजूदा मसौदे में कुछ छोटे-मोटे बदलावों का सुझाव दिया है, लेकिन इससे प्रस्ताव की मुख्य बातों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हमास ने मांग की है कि बेकरी, अस्पतालों और अन्य जरूरी सेवाओं को बेरोक-टोक चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में मदद पहुंचाई जानी चाहिए। मानवीय सहायता तटस्थ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठनों जैसे संयुक्त राष्ट्र, रेड क्रेसेंट और अन्य संबंधित एजेंसियों के जरिए पहुंचाई जाए। हमास वापसी की प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर चर्चा के लिए तैयार है, जब तक कि समग्र रूपरेखा बरकरार रहती है। हमास वार्ता के लिए 30 या 60 दिन के विशिष्ट विस्तार की मांग नहीं कर रहा है। इसके बजाय, हमास का मानना है कि वार्ता 60 दिन की अवधि से आगे भी जारी रहनी चाहिए, जब तक कि एक पारस्परिक और व्यापक समझौता नहीं होता।

अमेरिका में क्यों उठी मेलानिया को डिपोर्ट करने की मांग.....ट्रंप के कारण

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में इन दिनों पूर्व फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप को देश से बाहर भेजने की मांग हो रही है। यह मांग एक सामाजिक अधिकार संगठन मूव ऑन द्वारा शुरू किए गए एक सिग्नेचर कैंपेन के द्वारा की गई है। इस अभियान का तर्क है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप विदेश मूल के लोगों की नागरिकता खत्म करने की योजना बना रहे हैं, तब सबसे पहले मेलानिया ट्रंप की नागरिकता खत्म होनी चाहिए। इस कैंपेन पर अब तक हजारों हस्ताक्षर हो चुके हैं, और कुछ ट्रंप विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। मेलानिया को देश से बाहर भेजने की मांग के पीछे ट्रंप की नैचरुलाइज नागरिकों के लिए लाई गई एक नई स्कीम है। आलोचकों का कहना है कि यदि ट्रंप आव्रजन नियमों का लाभ उठाने वाले प्राकृतिक नागरिकों की जांच करना और उन्हें निर्वासित करना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी पत्नी के मामले को अनदेखा नहीं करना चाहिए। दरअसल मेलानिया का जन्म पूर्व यूगोस्लाविया (अब स्लोवेनिया) में हुआ था और वह 2006 में अमेरिकी नागरिक बनीं थीं। वह पहली अमेरिकी फर्स्ट लेडी हैं जो प्राकृतिक नागरिक हैं। 2018 में रिपोर्ट किया था कि उन्होंने खुद नागरिकता हासिल करने के बाद अपने माता-पिता को, जो स्लोवेनिया से थे, ग्रीन कार्ड और फिर नागरिकता के लिए प्रायोजित किया था। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में इसने नए सिरे से गति पकड़ी है। कुछ दिन पहले केवल 100 हस्ताक्षर थे, जो अब बढ़कर 6,000 से अधिक हो गए हैं। यह याचिका मेलानिया की आव्रजन स्थिति पर सवाल उठाती है और ट्रंप की आव्रजन नीति की आलोचना करती है।

ईरान के साथ भाईचारे वाला रिश्ता, उस पर हमला पूरे क्षेत्र की शांति पर असर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने ईरान पर हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों को लेकर अपनी स्थिति बेहद कड़ी और स्पष्ट रूप में सामने रखी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि इस्लामी गणराज्य ईरान न सिर्फ हमारा पड़ोसी है, बल्कि भाईचारा रखने वाला देश भी है, और उस पर हमला पूरे क्षेत्र की शांति के लिए गंभीर खतरा है।

प्रवक्ता खान ने कहा, हमने ईरान पर हुए हालिया अमेरिकी और इजरायली हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। ये निंदा सबसे उच्च स्तर पर दर्ज कराई गई है। पाकिस्तान क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सिद्धांतों का पूर्ण समर्थन करता है। पाकिस्तान की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब मध्य-पूर्व में हालात बेहद संवेदनशील हैं और अमेरिका व इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों से ईरान, लेबनान, सीरिया सहित कई देशों में तनाव चरम पर है। ईरान पर हुए हमले को लेकर जहां चीन और रूस ने संयम बरतने की अपील की है, वहीं पाकिस्तान ने प्रत्यक्ष रूप से अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ खड़ा होकर अपने रुख को काफी हद तक स्पष्ट किया है। बता दें कि इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने भी यहूदी देश पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सर्वोच्च नेता खामेनेई को युद्ध रोकने की धमकी दी थी।

अमेरिका ने हथियारों की बड़ी खेप रोकी

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन में जारी जंग के बीच अमेरिका ने हथियारों की एक बड़ी खेप रोक दी, जिससे यूक्रेनी सरकार सकते में आ गई। यह निर्णय अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अकेले लिया, लेकिन जल्द ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को फोन कर भरोसा दिलाया- हम आपके साथ हैं। हम जल्द हथियारों की आपूर्ति पर फिर से बात करेंगे। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा- हमने साथ मिलकर बहुत कुछ पाया है, और अब एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में मिलकर कदम बढ़ाएंगे।

परमाणु निगरानी निरीक्षकों को वापस बुलाया

तेहरान(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए ने अपने अंतिम निरीक्षकों को भी वापस बुला लिया है। अमेरिका और इजरायल के हालिया हमलों के बाद ईरान ने आईएईए से सहयोग रोकने का कानून पास कर दिया है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी ने साफ किया कि वे अपने फैसले पर कायम हैं, भले ही ईरान इसे हमलों का आधार मानता रहे। यह घटनाक्रम सिर्फ कूटनीति नहीं, पूरी दुनिया की सुरक्षा से जुड़ा मसला बन गया है। हालांकि इस बीच खबर आई है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू होगी।

रोम में पेट्रोल पंप पर धमाका 45 की मौत

रोम(ईएमएस)। शनिवार को सुबह 8 बजे के करीब एक पेट्रोल पंप पर हुआ जोरदार धमाका हुआ। इससे लोग झुलस गए। हादसा एक ट्रक के पाइपलाइन को टक्कर मारने से हुआ। जिसके बाद गैस लीक हुई, और फिर विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आए 45 लोगों में 12 पुलिसकर्मी और 6 दमकलकर्मी शामिल हैं, जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक है। पास के एक स्पोर्ट्स कैंप को समय रहते खाली कर लिया गया, नहीं तो मामला और गंभीर हो सकता था। पोप लियो और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घायलों के लिए प्रार्थना की और राहतकर्मियों को सलाम किया।

शिराज की घातक गेंदबाज़ी पर फिदा हुए तेंदुलकर, छह विकेट मोहम्मद सिराज की मेहनत का इनाम हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, "सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश!" सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रूक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रूक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाजी की और भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी। दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुआई में गेंदबाज फिर से कमाल दिखाएंगे और टीम को जीत दिलाएंगे।

लंबे समय से इस दिन का इंतजार था : सिराज

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपने करियर का यादगार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 6 विकेट लेकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। यह खास उपलब्धि सिराज के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने 548 दिन बाद टेस्ट क्रिकेट की किसी एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट चटकाए। अपने इस प्रदर्शन को उन्होंने 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा कि वे लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। सिराज इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया है। सिराज ने तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले सत्र में ही इंग्लैंड की आधी टीम को महज 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में लगातार दो विकेट झटके और मैच का रुख पलट दिया। हालांकि इसके बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की जबरदस्त साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया और स्कोर को 407 रन तक पहुंचा दिया। सिराज ने कहा कि इस पिच पर गेंदबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि विकेट धीमी थी। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। यहां छह विकेट लेना मेरे लिए बहुत खास है। विकेट काफी धीमी थी, इसलिए अनुशासन बनाए रखना जरूरी था। मेरा ध्यान कसी हुई लाइन लेंथ के साथ गेंदबाजी करने और रन रोकने पर था। हैदराबाद के इस 31 वर्षीय गेंदबाज ने इंग्लैंड की निचली क्रम की बल्लेबाजी को भी समेट दिया और टीम को भारत के विशाल स्कोर 587 के जवाब में 407 रन पर ऑल आउट कर दिया। सिराज ने यह भी कहा कि बुमराह की गैरमौजूदगी में उनके ऊपर जिम्मेदारी ज्यादा थी और उन्होंने आक्रमण का नेतृत्व करते हुए टीम के अपेक्षाकृत कम अनुभवी गेंदबाजों आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा का मार्गदर्शन किया। सिराज ने कहा, मुझे जिम्मेदारी पसंद है और चुनौतियां स्वीकार करना अच्छा लगता है। सिराज ने पिछली बार 3 जनवरी 2024 को केपटाउन टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 विकेट लेकर टीम को बड़ी जीत दिलाई थी और इस बार फिर उन्होंने साबित किया कि वे टीम के भरोसेमंद गेंदबाज हैं।

डी. गुकेश का कमाल, 19 साल की उम्र में रैपिड खिताब जीतकर रचा इतिहास

ज़ाग्रेब (ईएमएस)। क्रोएशिया के शहर ज़ाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारत के 19 वर्षीय विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड खिताब जीत लिया। ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा रहे इस टूर्नामेंट में गुकेश ने रैपिड प्रारूप में 18 में से 14 अंक हासिल किए। उनकी जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब विश्व स्तर पर एक बेहद मजबूत और खतरनाक खिलाड़ी बन चुके हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत गुकेश के लिए आसान नहीं रही। पहले ही राउंड में उन्हें पोलैंड के जान-क्र्ज़ीष्टॉफ़ डूडा से हार झेलनी पड़ी। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए। इनमें सबसे अहम जीत विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में आई। इस जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की बढ़त दिलाई और बाकी खिलाड़ियों पर दबाव बना दिया। फाइनल राउंड में गुकेश ने अमेरिका के अनुभवी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर खिताब पर निर्णायक मुहर लगा दी। इस मुकाबले में उन्होंने विरोधी की एक मामूली गलती को बेहद कुशलता से भुनाया। उनका रैपिड रिकॉर्ड 6 जीत, 2 ड्रॉ और 1 हार रहा, जो उनकी लगातार स्थिरता और रणनीतिक गहराई का प्रमाण है। तीसरे दिन के खेल में भी गुकेश ने अपना संयम और तैयारी दिखाई।

डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों का लंबा मैच खेला। इसमें उन्होंने मार्शल गैम्बिट का इस्तेमाल किया और यह भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन इससे उनकी लड़ाकू मानसिकता और जीत के जज्बे की झलक साफ दिखी। टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन ने अंतिम दिन फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रॉ खेलने के चलते वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के एक और युवा खिलाड़ी आर. प्रग्गनानंद का प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमा रहा। उन्होंने 9 मैचों में एक जीत और 7 ड्रॉ खेले और कुल 9 अंक बनाए। हालांकि ज़ाग्रेब में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन ग्रैंड चेस टूर के अन्य चरणों में शानदार नतीजों के कारण वह समग्र रैंकिंग में मजबूत दावेदार बने हुए हैं। अब इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को समाप्त होगा, जिसके बाद रैपिड और ब्लिट्ज दोनों के संयुक्त अंकों से कुल विजेता का फैसला होगा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउनः ऑर्टन और रोड्स की धमाकेदार वापसी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग स्थित पीपीजी पेंट्स एरिना में शुक्रवार को हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का एपिसोड धमाकेदार रहा। इस शो में डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर रैंडी ऑर्टन की जोरदान वापसी हुई, वहीं टैग टीम मुकाबलों ने दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। शो का मुख्य आकर्षण द ब्लडलाइन का नया और आक्रामक रूप रहा, जिसने अपने दुश्मनों पर पूरी तरह से दबदबा बनाया। शो की शुरुआत में सबसे बड़ी घोषणा हुई कि कोडी रोड्स और जॉन सीना समर सलेम में डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप में आमने-सामने होंगे। रोड्स ने इसकी पुष्टि की, जिसके तुरंत बाद रैंडी ऑर्टन ने वापसी करते हुए सीना को हराने का वादा किया। तभी ड्रू मैकइंटायर ने अपनी वापसी की और रोड्स और ऑर्टन दोनों को निशाना बनाया। मैकइंटायर के तीखे बयानों का जवाब ऑर्टन ने उन्हें आरकेओ देकर दिया, जिससे दर्शक झूम उठे। ट्रिपल थ्रेट टैग टीम मैच में शार्लेट फ्लेयर और एलेक्सा ब्लिस ने सीक्रेट हर्विस और बी-फैब व मिचीन को हराकर इवोलेशन में होने वाले डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस टैग टीम टाइटल के फेटल 4-वे मैच में अपनी जगह पक्की कर ली। इस मैच में ब्लिस और फ्लेयर के बीच तालमेल की कमी रही, लेकिन ब्लिस ने चतुराई से अपनी टीम को जीत दिलाई।

द वायट सिक्स ने भी 8 मैन टैग टीम मैच में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने मोंटेज फोर्ड, क्रिस सबिन, बर्टो और जॉनी गार्गानो की टीम को आसानी से हरा दिया। मैच में गार्गानो का क्रिस सबिन से टैग लेने से इनकार करना वायट सिक्स के लिए फायदेमंद साबित हुआ और एरिक रोवन ने गार्गानो को आयरन क्लॉ स्लैम देकर जीत हासिल की।

टिफनी स्ट्रैटन ने रिंग में आकर ट्रिश स्ट्रैटस को डब्ल्यूडब्ल्यूई इवोलुशन में विमेंस टाइटल मैच के लिए चुनौती दी, जिसे डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर स्ट्रैटस ने स्वीकार कर ली। यह मुकाबला निश्चित रूप से आगामी पीपीवी का एक मुख्य आकर्षण होगा। वहीं, एंड्राडे एल इडोलो और रे फेनिक्स की नई टैग टीम ने नाथन फ्रेजर और एक्सिओम को हराकर दूसरी जीत दर्ज हासिल की, जिससे उनकी बढ़ती हुई केमिस्ट्री साफ दिखाई दी। स्मैकडाउन का मेन इवेंट द ब्लडलाइन के अंदर के टकराव को उजागर कर रहा था। जेकब फातू और जिमी उसो का मुकाबला सोलो सिकोआ और जे सी मेटो से हुआ। एक कड़े मुकाबले के बाद फातू और उसो की टीम विजयी रही।

25 गेंदों में 9 विकेट गिरने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना, भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड से 5 रन से गंवाया तीसरा टी20

लंदन (ईएमएस)। केनिंग्टन ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को आखिरी गेंद तक चले संघर्ष में 5 रन से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि मुकाबले में भारतीय गेंदबाज़ों ने ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया जो आज तक पुरुष क्रिकेट में भी किसी ने नहीं किया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी और ओपनर सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़ दिए। 15.2 ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर बिना विकेट के 137 था और लग रहा था कि टीम 200 के पार पहुंच जाएगी। मगर इसके बाद तेजी से रन बनाने के प्रयास में इंग्लैंड की पारी भरभरा गई और अगले 25 गेंदों के अंदर उसने 9 विकेट गंवा दिए। यह किसी भी इंटरनेशनल फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में गिरने वाले 9 विकेट का रिकॉर्ड है। इस दौरान तीन बल्लेबाज़ खाता भी नहीं खोल पाईं और कुल सात खिलाड़ी सिंगल डिजिट में आउट हुए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा और अरुंधति रेड्डी ने 3-3 विकेट झटके और इंग्लैंड को 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन तक ही सीमित कर दिया। मैच की बात करें तो लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने भी तूफानी शुरुआत की। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने 9 ओवर में 85 रन जोड़ दिए और लग रहा था कि भारत आसानी से मैच जीत लेगा।

गेंदबाजों की फिटनेस समस्याएं टीम के लिए 'अशुभ' संकेतः वॉन

गेंदबाजों की फिटनेस समस्याएं टीम के लिए 'अशुभ' संकेत हैं और लंबे सीजन में मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। यह कहना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। वॉन ने कहा कि यह समस्या सिर्फ इस टेस्ट तक सीमित नहीं रह सकती, क्योंकि इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में भी पांच टेस्ट खेलने हैं, जहां मौसम और भी चुनौतीपूर्ण होगा। क्रिस वोक्स ने भी सिर्फ चार ओवर फेंके और फिर गेंदबाजी नहीं की। इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमजोर स्थिति का फायदा भारतीय बल्लेबाजों ने बखूबी उठाया। शुभमन गिल ने ब्रिटेन में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (रिकॉर्ड 266 रन) बनाकर इंग्लैंड की गेंदबाजी पर सवाल खड़े कर दिए। वॉन ने कहा कि भारत ने बहुत अनुशासित और धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की, जबकि इंग्लैंड की गेंदबाजी में स्पष्ट कमजोरी नजर आई। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान कुछ संकेत परेशान करने वाले थे, जो इंग्लैंड के लिए अच्छे नहीं कहे जा सकते। आने वाले मैचों में चुनौती और बड़ी हो सकती है, क्योंकि तीसरे टेस्ट से पहले सिर्फ तीन दिन का ही ब्रेक है।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन (ईएमएस)। केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

अस्ताना में विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत की पदक झोली में बढ़ोतरी

अस्ताना (ईएमएस)। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया। इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया। भारत का इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन रहा है। सेमीफाइनल में भारत के कुल 10 मुक्केबाज़ पहुंचे हैं और नूपुर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी हैं। इससे पहले गुरुवार को हितेश गुलिया और साक्षी ने भी अपने-अपने वर्ग में सेमीफाइनल में प्रवेश कर पोडियम फिनिश पक्का किया था। हितेश ने पुरुषों के 70 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव को 5-0 से हराया, जबकि साक्षी ने महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में ब्राजील की तातियाना रेजिना डी जीसस चागास को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

प्रियंका चोपड़ा ने रॉयल अंदाज़ में बढ़ाया समर फैशन का चार्म

लंदन (ईएमएस)। ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा हाल ही में अपने पति निक जोनस के साथ विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप 2025 में नजर आईं। यहां पर एक्ट्रेस ने अपने ऑल-व्हाइट मिनिमलिस्ट लुक से सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने राल्फ लॉरेन की डिजाइन की गई करीब 1.84 लाख रुपये की एल्ड्रेड कॉटन पिके डे ड्रेस पहनी थी, जो गर्मियों के मौसम के लिए बिल्कुल परफेक्ट मानी जा रही है। इस ड्रेस में प्रियंका बेहद क्लासिक और एलीगेंट नजर आईं और उनका यह लुक फैशन प्रेमियों के लिए इंस्पिरेशन बन गया। इस खूबसूरत आउटफिट की खासियत इसका इटालियन कॉटन पिके फैब्रिक है जो

बेहद हल्का और आरामदायक है। गर्मियों के लिहाज से यह फैब्रिक परफेक्ट माना जाता है। ड्रेस में स्ट्रक्चर्ड स्प्रेड कॉलर, स्लीवलेस फिटेड नेकलाइन और बैकलेस डिटेल इसे सिंपल होने के साथ-साथ ग्लैमरस भी बनाते हैं। साइड-सीम पॉकेट्स ने आउटफिट को कैजुअल और मॉडर्न टच दिया जबकि फिटेड बॉडिस और फ्लोर-लेंथ A-लाइन स्कर्ट इसके ओवरऑल लुक को निखारते हैं। स्कर्ट में दिए गए छोटे प्लीट्स ने इसे एलिगेंट और रिच अपील दी, जिससे प्रियंका का लुक रॉयल नजर आया। प्रियंका ने एक्सेसरीज़ के जरिए अपने स्टाइल गेम को और भी ऊंचा किया।

उन्होंने करीब 77,700 रुपये की कीमत वाले जैक्स मैरी मैज क्रास्नर सनग्लासेस पहने थे, जिनका मिड-साइज़ कैट-आई फ्रेम और डार्क ओवल लेंस आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने सफेद फ्लैट सैंडल्स और बुल्गारी की स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ लुक को फिनिशिंग टच दिया। मेकअप की बात करें तो प्रियंका ने सॉफ्ट ग्लैम लुक अपनाया जिसमें फ्लश्ड चीक्स, हाईलाइटर, कंटूर, सॉफ्ट स्मोकी आईज़ और चेरी ह्यूड लिपस्टिक का इस्तेमाल किया गया। उनके वेवी सेंटर-पार्टेड हेयरस्टाइल ने पूरे लुक को और भी ग्रेसफुल बना दिया। वहीं, निक जोनस भी बेहद एलिगेंट नजर आए। उन्होंने डीप ब्लू डबल-ब्रेस्टेड ब्लेज़र के साथ व्हाइट शर्ट, मैचिंग ब्लू टाई और व्हाइट ट्राउज़र पहना। उनका लुक प्रियंका के ऑल-व्हाइट अवतार को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट कर रहा था। प्रियंका का यह ऑल-व्हाइट लुक हल्के फैब्रिक, मिनिमल एक्सेसरीज़ और क्लीन स्टाइलिंग की वजह से गर्मी और मानसून सीजन के लिए एक आदर्श उदाहरण बन गया है। चाहे विंबलडन जैसा इवेंट हो या कोई समर डे फंक्शन, यह आउटफिट फैशन लवर्स के लिए बुकमार्क करने लायक है। प्रियंका ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सिंपलिसिटी और स्टाइल को मिलाकर एक बेहतरीन फैशन स्टेटमेंट कैसे दिया जाता है। बता दें कि फैशन और ग्लैमर की दुनिया में प्रियंका चोपड़ा का नाम हमेशा से खास रहा है और उन्होंने एक बार फिर इसे साबित कर दिया है।

कनाडा ओपनः श्रीकांत सेमीफाइनल में, श्रेयांशी बाहर

कैलगरी (ईएमएस)। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेमों में 21-18, 21-9 से हराया। वर्ल्ड नंबर-49 श्रीकांत अब फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत को निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त हासिल है। पिछली विश्व चैंपियनशिप में भी उन्होंने जापानी खिलाड़ी को सीधे गेमों में हराया था। हालांकि, निशिमोटो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका कोर्ट कवरेज शानदार माना जाता है। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-19, 21-14 से हराया था। यह मुकाबला 41 मिनट चला था। पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता श्रीकांत मई में मलेशिया मास्टर्स के भी फाइनल में पहुंचे थे और इस साल अच्छे फॉर्म में नजर आ रहे हैं। विमेंस सिंगल्स में भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वलीशेट्टी को डेनमार्क की 24 वर्षीय अमाली शुल्ज के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-12, 19-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रेयांशी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया था, लेकिन अगले दोनों गेम में बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहीं। निर्णायक गेम में उन्होंने 9-17 के अंतर को कम कर 19-21 तक पहुंचाया, मगर मामूली अंतर से हार गईं। इसी के साथ उनका नॉर्थ अमेरिका टूर समाप्त हो गया।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : चेल्सी और फ्लूमिनेंसे सेमीफाइनल में होंगे आमने-सामने

फिलाडेल्फिया (ईएमएस)। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में खेले गए फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में चेल्सी ने ब्राजील की टीम पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में निर्णायक क्षण 83वें मिनट में आया जब पाल्मेरास के डिफेंडर अगस्टिन जियाय ने आत्मघाती गोल कर दिया। इससे पहले चेल्सी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की। युवा स्टार एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। लेकिन अंत में जियाय की चूक ने चेल्सी को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। मैच के बाद चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, "जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि हम पहले हाफ में बेहतर थे और हमने खेल को अच्छे से कंट्रोल किया। खिलाड़ी जीत के हकदार थे और मैं उनके प्रदर्शन से खुश हूं। यह हमारे लिए, शानदार रात रही।" चेल्सी अब न्यूयॉर्क में सेमीफाइनल में ब्राजील की ही एक और टीम फ्लूमिनेंसे से भिड़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज एक-एक दिन में सिमटी दोनों टीमें, दूसरे दिन गिरे 12 विकेट

कंगारु टीम ने ली 45 रन की लीड, कैमरून और लियोन क्रीज पर जमे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सेंट जॉर्जेस स्टेडियम ग्रेनेडा में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। कंगारू टीम के पास 45 रन की लीड है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 286 रन पर सिमट गई थी। दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज की पहली पारी के साथ हुई। ब्रैंडन किंग के अर्धशतक की बदौलत वेस्टइंडीज टीम ने पहली पारी में 253 रन बनाए। जॉन कैम्पबेल अर्धशतक के करीब पहुंचकर कैच आउट हो गए। उन्होंने 52 गेंदों पर 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में टीम को पहला झटका लगा। जोश हेजलवुड ने क्रैग ब्रैथवेट को कॉट एंड बोल्ड कर दिया। क्रैग ब्रैथवेट ने 8 गेंदों का सामना किया और खाता भी नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए। कीसी कार्टी ने 6, कप्तान रोस्टन चेज ने 16, शाई होप ने 21, जस्टिन ग्रीव्स ने 1, अल्जारी जोसेफ ने 27 और एंडरसन फिलिप ने 10 रन बनाए। जेडन सील्स 7 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने तीन विकेट झटके। उनके अलावा कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट लिए। मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और ट्रेविस हेड को 1-1 विकेट मिला। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की बढ़त मिली। हालांकि, दूसरी पारी में कंगारुओं की शुरुआत खराब रही। 4 रन में ही टीम के 2 विकेट खो दिए। पहले ही ओवर में जेडेन सील्स ने सैम कोनस्टास को बोल्ड किया। सैम कोनस्टास दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाए। तीसरे ओवर में उस्मान ख्वाजा (2) को सील्ड ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 और नाथन लियोन 2 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं।

पाक टीम के कोच की मैकडरमॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी शेन मैकडरमॉट को पाकिस्तान ने अपनी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान के नए व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन की सिफारिश पर उन्हें चुना गया है। वह सभी प्रारूपों में यह जिम्मेदारी निभाएंगे और उनके दौरे से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है।

इस सप्ताह के अंत तक उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। 44 वर्षीय मैकडरमॉट के पास अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में कोचिंग का लंबा अनुभव है। वह हाई परफॉर्मेंस लेवल थ्री कोचिंग सर्टिफिकेट धारक हैं और बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन और क्रिकेट तस्मानिया जैसी टीमों के साथ काम कर चुके हैं। 2022-23 में वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के सहायक फील्डिंग कोच रहे लेकिन तत्कालीन हेड कोच चंदिका हथुरूसिंघे के साथ मतभेदों के चलते उनका कार्यकाल खत्म हो गया। इससे पहले मैकडरमॉट ने श्रीलंका की सीनियर पुरुष टीम के साथ तीन साल तक फील्डिंग कोच की भूमिका निभाई और वहां श्रीलंका ए टीम की कमान भी संभाली। बांग्लादेश के बाद वह अफगानिस्तान के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए और हाल ही में जून 2024 में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की ऐतिहासिक सेमीफाइनल यात्रा में उनके योगदान की काफी सराहना हुई। अपने करियर के शुरुआती दौर में वह 2012 से 2019 तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नेशनल क्रिकेट सेंटर में कई भूमिकाओं में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के अंतरिम सहायक/फील्डिंग कोच और विश्लेषक की भूमिका भी निभाई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए बांग्लादेश दौरे से व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी। इस सप्ताह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। साथ ही बोर्ड सलमान आगा को सभी प्रारूपों का कप्तान बनाए जाने की तैयारी कर रहा है, जिससे शान मसूद (टेस्ट) और मोहम्मद रिजवान (वनडे) की कप्तानी समाप्त हो जाएगी।

क्या आईओसी के दबाव में पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत देगा वीजा ?

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम को भारत आने देने के मुद्दे पर सरकार के सामने कठिन स्थिति बन गई है। कई वर्तमान और पूर्व खेल प्रशासक सरकार से अपील कर रहे हैं कि वह पाकिस्तान को वीजा देने से इनकार करे, लेकिन सरकार ऐसा कदम उठाने से झिझक रही है। इसकी वजह ओलंपिक चार्टर का नियम है, जिसमें राजनीतिक कारणों से किसी देश को टूर्नामेंट से बाहर करने को प्रतिबंधित किया गया है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का इच्छुक है और अगर इस बार पाकिस्तान को वीजा देने से इनकार किया तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सामने नकारात्मक संदेश जाएगा और भारत की दावेदारी कमजोर पड़ सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान को वीजा न देने पर यह ओलंपिक चार्टर के उल्लंघन के रूप में देखा जाएगा। चार्टर यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी योग्य एथलीट राष्ट्रीयता या राजनीतिक मतभेद के आधार पर भेदभाव का सामना न करे और उसे खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का अधिकार मिले। इसमें खेल महासंघों की स्वायत्तता और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रहने पर भी जोर दिया गया है। ऐसे में भारत सरकार को यह डर है कि अगर वह पाकिस्तान टीम को रोकती है, तो भविष्य में उसकी वैश्विक खेल प्रतिष्ठा को नुकसान होगा।

पीएमएमएसवाई का लक्ष्य फेल: भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात एक लाख करोड़ का था टारगेट, सिर्फ 62 हजार करोड़ पर अटका

भारत का समुद्री उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2025 में सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य से काफी पीछे रह गया। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 2024-25 तक 1 लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस साल निर्यात केवल 62,625.09 करोड़ रुपये तक पहुंच सका। यह लक्ष्य से 37,374.91 करोड़ रुपये कम है। एक्सपर्ट्स ने इसके लिए वैश्विक आर्थिक मंदी, सख्त गुणवत्ता मानक, बुनियादी ढांचे की कमी, नीतिगत कमियां और उत्पादों की विविधता की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। 2018-19 में समुद्री निर्यात का आधार मूल्य 46,613.03 करोड़ रुपये था, जिसे दोगुना करने का लक्ष्य पीएमएमएसवाई ने रखा था। केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने अगस्त 2024 में संसद में कहा था कि सरकार 2024-25 तक 1 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हासिल करना चाहती है। हालांकि, वैश्विक बाजारों में मांग कम होने और अन्य चुनौतियों ने इस लक्ष्य को मुश्किल बना दिया। सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एस.एस. राजू ने बताया कि अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान जैसे प्रमुख आयातक देशों में महंगाई और कम खर्च ने निर्यात की मात्रा को प्रभावित किया।

चुनौतियों का पहाड़

निर्यात में कमी की एक बड़ी वजह सख्त गुणवत्ता मानक भी हैं। राजू के मुताबिक, एंटीबायोटिक अवशेष, ट्रेसबिलिटी और सर्टिफिकेशन की समस्याओं के कारण कई खेप को खारिज कर दिया गया या देरी हुई। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे की कमी ने भी निर्यातकों को परेशान किया। कई तटीय राज्यों में बंदरगाह, प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड चेन फैसिलिटी पूरी कैपिसिटी से काम नहीं कर रही हैं। अधिक माल ढुलाई लागत और कंटेनरों की कमी ने भी वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा को मुश्किल बनाया। नीतिगत कमियां भी इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। एक्वाकनेक्ट के संस्थापक राजामनोहर सोमसुंदरम ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना पारंपरिक खेती के लिए तो ठीक है, लेकिन जलीय कृषि के लिए इसकी क्रेडिट सीमा अपर्याप्त है। इसके अलावा, 66% निर्यात जमे हुए झींगे पर निर्भर है, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव या बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्पादों और निर्यात बाजारों में विविधता लाने की जरूरत है। सोमसुंदरम ने सुझाव दिया कि मध्य पूर्व और दक्षिण कोरिया जैसे कम टैप किए गए क्षेत्रों में मौके तलाशे जाएं और उच्च मूल्य वाली प्रजातियों को बढ़ावा दिया जाए। इस बीच, अप्रैल 2025 में समुद्री निर्यात में 20.8% की बढ़ोतरी देखी गई, जब देश ने 4,981 करोड़ रुपये के उत्पाद निर्यात किए, जो पिछले साल की समान अवधि में 4,122 करोड़ रुपये थे।

हालांकि, अमेरिका द्वारा 9 जुलाई से संभावित जवाबी शुल्क लगाए जाने की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। राजू ने कहा कि अगर ये शुल्क लागू हुए, तो अमेरिकी उपभोक्ता आयात कम कर सकते हैं या अन्य आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे अरबों डॉलर का यह क्षेत्र प्रभावित हो सकता है। सरकार ने FY25 के बजट में पीएमएमएसवाई के लिए 2,352 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो मत्स्य पालन विभाग के कुल बजट का 89.8% है। मंत्रालय और एमपीईडीए से इस बारे में कोई जवाब नहीं मिल सका।

शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त गंवाई, सेंसेक्स बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार ने बीते सप्ताह दो हफ्ते की बढ़त गंवा दी। बाजार के जानकारों ने कहा कि वित्तीय सेक्टर में बड़ी साप्ताहिक गिरावट से बाजार में दबाव रहा। वहीं टैरिफ डेडलाइन से पहले निवेशक बाजार में सतर्क बने रहे। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर खुला और 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर खुला और 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले दिन हुई गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को हरियाली लौटी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.79 अंक चढ़कर 83,784.25 पर खुला और 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 51.2 अंक चढ़कर 25,568.25 पर खुला और 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरियाली बरकरार रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.56 अंक चढ़कर 83,933.85 पर खुला और 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 66.3 अंक चढ़कर 25,608.10 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख को दर्शाते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक चढ़कर 83,652.52 अंक पर खुला और 170.22 अंक गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 83.65 अंक चढ़कर 25,537.05 अंक पर खुला और 48.10 अंक गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान बैंक शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि, बाद में बाजार में सपाट रुख देखने को मिला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 67.34 अंक बढ़कर 83,306.81 पर खुला और 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ।

भारत की पहली निजी सैटकॉम कंपनी बनेगी अनंत टेक्नोलॉजीज, देशभर में देगी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा

हैदराबाद की कंपनी अनंत टेक्नोलॉजीज भारत की पहली निजी कंपनी बनने जा रही है, जो स्वदेशी सैटेलाइट के जरिए सैटेलाइट कम्युनिकेशन (सैटकॉम) सर्विस देगी। भारत के अंतरिक्ष और टेलीकॉम सेक्टर के लिए यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। न्यूज वेबसाइट द इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने अनंत टेक्नोलॉजीज को 2028 से देश में ब्रॉडबैंड-फ्रॉम-स्पेस सर्विस शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस फैसले के साथ कंपनी अब स्टारलिंक, यूरोप की यूरोसैट वनवेब और अमेजन के प्रोजेक्ट काइपर जैसे बड़े इंटरनेशनल प्लेयर्स के साथ सीधे मुकाबला कर सकेगी।

अनंत टेक्नोलॉजीज का क्या है प्लान?

अनंत टेक्नोलॉजीज 4 टन वजन वाले एक जियोस्टेशनरी सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी कर रही है, जो 35,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर तैनात होगा। यह सैटेलाइट पूरे भारत में 100 गीगाबिट प्रति सेकंड की डेटा स्पीड देगा। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए शुरुआती तौर पर 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। जरूरत पड़ने पर और फंडिंग की जाएगी। जीईओ सैटेलाइट का फायदा यह है कि एक ही सैटेलाइट पूरे भारत को कवर कर सकता है, जबकि स्टारलिंक जैसे लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट्स को पूरी तरह कवरेज के लिए कई सैटेलाइट्स की जरूरत पड़ती है। हालांकि, जीईओ सैटेलाइट्स में लेटेंसी (डेटा ट्रांसफर में देरी) एलईओ की तुलना में ज्यादा होती है।

वोडाफोन आइडिया और स्टारलिंक की नई पहल

इधर, भारत में सैटकॉम सर्विस के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को जल्द ही भारत में काम शुरू करने की अंतिम मंजूरी मिलने वाली है। इन-स्पेस ने स्टारलिंक को ड्राफ्ट लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया है, जिसके बाद औपचारिक मंजूरी मिल जाएगी। स्टारलिंक को मई में ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट लाइसेंस मिल चुका है, जिसके बाद वह भारत में कमर्शियल सर्विस देने वाली तीसरी सैटकॉम कंपनी बन गई है। दूसरी ओर, वोडाफोन आइडिया ने अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के साथ साझेदारी की है, ताकि स्मार्टफोन्स में सीधे सैटेलाइट फोन सर्विस दी जा सके। एएसटी स्पेसमोबाइल ने हाल ही में अंतरिक्ष से पहला वॉयस और वीडियो कॉल करके अपनी तकनीक का लोहा मनवाया है।

डेटा पर नियंत्रण देश के लिए जरूरी, भारत के लिए टिकाऊ वृद्धि का अहम स्रोत डिजिटली मजबूत होने में है

नई दिल्ली। भारत का तेजी से विकास हो रहा है और वह मध्यम आय से उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। केवल चुनिंदा दक्षिणपूर्वी एशियाई देश मसलन सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, ताइवान और दक्षिण कोरिया ने ही सफलतापूर्वक यह हासिल किया है। भारत के लिए टिकाऊ वृद्धि का अहम स्रोत डिजिटली मजबूत होने में है और इसके लिए मजबूत डेटा संरक्षण आवश्यक है। तेजी से उभरते टेक क्षेत्र और 108 यूनिकॉर्न के साथ भारत में प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। ब्लॉकबस्टर एबीसीडी तकनीकों –आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, क्लाउड एडॉप्टेशन और डेटा एनालिटिक्स की परिवर्तनकारी क्षमताएं तो पूरी तरह निर्विवाद हैं और वे तेजी से हमारे रोजमर्रा के जीवन में पैठ बना रही हैं। अब हम अपने ऊपर एआई के प्रभाव को लेकर पहले की तरह लापरवाह नहीं रह सकते। चाहे बात खुदरा क्षेत्र की हो, अस्पतालों की, कृषि की या हमारी रक्षा प्रणालियों की। इसके बावजूद एक अहम चुनौती अभी तक अनसुलझी है और वह है डेटा संप्रभुता। तकनीक वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को निरंतर नया आकार दे रही है ऐसे में भारत को अपने विचारों को नए सिरे से सुसंगत बनाना होगा और इस बात को ध्यान में रखना होगा कि हमारा डिजिटल भविष्य सुनिश्चित करने का काम बाह्य संस्थाओं द्वारा नहीं तय होना चाहिए।

टाटा पावर ने दिखाई ग्रीन ग्रोथ की राह, 3.4 जीडब्ल्यू रूफटॉप क्षमता तक पहुंच

टाटा पावर के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कंपनी को स्वच्छ और उपभोक्ता पर केंद्रित ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी में बदलने की रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने वित्त वर्ष 25 के दौरान रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी। चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी शुद्ध सौर और पवन ऊर्जा से 'हाइब्रिड' अक्षय ऊर्जा बाजार में एक ताकत बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कंपनी की 106वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि टाटा पावर भविष्य में परमाणु ऊर्जा विकास में भी भाग लेने के लिए तैयार है। कंपनी की भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा, 'टाटा पावर शुद्ध सौर और पवन ऊर्जा कंपनी से हाइब्रिड यानी मिश्रित (एक साथ सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं) अक्षय ऊर्जा बाजार में एक ताकत बनने की ओर अग्रसर है।' उन्होंने कहा कि टाटा पावर शुद्ध रूप से शून्य कर्बन उत्सर्जन की यात्रा में मददगार है और उद्योगों तथा उपभोक्ताओं को लगातार 24 घंटे टिकाऊ बिजली दे रहा है। चेयरमैन ने कहा कि कंपनी परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने की स्थिति में तैयार है। चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा पावर देश के ऊर्जा परिवर्तन की अगुआई करने के लिए 'आदर्श स्थिति' में है। उसका उत्पादन पोर्टफोलियो 25 गीगावॉट को पार कर गया है। इसमें से 65 प्रतिशत हिस्सा स्वच्छ और हरित स्रोतों से आता है। कंपनी अब सौर, पवन, जलविद्युत और भंडारण को एकीकृत करते हुए अक्षय ऊर्जा के हाइब्रिड समाधानों तथा चौबीसों घंटे हरित ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित कर रही है। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में टाटा पावर की 4.3 गीगावॉट की सौर विनिर्माण इकाई अब पूरी तरह चालू हो गई है। भारत से बाहर 5 गीगावॉट की अक्षय और जलविद्युत परियोजनाएं विकसित करने के लिए उसने भूटान की ड्रुक ग्रीन पावर के साथ साझेदारी भी की है।

चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी रूफटॉप सोलर और ईवी चार्जिंग समाधान वाले उपभोक्ता-केंद्रित ब्रांड के रूप में विकसित हुई है। टाटा पावर देश की अग्रणी रूफटॉप सोलर प्रदाता है और उसका देश का सबसे बड़े ईवी चार्जिंग नेटवर्क है। टाटा पावर ने 4,800 करोड़ रुपये की पारेषण परियोजनाएं हासिल की हैं। इससे उसका नेटवर्क 7,000 सर्किट किलोमीटर से अधिक हो गया। उन्होंने कहा कि इसके डिस्कॉम अब दिल्ली, मुंबई और ओडिशा सहित सात क्षेत्रों में 1.28 करोड़ ग्राहकों को सेवा देते हैं। चंद्रा ने एआई-171 हवाई त्रासदी के पीड़ितों और दिवंगत रतन टाटा को भी श्रद्धांजलि दी।

5 गुना हुई टीपीआरईएल की 'रूफटॉप' की संख्या

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) की 'रूफटॉप' सौर प्रणालियों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर पांच गुना होकर रिकॉर्ड 45,589 पर पहुंच गईं। साथ ही स्थापित क्षमता 220 मेगावॉट हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-जून में 'रूफटॉप' सौर प्रणालियों की संख्या 8,838 थी। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणालियों की संख्या में वृद्धि से टीपीआरईएल ने देश भर में कुल 2,04,443 रूफटॉप सौर प्रणालियों की स्थापना की, जिनकी संचयी क्षमता 3.4 गीगावॉट से अधिक है।

दैनिक पंचांग

6 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.09 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.25 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.37 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.02 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.18 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.24 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.10 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.43 बजे से
राहुकाल		मेष	00.13 बजे से
4.30 से 6.00		वृष	01.54 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.52 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 187 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 22.42 बजे को समाप्त।
योग साध्य 21.27 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.10 बजे तदनन्तर विष्टि 21.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872397
जूलियन दिन 2460862.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 10
विशेष देवशयनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7338

1		2	■	3	■	4		■
	■	5					■	6
7	8		■		■	9	10	
■		■	■		■	■		■
11				■	12			
■		■	■	13	■	■		■
14		15	■		■	16		17
	■	18					■	
■	19		■		■	20		

बाएँ से दाएँ

1.रोशनी-3
4.आशा,उम्मीद-2
5.एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7.भ्रमण,घूमना-3
9.फिजूल,व्यर्थ ही-3
11.गुनाह,जुर्म-4
12.स्नान करवाना-4
14.डग,पांव,पैर-3
16.मक्खन(अंग्रेजी-3)
18.रावण,दशानन-5
19.टेलीफोन,दूरभाष-2
20.असली,शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1.वार,घात-3
2.आश्रय,पनाह-3
3.पायल की आवाज-4
4.दर्पण,शीशा-3
6.चिपकू,जलौका-2
8.स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10.हकलाना,अटक-अटक कर बोलना-5
13.पशु,जन्तु-4
14.मजार,मकबरा-2
15.कामदेव-3
16.बारिश,बरसात-3
17.धनवान,संपन्न-3

शब्द पहेली -7337 का हल

जा	न	प	ह	चा	न	■	वा	त
न	■	ल	■	ल	ल	क	■	न
की	ल	■	बा	बा	■	क्ष	त्रि	य
ना	■	श	■	ज	■	■	का	■
थ	का	व	ट	■	म	स	ल	न
■	ज	■	■	स	■	त्य	■	क
फ	ल	क	■	ह	द	■	ऐ	ब
रे	■	म	स	ला	■	रो	■	ज
ब	ल	■	ब	ना	व	टी	प	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6879

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	24	21	10	■	33	23	12	21	■
15	7		3	■	4		5		26
17		2		■		4		6	15
16	7		■		7		5		24
33		5		8		2	■	■	■
■	■	■	3		5		7		32
22		4		2		■		3	9
27	4		7		■		8		19
25		6		7	■	6		1	14
■	14	17	31	36	■	11	28	13	■

अंकजाल 6878 का हल

■	18	16	27	21	■	14	19	23	■
25	6	7	9	3	■	7	2	5	14
20	5	4	9	2	■	7	5	8	20
25	7	5	3	8	2	■	7	3	10
■	■	■	4	2	7	2	5	7	27
35	8	9	2	3	8	5	■	■	■
13	6	7	■	3	6	4	5	2	20
14	5	6	3	■	4	7	8	8	27
19	5	8	6	■	4	6	8	7	25
■	24	32	9	■	31	24	21	17	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5823

	3	7		6	2	5
3	29	6	37		31	1
1	2			5	6	
	30	1	30		31	
	6	5			3	2
2	33		31	3	30	7
6	1	2		7	4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5822 का हल

7	5	3	4	2	1	6
2	24	1	27	6	36	3
1	3	2	4	5	6	7
3	31	6	31	1	30	5
5	7	4	6	3	2	1
4	39	7	39	4	25	2
6	1	5	3	7	2	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5183

45		3		61		10	=	66
	■		■		■		■	
20		5		51		25	=	24
	■		■		■		■	
50		40		10		25	=	45
	■		■		■		■	
70		18		27		40	=	75
=	■	=	■	=	■	=	■	=
45		30		27		50	=	60 / 52

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5182

50	+	22	-	63	+	20	=	29
-	■	x	■	+	■	+	■	+
22	-	2	+	20	x	2	=	80
-	■	+	■	-	■	+	■	-
25	x	3	-	70	+	50	=	55
+	■	-	■	+	■	-	■	-
40	+	30	-	35	-	15	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
43	+	17	-	48	+	57	=	34 / 69

शब्दजाल - 6870

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डो	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 अभिनेता ढूंढिए जो सर्वाधिक पारिश्रमिक लेते हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

अमिताभ बच्चन, रितीक रोशन, शाहरुख खान, रजनीकांत, आमिर खान, अक्षय कुमार, सलमान खान, सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर

शब्दजाल -6869 का हल

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	व
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	क्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्निं	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1945 संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र स्वीकार करने वाला निकारागुवा पहला देश बना.

1986 नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले आस्ट्रेलिया के दो लोगों को मलेशिया में मौत की सजा दी गई.

1990 नाटो के देशों ने यूरोप में परमाणु और परंपरागत हथियारों में कटौती का ऐलान किया.

1991 राष्ट्रसंघ के परमाणु निरीक्षकों का दल इराक में जांच के लिए पहुंचा.

1993 जापान में विश्व भर के नेताओं का आर्थिक शिखर सम्मेलन हुआ.

2002 रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष हीरजलाल धीरुभाई अंबानी का मुंबई में निधन हुआ.

2002 रेल मंत्री ने पांच और रेल जोन तथा आठ नए डिविजन बनाने की घोषणा की.

2003 भारत की सानिया मिर्जा ने लंदन में विम्बलडन टेनिस चैम्पियनशिप का युगल खिताब जीता.

रामगढ़ के करमा खदान में अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से 4 की मौत, 6 घायल

कार्यालय के सामने शवों के साथ ग्रामीणों का मुआवजे के लिए हंगामा

रामगढ़ः झारखंड के रामगढ़ जिले के कुजू प्रक्षेत्र में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की करमा परियोजना की खुली खदान में शनिवार सुबह अवैध कोयला खनन के दौरान चाल धंसने से बड़ा हादसा हुआ. इस भयावह घटना में चार ग्रामीणों की जान चली गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. गुस्साए ग्रामीणों ने सीसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शवों के साथ करमा परियोजना कार्यालय के सामने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

हादसा सुबह करीब 7 बजे महुआटुंगरी के पास सीसीएल की सुगिया खदान में हुआ. स्थानीय लोगों के अनुसार, रोजाना की तरह कई ग्रामीण अवैध रूप से कोयला निकालने खदान में पहुंचे थे. इसी दौरान अचानक ऊपर से मलबा धंस गया, जिसके नीचे 12 लोग दब गए. घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से मलबे में दबे लोगों को निकाला गया, लेकिन चार की मौत हो चुकी थी. मृतकों की पहचान निर्मल मुंडा (42, सुगिया), वकील करमाली (55), इम्तियाज अंसारी उर्फ लालू (38, महुआटुंगरी), और रामेश्वर मांझी (35, जोभिया, रजरप्पा) के रूप में हुई. घायलों में रोजिदा खातून (35), सरिता देवी (40), और अरुण मांझी (22) शामिल हैं, जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है. स्थानीय लोगों ने इस हादसे के लिए सीसीएल की लापरवाही और सुरक्षा कर्मियों की मिलीभगत को जिम्मेदार ठहराया है. एक घायल के परिजन ने बताया, 'सीसीएल ने खदान को खुला छोड़ दिया, जिसके कारण गरीब ग्रामीण जलावन और रोजगार के लिए कोयला निकालने जाते हैं. यदि खदान में बैरिकेटिंग और पर्याप्त सुरक्षा होती, तो यह हादसा टल सकता था.' ग्रामीणों का आरोप है कि सीसीएल द्वारा डायरेक्टरेट जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (डीजीएमएस) के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया. खदान में ब्लास्टिंग और ओवरबर्डन हटाने के बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे, जिससे ग्रामीणों का अनधिकृत प्रवेश आसान हो गया।

हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों और मजदूर संगठनों ने तीन शवों को करमा परियोजना कार्यालय के गेट पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया. प्रदर्शनकारी सीसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 20 लाख रुपये और घायलों के लिए 5 लाख रुपये मुआवजे की मांग कर रहे हैं. उन्होंने सीसीएल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की भी मांग की. प्रदर्शन के कारण कार्यालय के बाहर तनाव का माहौल है, और वहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया. एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'जब तक मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, हम शव नहीं हटाएंगे।'

भविष्य में हादसों को रोकने की चुनौती

यह त्रासदी न केवल सीसीएल की लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि अवैध खनन के गंभीर खतरों को भी सामने लाती है। जब तक खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन और अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम नहीं होगी, ऐसी घटनाएं रुकना मुश्किल है। प्रशासन और सीसीएल से मृतकों के परिजनों को मुआवजा, घायलों को सहायता और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

डीसी ने कहा-चार मजदूरों की मौत की होगी जांच, दोषियों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

रामगढ़ः झारखंड के रामगढ़ के सीसीएल कुजू प्रक्षेत्र के करमा परियोजना के खदान में शनिवार को सुबह चाल धंसने से चार मजदूरों की मौत के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। रामगढ़ डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने कहा कि हादसे की गहन जांच की जाएगी और इसके लिए जिम्मेदार दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर, घटनास्थल पर लोग शव को रखकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

डीसी ने इस पूरे मामले का गंभीरता पूर्वक जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि 19 जून को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में इन्हीं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इसके बावजूद करमा खदान में आज सुबह हादसा हो गया, जिसमें चार मजदूरों की जान चली गयी। उन्होंने कहा कि सीसीएल के सभी जीएम को एक बार फिर निर्देश भेजा जाएगा। जिस क्षेत्र में घटना हुई है वहां के जीएम को शो-कॉज नोटिस भी भेजा जाएगा। समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल पर लोग शव को रखकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक सीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और ग्रामीणों के बीच वार्ता चल रही थी।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के. राजू नौ को आएंगे झारखंड

रांचीः अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के. राजू दो दिवसीय प्रवास पर नौ जुलाई को यहां आएंगे। वे सीधे देवघर हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। इसके बाद वे यहां से अपने गंतव्य को रवाना हो जाएंगे। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने शनिवार को बताया कि इसके बाद के. राजू सड़क मार्ग से गोड्डा के लिए प्रस्थान करेंगे जहां वे झारखंड प्रदेश कांग्रेस की ओर से आयोजित गोड्डा, साहेबगंज और पाकुड़ जिले के प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक मंडल अध्यक्ष के अलावा जिला अध्यक्ष और जिला पर्यवेक्षक और जिला प्रशिक्षकों के साथ होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद के राजू गोड्डा से गिरिडीह के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को गिरिडीह में नवनिर्मित जिला कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और रांची के लिए प्रस्थान करेंगे। यहां वे कांग्रेस के विधायकों की बैठक में शामिल होंगे। बाद में वे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

अमूल दूध के गोदाम में लगी आग, लाखों का नुकसान

जमशेदपुरः एनएच-33 के किनारे सिमुलडांगा स्थित अमूल दूध के गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। यह घटना एमजीएम मानगो थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही एमजीएम पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रहीं। सुबह 9 बजे तक आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था। बताया जाता है कि आग के कारण करीब दो किलोमीटर की परिधि में धुआं फैल गया, जिसे देखकर बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रंजीत ने बताया कि यह गोदाम गुजराती सहकारी दूध वितरण संघ लिमिटेड के नाम से संचालित होता है और करीब एक एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। आग से गोदाम में भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में दो बड़े कारोबारियों के बेटों की मौत

धनबादः धनबाद के राजगंज स्थित गोल्डेन पेट्रोल पंप के समीप एनएच पर शनिवार सुबह करीब चार बजे एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में धनबाद के जाने माने व्यवसायी रेमंड शोरूम के मालिक का पुत्र और उनका एक मित्र शामिल हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आज सुबह बिग बाजार स्थित रेमंड शोरूम के मालिक विशाल कृष्णोनी के पुत्र सोहिल कृष्णोनी और उनका मित्र जोड़ा फाटक निवासी अनमोल रतन अपनी कार आई 20 पर सवार थे। इसी दौरान राजगंज स्थित गोल्डन पेट्रोल पंप के समीप उनकी तेजरफ्तार कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को एसएनएमएमसीएच भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना पाकर धनबाद विधायक राज सिन्हा और भारी संख्या में मृतकों के जानने वाले अस्पताल पहुंच शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते दिखे।

जमशेदपुरःराष्ट्रीय जनता दल का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

जमशेदपुरः राष्ट्रीय जनता दल, पूर्वी सिंहभूम के द्वारा पार्टी का 29वां स्थापना दिवस जिला प्रधान कार्यालय, साकची टैंक रोड स्थित नैना नेहा पैलेस में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शंभू नाथ चौधरी ने की। अपने संबोधन में चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल गरीबों, पिछड़ों, मजदूरों और पीड़ितों की आवाज है, और राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की विचारधारा ही पार्टी का मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पूर्वी सिंहभूम से राष्ट्रीय जनता दल का विधायक चुना जाएगा और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

मंत्री इरफान अंसारी ने केसी वेणुगोपाल से की मुलाकात

संगठन की स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक चर्चा

संवाददाता रांचीः झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री सह कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। झारखंड कांग्रेस संगठन की स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक चर्चा किया। मंत्री ने शनिवार को प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि उन्होंने वेणुगोपाल को अपने विभागों की प्रगति कार्य रिपोर्ट और संगठन को मजबूत करने के लिए चल रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दे दी है। वेणुगोपाल ने अंसारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मंत्री के समर्पण और ऊर्जा प्रेरणादायक है। संगठन को आप जैसे कर्मठ नेतृत्व की जरूरत है। इरफान अंसारी ने कहा कि वेणुगोपाल का मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायी रहा है। वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पार्टी और जनसेवा के कार्य करते रहेंगे। मौके पर मंत्री इरफान अंसारी के अलावे बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला भी मौजूद थे।

झारखंड के छह जिलों में छह को भारी बारिश की आशंका

रांचीः झारखंड के छह जिलों के कुछ स्थानों पर रविवार को भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है, उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला -खरसावां, सिमडेगा, लोहरदगा और कोडरमा शामिल हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। वहीं, विभाग ने आठ जुलाई तक गर्जन, बारिश और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहे। पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद के पुटकी में 60.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य के अन्य इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई।

इनमें धनबाद 36.4, पालगंज 34.6, तोपचांची 34.6, जरमुंडी 31, बोकारो थर्मल 30, नारायणपुर 30, गोविंदपुर डीवीसी 29, महारो 26.4, दुमका 25.2, नंदाडीह 20, फुसरो 19 और जमशेदपुर में 18.9 मिमी शामिल है। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 32.8, बोकारो में 31.1 और चाईबासा में तापमान 29.4 मिमी रिकॉर्ड किया गया।

ईडी ने 730 करोड़ के जीएसटी घोटाले में चार आरोपितों के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची पीएमएलए कोर्ट में 730 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इन आरोपितों में घोटाले का मास्टर माइंड शिव कुमार देवड़ा उसका बेटा मोहित देवड़ा के अलावा अमित गुप्ता और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया शामिल है। इन पर 135 कागजी कंपनियों के सहारे फर्जी 5000 करोड़ का फर्जी व्यापार दिखा कर 730 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है।

ईडी ने आठ मई को जीएसटी घोटाले से जुड़े लोगों के रांची, जमशेदपुर और कोलकाता स्थिति ठिकानों पर छापा मारा था। जमशेदपुर से व्यापारी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया, कोलकाता से शिवकुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा और अमित गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने जांच के दौरान पाया कि इन आरोपितों ने बिना वास्तविक व्यापार के ही जीएसटी बिल अपने ही द्वारा बनायी गयी शेल कंपनियों के नाम जारी किया और आइटीसी का गलत लाभ लिया। जांच में पाया गया कि इन कागजी कंपनियों में जीएसटी घोटाले से जुड़े लोगों ने फर्जी निदेशक भी बना रखा था। कुछ कंपनियों में खुद भी निदेशक थे। हालांकि सभी कंपनियों का नियंत्रण उन्हीं लोगों के पास था।

आरोपित व्यापारियों ने गलत तरीके से आइटीसी का लाभ लेने के लिए 5000 करोड़ रुपये फर्जी व्यापार का बिल जारी किया था। जीएसटी घोटाले में छापेमारी के दौरान नौ लाख रुपये नकद जब्त किये गये थे। इसके अलावा जीएसटी घोटाले में आइटीसी का गलत लाभ लेने के लिए बनाये गयी 135 कंपनियों के खातों में जमा 63 लाख रुपये जब्त किये गये। जालसाजी कर आइटीसी का गलत लाभ लेकर मनी लॉन्ड्रिंग के साहरे खरीदी गयी 5.30 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति भी जब्त कर ली गयी है। जीएसटी घोटाले में आगे की जांच जारी है।

डॉक्टर पीयूष जैन की लापरवाही से बिगड़ी मरीज की हालत, उपभोक्ता आयोग ने 1 लाख मुआवजा देने का सुनाया फैसला

जमशेदपुरः पश्चिमी सिंहभूम जिले के पपरहाटा वार्ड संख्या-10 निवासी मोहम्मद इम्तियाज द्वारा चिकित्सकीय लापरवाही को लेकर जमशेदपुर के डॉक्टर पीयूष जैन के खिलाफ दर्ज उपभोक्ता वाद में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मरीज के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने डॉक्टर को 1,00,000 (एक लाख रुपये) बतौर क्षतिपूर्ति, 67,780 उपचार खर्च और 10,000 वाद व्यय के रूप में 45 दिनों के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर 9% वार्षिक ब्याज भी देय होगा। मामले के अनुसार, 18 मार्च 2021 को शिकायतकर्ता का झींकपानी रेलवे स्टेशन के पास सड़क दुर्घटना हो गया था, जिसमें उसके दाहिने पैर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर पीयूष जैन के स्टील सिटी क्लिनिक, बिष्टुपुर, जमशेदपुर में भर्ती कराया गया, जहां 19 मार्च 2021 को पहली सर्जरी की गई। आरोप है कि गलत तरीके से ऑपरेशन किए जाने के कारण मरीज की हालत और बिगड़ गई, जिससे उसे दोबारा कई बार इलाज कराना पड़ा । यहां तक कि राउरकेला के अस्पताल में तीसरी बार सर्जरी करानी पड़ी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि डॉक्टर द्वारा सही इलाज न किए जाने के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया और अपनी आजीविका खो बैठा। वहीं डॉक्टर ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने पूरी ईमानदारी और दक्षता से इलाज किया। उन्होंने यह भी कहा कि घाव में गंभीर संक्रमण था और उन्होंने जान बचाने के उद्देश्य से ऑपरेशन किया। हालांकि, आयोग ने डॉक्टर द्वारा दिए गए बयानों और दायर साक्ष्यों के आधार पर पाया कि पहली सर्जरी में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण दूसरी सर्जरी की जरूरत पड़ी।

बाबा धाम की दान पेटियां खुलीं

देवघरः श्रावणी मेले से पहले देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर में तैयारियां जोरों पर हैं. जिला प्रशासन मंदिर परिसर से लेकर पूरे कांवरिया पथ पर सभी तैयारियों में जुटा हुआ है. इसी के मद्देनजर शनिवार को देवघर मंदिर परिसर में स्थित सभी दान पेटियों को खोला गया और जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंधन के सामने श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए लाखों रुपए निकाले गए. मंदिर परिसर में स्थित सभी दान पेटियों से मिले पैसों के बारे में देवघर के उपायुक्त नमन प्रियश लकड़ा ने बताया कि शनिवार को कुल 17 लाख 89 हजार 309 रुपए मिले. इसके अलावा नेपाल से आए श्रद्धालुओं द्वारा दान पेटियों में दिए गए दान की भी गिनती की गई. जिसमें 1500 नेपाली करेंसी मिली।

उपायुक्त नमन प्रियश लकड़ा ने बताया कि मंदिर परिसर में कुल 18 दान पेटियां खोली गईं. इसमें से निकाले गए सभी पैसों को मंदिर के मुख्य प्रशासनिक भवन में रख दिया गया है. पैसों की गिनती के दौरान मंदिर में जिला प्रशासन के साथ-साथ मंदिर प्रबंधन के अधिकारी भी मौजूद थे।

134वें डूरंड कप ट्रॉफियों को राष्ट्रपति ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

झारखंड सहित 5 राज्यों में भ्रमण करेगी

जमशेदपुरः विरासत और राष्ट्रीय गौरव से भरे इस ऐतिहासिक क्षण में, भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र(आरबीसीसी) से 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप, एशिया का सबसे पुराना और भारत का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट, औपचारिक रूप से प्रारंभ करते हुए तीन प्रतिष्ठित डूरंड कप ट्रॉफियों को रवाना किया। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब माननीय राष्ट्रपति ने यह प्रतीकात्मक कार्य किया है, जो डूरंड कप की खेल, सेवा और राष्ट्रभक्ति के संगम के रूप में स्थायी महत्व की पुष्टि करता है। यह समारोह स्वतंत्रता के बाद की उस गौरवशाली परंपरा को भी जारी रखता है, जिसमें देश के सर्वोच्च सेनापति की डूरंड कप से सीधी भागीदारी रही है। आरबीसीसी में आयोजित इस समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह, और ईस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ तथा डूरंड कप आयोजन समिति (डीसीओसी) के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर संदेश झिंगन भी मौजूद थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि डूरंड कप भारत की फुटबॉल विरासत और सशस्त्र बलों की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा, "फुटबॉल करोड़ों लोगों के दिलों में खास जगह रखता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। फुटबॉल रणनीति, सहन शक्ति और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। डूरंड कप जैसे आयोजन खेल की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ अगली पीढ़ी के फुटबॉल खिलाड़ियों को विकसित करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने डूरंड कप की भावना को जीवित रखने और उसे प्रोत्साहित करने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।डूरंड कप, राष्ट्रपति कप और शिमला ट्रॉफी, ये तीनों प्रतिष्ठित ट्रॉफियां अब इस वर्ष की पांच मेज़बान राज्यों, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, मेघालय और मणिपुर, की बहु-शहर यात्रा पर रवाना होंगी। यह ट्रॉफी टूर जनता में उत्साह और सामुदायिक गौरव को प्रज्वलित करने का उद्देश्य लेकर टूर्नामेंट की 23 जुलाई 2025 से शुरूआत से पहले आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट का भव्य फाइनल 23 अगस्त 2025 को निर्धारित है।

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर का प्रथम जीर्णोद्धार समारोह 7 जुलाई को, दिनभर पूजा-अर्चना

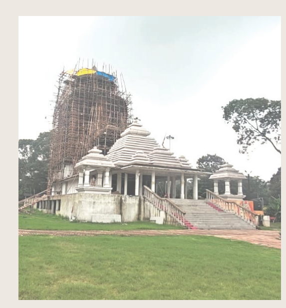

जमशेदपुरः श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है। एक वर्ष पहले, 7 जुलाई को मंदिर के गर्भगृह में श्री लक्ष्मीनारायण जी की प्रतिमा का विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इसी के साथ मंदिर परिसर में मां काली, भगवान शंकर, हनुमान जी और गणेश जी की भी प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट के संयोजक और जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने यहां संपन्न बैठक के बाद जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि इस साल 7 जुलाई को मंदिर जीर्णोद्धार का एक वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सभी देवी-देवताओं, जिनकी साल भर पहले प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, उनके समक्ष उनसे संबंधित पूजा-अर्चना की जाएगी। श्री राय ने बताया कि मां काली की प्रतिमा के समक्ष दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाएगा। भगवान शंकर के शिवलिंग के समक्ष रुद्राभिषेक किया जाएगा। श्री लक्ष्मीनारायण जी की प्रतिमा के समक्ष श्री विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ होगा। हनुमान जी की प्रतिमा के सामने पंचमुखी हनुमत कोटि स्त्रोत का पाठ होगा। इसी प्रकार श्री गणेश जी की प्रतिमा के सामने गणेश जी से संबंधित जो भी मंत्र और श्लोकादि आते हैं, उन सभी का पाठ किया जाएगा। 7 जुलाई को मंदिर के प्रांगण में पूरा दिन आध्यात्मिक वातावरण रहेगा। पूजा-अर्चना के बाद शाम में भोग-प्रसाद का वितरण होगा। बैठक में अशोक गोयल, साकेत गौतम, असीम पाठक मुन्ना सिंह, विनोद पांडेय, अजय तिवारी, राकेश ओझा आदि मौजूद रहे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।